www.epaper.azadsipahi.in

* ओड़िशा संस्करण

27 अप्रैल, 2025
वैशाख, कृष्ण पक्ष, अमावस्या
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
रविवार, वर्ष 10, अंक 187

पीएम ने 51 हजार युवाओं को जॉब लेटर दिया

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

पहलगाम हमले के बाद धनबाद में एटीएस की दबिश

आतंकी संगठन से जुड़े चार लोग दबोचे

- तोपचांची से भी दो संदिग्ध पकड़े गये
- हथियार, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और भड़काउ धार्मिक पुस्तकें बरामद
- वासेपुर समेत 15 जगहों पर छापेमारी
- हिज्ब उत तहरीर से जुड़े हैं संदिग्धों के तार, की जा रही है पूछताछ

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/जम्मू/नयी दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद पूरे देश में एटीएस की दबिश बढ़ गयी है। झारखंड के धनबाद के वासेपुर इलाके समेत 15 जगहों पर शनिवार को एटीएस ने छापेमारी की। एटीएस एसपी ऋषभ झा के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। इनसे पूछताछ की जा रही है। ये सभी आतंकी संगठन 'हिज्ब उत तहरीर' से जुड़े हैं। इनके नाम गुलफाम हसन, आयान जावेद, मो शहजाद आलम और शबनम परवीन हैं। ये सभी आतंकी संगठन से डार्क वेब के जरिये संपर्क में थे। छापेमारी में हथियार, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और भड़काऊ धार्मिक पुस्तकें बरामद की गयी हैं। वहीं, जम्मू कश्मीर के अनंतनाग से 175 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

इन स्थानों पर की गयी है छापेमारी: झारखंड में टीम ने धनबाद में वासेपुर के नूरी मस्जिद के आसपास सबसे पहले दबिश दी। इसके बाद वासेपुर स्थित शमशेर नगर में एटीएस की टीम ने छापेमारी करते हुए पति-पत्नी को हिरासत में लिया है। इसमें आयान और उसकी पत्नी शबनम शामिल है। छापेमारी के दौरान दंपति के घर से कई धार्मिक किताबें और अन्य दस्तावेज बरामद किये गये हैं। एटीएस की टीम ने इसके अलावा वासेपुर से ही युसूफ और कौसर नाम के दो युवकों को हिरासत में लिया हैं। इसके बाद टीम वासेपुर की गफ्फार कॉलोनी के अमन सोसायटी, वासेपुर बाइपास रोड पहुंची। टीम ने भूली ए ब्लॉक स्थित क्वार्टर संख्या 398 में भी छापेमारी की। यहां रहने वाले हारून रशीद से टीम ने घंटों पूछताछ की है। जानकारी के अनुसार एटीएस की टीम हारून रशीद के बेटे को खोजते हुए हुए भूली पहुंची थी। हारून रशीद का बेटा दुबई में रहता है। धनबाद पुलिस की सहायता से एटीएस की छापेमारी लगातार जारी है, जबकि भूली ओपी में धनबाद डीएसपी लॉ एंड आर्डर नौशाद आलम कैंप किये हुए हैं।

हथियार और कई डिजिटल उपकरण मिले

गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों के पास से दो पिस्टल, 12 कारतूस, कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, लैपटॉप के साथ-साथ भारी मात्रा में प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित दस्तावेज और पुस्तक बरामद किये गये हैं। इस संबंध में एटीएस, रांची में आपराधिक कांड दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। को गिरफ्तार किया है।

तोपचांची से दो संदिग्धों को दबोचा

तोपचांची थाना क्षेत्र के कांडेडीह स्थित नेशनल हाइवे पर शनिवार को एटीएस की टीम ने दोपहिया वाहन (स्कूटी) सवार दो युवकों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के समय तोपचांची तथा राजगंज थाना की पुलिस भी मौके पर मौजूद थी। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार किये गये युवकों के तार आतंकी संगठन से जुड़े होने की आशंका जतायी जा रही है। दोनों युवक पाकिस्तानी नागरिक बताये जा रहे हैं। दोनों को एटीएस की टीम ने अपने साथ ले कर चली गयी। फिलहाल पुलिस इस मामले की गंभीरता को देखते हुए किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी देने से बच रही हैं।

पहलगाम हमले के बाद 175 संदिग्ध हिरासत में

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी वारदातों के बाद सुरक्षा बल पूरी तरह से एक्शन में हैं। शनिवार को हंदवाड़ा पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-हुर्रियत से जुड़े मामलों की जांच के लिए जिले में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत पुलिस थाना हंदवाड़ा में एफआइआर के तहत यह तलाशी अभियान चलाया गया। वहीं संगठन के सदस्यों की गतिविधियों और उनके प्रतिबंधों के बावजूद जारी आपराधिक संलिप्तता को लेकर पुलिस को पुख्ता जानकारी मिली। केंद्र सरकार ने 2023 में तहरीक-ए-हुर्रियत को प्रतिबंधित किया था। साथ ही पहलगाम हमले के बाद सुरक्षाबलों ने अनंतनाग जिले में व्यापक तलाशी अभियान चलाया है। इसमें अब तक लगभग 175 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी से सुरक्षा एजेंसियां गहन पूछताछ कर रही हैं। प्रशासन ने कहा कि देश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए ऐसे प्रयासों को और तेज किया जायेगा।

गुजरात में एक हजार बांग्लादेशी हिरासत में

आजाद सिपाही संवाददाता

अहमदाबाद। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देशभर में पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है। गुजरात के अहमदाबाद और सूरत में पुलिस ने शनिवार को करीब 1000 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया। वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर उन्हें भारत से निकाला जायेगा। हरियाणा में राज्य सरकार ने 460 पाकिस्तानियों को निकालने का आदेश जारी किया है। अभी इन्हें हिरासत में लेने की कोई सूचना नहीं है। सीएम नायब सैनी ने पाकिस्तानियों को वापस भेजने के लिए गृह विभाग से प्लानिंग मांगी है। पंजाब के अटारी बॉर्डर पर शनिवार सुबह से पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़कर अपने देश लौट रहे हैं। एक पाकिस्तानी ने कहा कि उनके पास डेढ़ महीने का वीजा था, लेकिन भारत सरकार के आदेश के कारण उन्हें 15 दिनों में लौटना पड़ रहा है। दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने ट्रैवल परमिट लेकर भारत आये सभी पाकिस्तानी नागरिकों को एक मई, 2025 तक पाकिस्तान लौटने को कहा है। वहीं अवैध रूप से भारत में रह रहे लोगों को सरकार खुद उनके देश भेजेगी।

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
Admission Open 2025-26
Approved by BCI
LL.B. (3 Years) | B.A. LL.B. (Honours) (5 Years) | B.B.A. LL.B. (Honours) (5 Years)
Special Fetures - Traditional and e-Library | Highly Qualified Faculty | Legal Research Cell | Separate Hostels for Boys & Girls | 23-Year of Academic Excellence | Practical court craft & moot court | 100 + Acre Green Campus
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
BCA | MCA | BBA | MBA
B.TECH CSE | CSE (AI) | CE | EEE CSE (CYBER SECURITY) Regular & Lateral
DIPLOMA CSE | EEE | CE ME | EE Regular & Lateral
Others Job Oriented Courses
MERIT BASED SCHOLARSHIP UP TO 30% ON TUITION FEE
B.D.S | B.H.M.S | B.Sc. Nursing | GNM | ANM
B.Sc. (Medical) | B.Sc. (MLT) | M.Sc. (MLT)
B.Ed. | D.El.Ed | M.D. | M.D.S. | M.Sc. (Medical)
PARAMEDICAL | B.A. | B.Sc. | B.Com. | M.A.
M.Sc. | M.Com. | B.Sc. (Agriculture) | B.Pharm
D.Pharm | B.Lib.I.Sc. | M.Lib.I.Sc. | ITI
BDSU : FARATHIYA, GARHWA-822114, JHARKHAND
9661462506, 6206297213, 9934688493
For More Details Visit : bdsu.ac.in email : bdsugarhwa@gmail.com

न्यूज रील्स

कुलगाम में आतंकियों के दो मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के गिद्दर गांव में शनिवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। इलाके में तलाशी दौरान आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और आतंकियों के भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया। सुरक्षाबलों ने कुलगाम के कैमोह में आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से दो पिस्टल, दो मैग्जीन, 25 राउंड गोली और गोला-बारूद बरामद हुआ।

आतंकियों का ठिकाना तबाह किया

मुश्ताकाबाद। सुरक्षाबलों ने मच्छिल सेक्टर के मुश्ताकाबाद इलाके के सेदोरी नाले के घने जंगलों में एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों को एक संदिग्ध जगह पर छुपाया गया हथियारों का जखीरा मिला।

जम्मू-कश्मीर में छह आतंकवादियों के घर ध्वस्त

टीआरएफ ने लिया यू टर्न, बोला पहलगाम हमले में उसका हाथ नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

श्रीनगर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में अब तक छह आतंकवादियों के घर गिराये जा चुके हैं। इनमें लश्कर का आसिफ शेख, आदिल ठोकेर, हारिस अहमद, जैश का अहसान उल हक, जाकिर अहमद गनई और शाहिद अहमद कुटे शामिल हैं। इनमें जैश का अहसान 2018 में पाकिस्तान से ट्रेनिंग लेकर लौटा था। आसिफ और आदिल के नाम पहलगाम हमले में सामने आये थे। सेना ने त्राल, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान यह एक्शन लिया। इस बीच आतंकी संगठन द कश्मीर रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम हमले के तीन दिन बाद इसकी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया है। हमले के बाद सबसे पहले टीआरएफ ने ही इसकी जिम्मेदारी ली थी। संगठन ने कहा कि उसके डिजिटल प्लेटफॉर्म को साइबर हमला कर हैक कर लिया गया था और फर्जी संदेश डाला गया था। टीआरएफ ने भारतीय एजेंसियों पर साजिश रचने का आरोप भी लगाया और मामले की जांच शुरू करने की बात कही। उधर पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार सुबह के बाद शनिवार तड़के भी एलओसी पर फॉरवर्ड भारतीय पोस्ट पर फायरिंग की। भारतीय सेना ने भी इसका जवाब दिया। इस गोलीबारी में किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

सुरक्षाबलों के ऑपरेशन का लाइव टेलीकास्ट नहीं करे मीडिया : केंद्र

पहलगाम हमले के बाद सरकार की एडवाइजरी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सरकार ने शनिवार को मीडिया संगठनों से सेना के ऑपरेशन और सुरक्षा बलों की आवाजाही का लाइव टेलीकास्ट नहीं करने का निर्देश दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि ऐसी रिपोर्टिंग से अनजाने में दुश्मनों को मदद मिल सकती है। यह सलाह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद रक्षा मामलों पर रिपोर्टिंग के मद्देनजर जारी की गयी है, जिसमें 26 लोग मारे गये थे। सरकार ने कहा अगर कोई चैनल केबल टीवी नेटवर्क संशोधन एक्ट 2021 के नियमों का उल्लंघन करता है, तो उस पर कार्रवाई की जायेगी। इधर, भारतीय रेलवे ने भी कश्मीर में तैनात गैर-कश्मीरी कर्मचारियों के लिए कहा है कि कोई अकेले बाहर न जाये।

SHARDA GLOBAL SCHOOL
Affiliated to C.B.S.E (10+2), New Delhi
ADMISSION OPEN FOR STD. XI
Session: 2025-2026
We believe in quality not in quantity

Science	Commerce	Humanities
English, Physics, Chemistry, Maths /Bio (any one) IP/PHE/ Economics (any one)	English, Accountancy, Business Studies, Economics/ Entrepreneurship (any one) IP/PHE/ Applied Maths (any one)	English, History, Sociology, Pol. Science, IP/PHE/Economics (any one)

Additional Subject - PHE/Painting (any one) in all the Stream

- 2nd State Topper CBSE SSE
- The highlight of SSE & AISSE results: 100% First Classes.
- Students Qualified in Mathematics (IOQM 2024) and Qualified for RMO
- Affordable Fee Structure
- Early Dispersal
- Age appropriate, NEP alligned curriculum

Alumni of Sharda Global School are currently studying in IIT Roorki, BITS Pilani Hyderabad, Medical Science RIMS Ranchi, Indian Maritime University. Many more got into different Prestigious Colleges and Universities all over India.

Provisional Admission will be done on the basis of Pre-Board Result
Admission will be confirmed once Board Results are declared.

Add: Bukru, Kanke, Ranchi | Website: shardaglobalschool.com
Contact: 7542983222, 9771435100| E-mail:shardaglobalschool@gmail.com

स्वीडन के गोथेनबर्ग में भारतीय दूतावास ने झारखंड सरकार के सहयोग से निवेशक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया

सीएम ने निवेशकों को झारखंड में निवेश के लिए आमंत्रित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्वीडन में भारतीय दूतावास ने झारखंड सरकार के सहयोग से गोथेनबर्ग में एक निवेशक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 'औद्योगिक प्रतिनिधियों के साथ संवाद और प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ बैठकें (जी2बी, जी2जी)' तथा 'झारखंड में निवेश और व्यापार के अवसर: झारखंड सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रस्तुति' शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रमुख स्वीडिश कंपनियों के प्रतिनिधियों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कार्यवाहक राजदूत राकेश तिवारी ने भारत-स्वीडन के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों एवं झारखंड में उभरते निवेश अवसरों पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वीडिश कंपनियों को झारखंड में विशेष रूप से खनिज अन्वेषण, खाद्य प्रसंस्करण, स्थिरता पर केंद्रित ऊर्जा क्षेत्र और इलेक्ट्रिक वाहन (इवी) और स्वच्छ गतिशीलता के क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। झारखंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियों, औद्योगिक ढांचे, प्राकृतिक संसाधनों और सतत व समावेशी विकास पहलों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। यह कार्यक्रम स्वीडन की सतत प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता और झारखंड के हरित औद्योगीकरण के दृष्टिकोण के बीच प्राकृतिक सामंजस्य को रेखांकित करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य जी2बी और जी2जी संवाद को मजबूत करना और भारत-स्वीडन सहयोग को बढ़ावा देना है।

सीएम ने गोथेनबर्ग में वोल्वो ट्रक प्लांट का दौरा किया

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ गोथेनबर्ग में वोल्वो ट्रक प्लांट का दौरा किया और अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान झारखंड में वोल्वो द्वारा ट्रक निर्माण इकाइ स्थापित करने की संभावना पर चर्चा की गयी। खनन कार्यों के लिए ट्रकों और डंपरों में राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने वोल्वो ट्रक एक्सपीरियंस सेंटर का भी दौरा किया, जहां फर्म इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, पैसेंजर और रोड सेफ्टी और अन्य उत्पादों जैसे मिरर-लेस कैमरा इनेबल्ड ट्रक कैब, ट्रकों के लिए 3-प्वाइंट सस्पेंशन आदि में अपने नवीनतम नवाचारों को प्रदर्शित करती है। मुख्यमंत्री ने प्लांट में किये जा रहे अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास की सराहना की और वोल्वो के इलेक्ट्रिक ट्रकों को चलाने वाली 440 किलोवाट की मोटरों के टिकाऊपन और मजबूती के बारे में जानकारी ली।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 27 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in

1971 में पाकिस्तान ने कर दिया था 13 दिनों में सरेंडर और हो गये थे दो टुकड़े

2025 में 13 घंटे में निपट जायेगा पाकिस्तान

- सैन्य शक्ति में भारत दुनिया में चौथा तो पाकिस्तान 12वें पायदान पर, लेकिन गीदड़भभकी में नंबर वन
- जंग की हालत में भारत के सामने टिक नहीं सकता पाकिस्तान
- दोनों देशों के बीच सैन्य शक्ति और हथियारों की संख्या में है बड़ा अंतर
- दोनों देश परमाणु हथियारों से हैं लैस, लेकिन पलड़ा भारत का ही भारी

आजाद सिपाही विशेष

वैसे तो भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव हमेशा सतह पर रहता है, लेकिन पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 पर्यटकों की हत्या किये जाने के भारत में माहौल काफी गरम है। देश की सेनाएं हाइ अलर्ट मोड में हैं और भारत द्वारा कूटनीतिक स्ट्राइक के बाद कुछ बड़ा किये जाने जैसा माहौल बन रहा है। भारत ने जिस कड़ाई से पहलगाम नरसंहार कांड पर प्रतिक्रिया दी है, उससे दुनिया भर में यही संदेश गया है कि भारत को रोक पाना अब असंभव है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि यदि भारत और पाकिस्तान के बीच जंग छिड़ती है, तो किसका पलड़ा भारी रहेगा और दोनों देशों के पास कितनी सैन्य ताकत है। भारत ने पाकिस्तान के साथ तीन युद्ध लड़े हैं और हर बार पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। 1971 की लड़ाई में तो भारत ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दुनिया का नक्शा ही बदल दिया था। ऐसे में यह बात आराम से कही जा सकती है कि युद्ध की हालत में भारत का पलड़ा बहुत भारी है। जहां तक सैन्य ताकत की बात है, तो दोनों के पास महत्वपूर्ण सैन्य शक्ति है, लेकिन भारत को लगभग हर क्षेत्र में बढ़त हासिल है। भारत के पास अधिक सैनिक, एडवांस जेट और मिसाइलें, बेहतर उपकरण के अलावा एक बड़ी नौसेना भी है। तनाव बढ़ने पर भारत को बहुस्तरीय रक्षा क्षमताओं से उसको हवा और जमीन के अलावा समुद्र में भी लाभ मिलेगा। ग्लोबल फायर पावर इंडेक्स 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पाकिस्तान से काफी आगे है। रिपोर्ट के मुताबिक यदि भारत दुनिया में इस मामले में चौथे स्थान पर है, तो पाकिस्तान 12वें स्थान पर है। क्या है भारत और पाकिस्तान की सैन्य ताकत और कैसे भारत पाकिस्तान को युद्ध के मैदान में चौथी बार भी पटखनी देने की स्थिति में है, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

दक्षिणी कश्मीर के पहलगाम के बायसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों को गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। इस आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारत ने हमले के बाद कड़े कदम उठाते हुए सिंधु जल संधि रद्द करने समेत पाकिस्तान पर कई प्रतिबंध लगा दिये हैं। भारत की ओर से लिये गये बड़े फैसलों के बाद पाकिस्तान भी लगातार गीदड़ भभकियां दे रहा है। हालांकि सच यह है कि भारत की सैन्य शक्ति के आगे पाकिस्तान कहीं भी नहीं टिकता है। चाहे वह थल सेना की बात हो या नौसेना की या फिर वायु सेना की। भारत की तीनों सेनाएं पाकिस्तान की सेनाओं के मुकाबले अधिक मजबूत हैं। पहलगांव में कायराना हमले के बाद भारत और पाकिस्तान युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं, लेकिन सबसे अहम बात यह है कि क्या पाकिस्तान भारत की सशक्त सेनाओं का मुकाबला कर पायेगा।

भारत की ताकत

ग्लोबल फायर पावर इंडेक्स 2025 की रिपोर्ट बताती है कि सैन्य शक्ति के मामले में भारत, पाकिस्तान से काफी आगे है। अगर भारत इस मामले में चौथे पायदान पर है तो पाकिस्तान काफी दूर 12वें स्थान पर पड़ा हुआ है। अगर सक्रिय सैनिकों की बात करें तो भारत के पास 14.55 लाख की संख्या है। वहीं रिजर्व फोर्स की बात करें तो वहां भी आंकड़ा 11.55 लाख तक पहुंचता है। पैरामिलिट्री जवानों की स्थिति में भी भारत काफी मजबूत हो चुका है। वर्तमान में पैरामिलिट्री जवानों की संख्या 25 लाख 27 हजार चल रही है। पिछले कुछ स्थानों में भारत का डिफेंस बजट भी तेज गति से आगे बढ़ा ,है आंकड़ों में बात करें तो अब भारत का डिफेंस बजट 77.4 अरब डालर तक जा चुका है, इसे 681210 करोड़ रुपये भी कहा जा सकता है।

दोनों देशों की थलसेना

भारत के पास 14 लाख 55 हजार 550 सक्रिय सैनिक हैं। भारत के रिजर्व सैनिकों की संख्या 11 लाख 55 हजार है। वहीं पाकिस्तान के पास छह लाख 54 हजार सक्रिय सैनिक हैं और पांच लाख 50 हजार रिजर्व सैनिक हैं। पैरामिलिट्री फोर्स का आंकड़ा देखें, तो भारत के पास जहां 25 लाख 27 हजार सैनिकों की क्षमता है, वहीं पाकिस्तान के पास पांच लाख की पैरामिलिट्री फोर्स है। भारत के पास 4,201 टैंक हैं, जबकि पाकिस्तान के पास केवल 2,627 टैंक हैं। भारत के पास टी-90 भीष्म और अर्जुन टैंक, ब्रह्मोस मिसाइल और पिनाक रॉकेट सिस्टम से लैस हाइटेक वाहन भी हैं। भारत के पास डेढ़ लाख के करीब बख्तरबंद गाड़ियां हैं, जो पाकिस्तान के मुकाबले तीन गुना अधिक हैं। भारत के पास बोफोर्स और होवित्जर तोपें मौजूद हैं, जो पाकिस्तान को कारगिल के युद्ध में धूल चटा चुकी हैं।

दोनों देशों की वायुसेना

भारतीय वायुसेना के पास 513 जेट के साथ 2,229 एयरक्राफ्ट हैं। वहीं पाकिस्तान के पास 328 फाइटर जेट सहित कुल 1,399 विमान हैं। हेलीकॉप्टरों के मामले

में भी भारत आगे है। उसके पास 899 हेलीकॉप्टर हैं, जबकि पाकिस्तान के पास 373 हेलीकॉप्टर हैं। भारत के पास 80 अटैक हेलीकॉप्टर हैं, जबकि पाकिस्तान के पास 57 हैं। भारत की वायुसेना में राफेल फाइटर जेट, सुखोई एसयू-30 एमकेआइ, मिराज-2000, मिग-29 फाइटर जेट हैं, जो ब्रह्मोस, अस्त्र, रुद्रम और आकाश जैसे मिसाइल सिस्टम से लैस हैं। पाकिस्तान के पास जेएफ-17 थंडर, ए-16 और मिराज जैसे फाइटर जेट्स हैं। भारत के पास दुनिया की सबसे ताकतवर और खतरनाक मिसाइल है, जिसकी गति और मारक क्षमता के आगे दुनिया के बड़े से बड़े रेंज की मिसाइलें घुटने टेक देती हैं। वहीं, पाकिस्तान के पास ऐसी मिसाइलें हैं, जो भारत की पूरी सीमा को कवर करती हैं। उनकी मारक क्षमता का अंदाजा तो लगाया नहीं जा सकता, लेकिन वो भारतीय मिसाइलों की तुलना में रेंज के मामले में कहीं नहीं टिकतीं। भारत के पास ऐसी कई मिसाइलें हैं जो पाकिस्तान को धूल चटाने के लिए काफी हैं। जैसे ब्रह्मोस, अग्नि-5, पृथ्वी-3, बराक-8, के-4 मिसाइल है। वहीं पाकिस्तान के पास हत्फ-7/बाबर, हत्फ-4/शाहीन-1, हत्फ-5/गौरी, हत्फ-6/शाहीन-2, शाहीन-3 मिसाइल है।

दोनों देशों की नौसेना

भारत की नौसेना के आगे पाकिस्तान की नौसेना बेहद ही कमजोर नजर आती है, चाहे वह युद्धपोतों की बात हो या फिर पनडुब्बियों की। भारत के पास कुल 293 नौसैनिक जहाज हैं, 18 पनडुब्बियां हैं। वहीं पाकिस्तान में करीब 121 नौसैनिक जहाज और आठ पनडुब्बियां हैं। भारत के पास दो विमान वाहक पोत हैं, जबकि पाकिस्तान के पास एक भी नहीं है। वहीं भारत के पास 13 13 डिस्ट्रॉयर हैं, जबकि पाकिस्तान के पास एक भी नहीं है। भारत की नौसेना में कुल 1,42,252 सक्रिय सैनिक हैं।

भारत और पाकिस्तान का रक्षा बजट

अगर भारत और पाकिस्तान के रक्षा बजट की बात की जाये, तो भी पाकिस्तान काफी पीछे है। भारत का रक्षा बजट 2025-26 में 6.8 लाख करोड़ (करीब 79 अरब) तक पहुंच गया है, जो पिछले साल के मुकाबले 9.5% ज्यादा है। वहीं पाकिस्तान का रक्षा बजट 2,281 अरब रुपये है, जिसमें इस साल 7.49 फीसदी की बढ़ोतरी की गयी है।

पाकिस्तान के पास डेस्ट्रॉयर और एयरक्राफ्ट कैरियर नहीं

पड़ोसी पाकिस्तान के मुकाबले भारत की स्थिति काफी बेहतर है। सैन्यबलों से लेकर रक्षा बजट तक भारत ने पाकिस्तान पर बड़ी बढ़त बना रखी है। हाल के वर्षों में थलसेना के मामले में भारत ने अपनी ताकत को काफी बढ़ा लिया है। पाकिस्तान इसके सामने कहीं भी ठहरता नजर नहीं आ रहा है। इसके अलावा वायुसेना की ताकत में भी पाकिस्तान भारत के आगे कहीं नहीं ठहरता है। नौसेना में शामिल हथियारों और ताकत का जिक्र किया जाये, तो अभी तक पाकिस्तान के पास डेस्ट्रॉयर और एयरक्राफ्ट कैरियर नहीं हैं।

क्या है किसी देश की ताकत मापने का तरीका

ग्लोबल फायर पावर इंडेक्स (जीएफपी) में किसी देश की ताकत उसके स्कोर पर निर्भर होती है। जिस देश का स्कोर जितना ज्यादा होता है, उसकी ताकत उतनी ही कम आंकी जाती है। यानी 0.0000 का स्कोर सबसे शानदार माना जाता है। इसके बाद जैसे-जैसे यह स्कोर बढ़ता रहता है, वैसे ही देशों की ताकत कम मानी जाने लगती है। इन देशों को यह स्कोर उनकी सेनाओं के संख्याबल, हथियारों की ताकत, लॉजिस्टिक्स लाने-ले जाने की क्षमताएं, भौगोलिक स्थिति और आर्थिक शक्ति के आधार पर दिया जाता है।

जंग में कितने दिन तक टिक पायेगा पाकिस्तान?

पाकिस्तान की सैन्य क्षमता भारत की तुलना में कम है, खासकर अगर लड़ाई लंबी चली तो। 1971 की जंग में जब भारत ने पूर्वी और पश्चिमी दोनों मोर्चों पर हमला किया था तो पाकिस्तान ने 13 दिनों में सरेंडर कर दिया था और उसके 2 टुकड़े हो गये थे। मौजूदा समय की बात करें तो पाकिस्तान का सीधी लड़ाई में 13 दिन तक टिकना भी मुश्किल लगता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि 2 से 3 हफ्ते की जंग पाकिस्तान को पूरी तरह बर्बाद कर सकती है। इस तरह देखा जाये तो एक सैन्य शक्ति के रूप में पाकिस्तान और भारत का कोई मुकाबला ही नहीं है।

सीमा पर बढ़ रहा तनाव

भारत और पाकिस्तान की सैन्य ताकत की जानकारी के बीच यह जानना भी अहम है कि एलओसी पर भी तनाव बढ़ रहा है। पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर का उल्लंघन किया जा रहा है, जिसका जवाब भारतीय सेना भी दे रही है। पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही इस बात का डर सता रहा है कि भारत कभी भी पीओके पर हमला कर सकता है। इसी वजह से पाकिस्तान की सेना भी अलर्ट मोड पर है और साथ ही सतह से सतह पर मार करनेवाली मिसाइल की भी टेस्टिंग की जा रही है। भारत ने भी कुछ मिसाइलों की सफल टेस्टिंग की है और आइएनएस विक्रांत को भी अरब सागर में तैनात कर दिया है। भारतीय सेना भी पूरी तरह से तैयार है। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध होगा या नहीं, फिलहाल इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन जिस तरह से दोनों देशों के बीच तनातनी बढ़ रही है, वो युद्ध की ओर ही इशारा कर रही है। पीएम मोदी इस बार चुप बैठने वाले तो नहीं हैं। कुछ बड़ा जरूर होने वाला है।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री की गीदड़भभकी

सिंधु दरिया हमारा है, इसमें या तो हमारा पानी बहेगा, या फिर उनका खून : बिलावल भुट्टो

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिया है। उन्होंने शुक्रवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सिंधु नदी में या तो हमारा पानी बहेगा, या फिर उनका खून बहेगा। सिंधु दरिया हमारा है और हमारा ही रहेगा। भुट्टो ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि आप एक झटके में सिंधु जल समझौता को तोड़ दें। हम इसे

नहीं मानते हैं। हमारी अवाम इसे नहीं मानती। हजारों साल से हम इस नदी के वारिस हैं। बिलावल ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि भारत की आबादी ज्यादा है, वो यह नहीं तय कर सकते कि पानी किसका है। पाकिस्तान की अवाम बहादुर लोग हैं, हम डटकर मुकाबला करेंगे। सरहदों पर हमारी फौज हर हमले का जवाब देने को तैयार है। बिलावल ने कहा कि वे देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को इस बात का भरोसा दिलाना चाहते हैं कि अलग राजनीतिक दल होने के कारण भले ही उनकी राय अलग हो, लेकिन सिंधु जल संधि के मुद्दे पर वे उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

सीमा पर तनाव, जम्मू-कश्मीर में मेडिकल इमरजेंसी लागू

आजाद सिपाही संवाददाता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मेडिकल इमरजेंसी लागू की गयी है। सीमा पर चल रहे तनाव के चलते राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल जम्मू अलर्ट हो गया है। अस्पताल प्रशासन ने किसी भी प्रकार की स्थिति के लिए तैयार रहने और अपने स्टाफ को अनावश्यक छुट्टियां नहीं लेने को कहा है। डॉक्टर्स और स्टाफ की छुट्टियां कैंसिल कर दी गयी हैं। एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जो 24/7 हालात पर नजर रखेगा। कंट्रोल रूम में कोई भी किसी भी

स्थिति पर 0191-2582355 और 0191-2582356 पर संपर्क कर सकता है।

बांग्लादेश का भी पानी बंद करने का समय आ गया: निशिकांत दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पहलगाम आतंकी हमले से भारत वासियों का खून खौला हुआ है। इसी बीच भाजपा नेता सह गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेश पर भी निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, बांग्लादेश भी बड़ा छटपट कर रहा है। उसको भी गंगा नदी का पानी बंद करने का समय आ गया है। पानी पीकर जीयेगा हमसे, गायेगा पाकिस्तान का। सांसद ने इस ट्वीट के साथ एक अंग्रेजी वेबसाइट की खबर का

स्क्रीनशॉट भी साझा किया है। इस स्क्रीनशॉट के साथ उन्होंने लिखा, गंगाजल इन पापियों को? निशिकांत दुबे ने जो रिपोर्ट साझा की है उस रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार डॉ आसिफ नजरूल ने हमले के एक दिन बाद ढाका में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सीनियर ऑपरेटिव इजहार से मुलाकात की थी। इससे ढाका शासन द्वारा भारत के खिलाफ उग्रवाद को संभावित समर्थन के बारे में चिंताएं पैदा होती हैं। इजहार का बांग्लादेश से आतंकी हमलों की साजिश रचने का भी इतिहास रहा है। उसके हिफाजत-ए-इस्लाम से भी संबंध हैं। सांसद निशिकांत दुबे ने इससे पहले अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर तंज कसा था।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	38.6 °c	23.8 °c
सूर्यास्त (आज) :	18.14 बजे	
सूर्योदय (कल) :	05.19 बजे	

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 27 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in

पीएम ने 51 हजार युवाओं को जॉब लेटर दिया

- 15वें रोजगार मेला में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये शामिल हुए पीएम, कहा- युवाओं के लिए अवसरों का समय
- 14वां रोजगार मेला 23 दिसंबर 2024 को हुआ था, जिसमें 71 हजार को जॉब लेटर दिये गये थे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। 15वां रोजगार मेला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 51,000 से ज्यादा युवाओं को जॉब लेटर बांटें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा- यह युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रही है कि देश में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ते रहें। रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 47 स्थानों पर किया गया।

भारत अर्थव्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का हवाला देते हुए मोदी ने कहा कि, 'भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।' उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल और फुटवियर इंडस्ट्री में प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट ने नये रिकॉर्ड बनाये हैं, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार पैदा हुए हैं। प्रधानमंत्री ने हर क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को भी सराहा। उन्होंने कहा कि इस साल की यूपीएससी परीक्षा में शीर्ष पांच में से तीन टॉपर महिलाएं हैं। 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों में 10 करोड़ से अधिक महिलाएं काम कर रही हैं।

रांची रोजगार मेला में अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र, पीएम मोदी ने ऑनलाइन दी सभी को बधाई

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ के नेतृत्व में 170 अभ्यार्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

रांची (आजाद सिपाही)। भारत सरकार द्वारा आयोजित रोजगार मेला में झारखंड सहित देशभर के 51 हजार 236 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। शनिवार को रांची सहित देशभर में 47 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं को बधाई देते हुए नागरिक सेवा को देव सेवा बताते हुए बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने ऑनलाइन संबोधन में नियुक्ति पाने वाले युवाओं से कहा कि उनके कार्य का मकसद केवल पद प्राप्त करना नहीं है, बल्कि पद भारत की सेवा करने और देश की प्रगति में अपना योगदान देने के लिए है। पीएम नरेंद्र मोदी ने नियुक्ति पाने वालों में महिलाओं की संख्या देखकर प्रसन्नता जाहिर की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हाल ही में यूपीएससी द्वारा जारी रिजल्ट में टॉप पांच में तीन महिलाएं हैं।

रांची के सीसीएल सभागार में आयोजित हुआ कार्यक्रम

रांची के सीसीएल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उपस्थित 170 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस रोजगार मेला में करीब तीन सौ झारखंड के युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के लिए चिह्नित किया गया था। नियुक्ति पत्र पाने वालों में कल्पना कश्यप, रीतेश राज लकड़ा, श्याम सुंदर तिवारी, प्रियांशु विनायक, आनंद राज, बसंत मेहता, अर्पित सिन्हा, नवीन कुमार, रीतेश सिकरवार, सुरेंद्र उरांव सहित कई अभ्यार्थी शामिल थे। इन युवाओं को बैंक, इपीएफओ, केंद्रीय उत्पाद, रेलवे, पोस्टल विभाग सहित केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में पोस्टिंग दी गयी है।

इस मौके पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि यह 15वां रोजगार मेला है। जिसके माध्यम से 47 स्थान पर देश के करीब 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 10 लाख युवाओं को नौकरी देने का संकल्प पूरा हो रहा है। खास बात यह है कि रोजगार मेला में नियुक्ति पत्र पाने वाले 51 हजार युवाओं में 28 प्रतिशत महिलाएं हैं। जो बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ-बेटी बढ़ाओ के संकल्प को पूरा करता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। क्योंकि पीएम मोदी जो कहते हैं, वह करते हैं।

इस मौके पर नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थियों में काफी खुशी देखी गयी। रांची में सीजीएसटी में पोस्टिंग पाकर खुशी जताते हुए निशा सिंह कहा कि यह दिन उनके लिए खास दिन है। क्योंकि लंबे संघर्ष के बाद नौकरी पाने का अवसर मिला। वहीं लोहरदगा के सुरेंद्र उरांव ने बताया कि उनको एमटीएस में नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि रिजल्ट आने के बाद से ही प्रतीक्षा कर रहे थे, आखिरकार वह समय आ गया है, जब हम अपने सपने को पूरा करने में सफल हुए।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

- **मेष** — रोजी-रोजगार में सफलता, आर्थिक समस्याओं का समाधान, व्यापार वृद्धि। चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण बनेगा।
- **वृष** — संकल्पित काम पूरे होंगे, भौतिक सुख-सुविधा बढ़ेगी, उद्योग-धंधे में सफलता। अधिकांश समय आमोद-प्रमोद से व्यतीत होगा।
- **मिथुन** — रुके हुए काम पूरे होंगे,निर्माण कार्य में प्रगति। धनलाभ के अवसर बनेंगे, नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है।
- **कर्क** — नये लोगों से सम्पर्क,शुभ समाचार मिलेगा। गृह-भूमि-वाहन का सुख, सम्मान-स्वाभिमान की रक्षा होगी।
- **सिंह** — सामयिक-सामाजिक विकास, शत्रुओं पर विजय मिलेगा। मानसिक शक्तियों में वृद्धि।
- **कन्या** — समय अनुकूल है,आय के नये स्रोत मिल सकता है,परिवार में मांगलिक कार्य होगा।
- **तुला** — कर्मक्षेत्र में परिश्रम-संघर्ष अधिक करना पड़ेगा, आर्थिक परेशानी दूर होगी, सेहत में सुधार होगा।
- **वृश्चिक** — नवीन व्यापारिक योजना सफल, आर्थिक लाभ होगा। नौकरी में पदोन्नति होने का संभावना बन रहा है।
- **धनु** — विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास, बिगड़े कार्य बनेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मिलन होगा जो बाद में लाभकारी सिद्ध होगा।
- **मकर** — थोड़े परिश्रम से ही अभीष्ट कार्य सिद्ध होंगे। वाहन सुख, यात्रा सुखद। धन लाभ के अवसर बनेंगे।
- **कुंभ** — खर्च अधिक होगा। किसी प्रकार की कोई नवीन समस्या आ सकता है परन्तु आप अपनी सूझ-बूझ से सुलझा लेंगे।
- **मीन** — घरेलू आवश्यकताओं पर अधिक व्यय करना पड़ेगा, मानसिक चिंता बढ़ेगी। दुष्ट लोगों की संगति कलहकारी सिद्ध होगी।

बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर बाबूलाल ने साधा राज्य सरकार पर निशाना, बोले-

वोट बैंक की लालच में झामुमो-कांग्रेस ने झारखंड को बारूद के ढेर पर बैठा दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में कथित बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर एक बार फिर हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए आरोप लगाया कि बांग्लादेशी घुसपैठिए अब संथाल परगना से निकलकर कोल्हान क्षेत्र में भी तेजी से बस रहे हैं। उन्होंने लिखा, पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया के एक गांव में जहां पहले कोई मुस्लिम परिवार नहीं था, वहां अब तीन हजार मुस्लिम बच्चों के आधार कार्ड बन गये हैं। यह झारखंड की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है।

बाबूलाल मरांडी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा है कि मस्जिद-मदरसों में घुसपैठिये को शरण देकर उनका अवैध दस्तावेज तैयार किये जाने की सूचना कई बार सामने आ चुकी है। इसके बावजूद हेमंत सरकार बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच रुकवाने सुप्रीम कोर्ट तक चली जाती है।

उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति और सत्ता के लालच में झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने झारखंड को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है। बाबूलाल मरांडी ने बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसक घटनाओं का हवाला देते हुए आशंका जतायी कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाये गये, तो झारखंड में भी ऐसे हालात उत्पन्न हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा राज्य की संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ अपनी निर्णायक लड़ाई जारी रखेगी। गौरतलब है कि बाबूलाल मरांडी का यह बयान ऐसे समय आया है जब पूरा देश जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से आक्रोशित है, जिसमें आतंकियों ने निर्दोष पर्यटकों की पहचान पूछकर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी।

मंत्री हफीजुल हसन और आतंकवादियों की सोच में फर्क नहीं : बाबूलाल मरांडी

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार के मंत्री हफीजुल हसन पर तीखा हमला बोला है। मरांडी ने कहा कि मंत्री ने हाल ही में संविधान से ऊपर शरिया कानून को मानने की बात कही थी। मंत्री ने यह भी कहा था कि 'मुसलमान सब्र में है, कब्र में नहीं', और 'सड़क पर उतरेगा तो मारकाट होगी'। मरांडी ने आरोप लगाया कि यही सोच पहलगाम में आतंकवादियों ने अपनायी थी। उन्होंने बताया कि वहां आतंकवादियों ने पर्यटकों से धर्म पूछकर हिंदुओं को उनके परिवार के सामने गोलियों से भून डाला था।

भाजपा देश को किस दिशा में ले जाना चाहती है, स्पष्ट करे: विनोद कुमार पांडेय

> जब केंद्र में भाजपा की सरकार पिछले दस-ग्यारह वर्षों से है, तो अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सत्तासीन झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के आरोपों का पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को स्पष्ट करना चाहिए कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को किस दिशा में ले जाना चाहती है। पांडेय ने जोर देकर कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना – लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, साम्यवाद, गणराज्यवाद, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता – को बनाये रखना हर दल का दायित्व है, जिसे संविधान की प्रस्तावना में सुंदर ढंग से व्यक्त किया गया है।

पांडेय ने भाजपा पर धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की जनता अब समझने लगी है कि भाजपा किस प्रकार चुनावी लाभ के लिए समाज में विभाजन करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार और बंगाल में आगामी चुनावों को देखते हुए भाजपा एक बार फिर अपनी घृणित सांप्रदायिक राजनीति को हवा देने का प्रयास कर रही है, लेकिन जनता ने झारखंड में हाल ही में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के पक्ष में वोट देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि सांप्रदायिकता की राजनीति का कोई स्थान नहीं है। झारखंड में घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा द्वारा मचाये जा रहे शोर को पांडेय ने चुनावी प्रोपेगेंडा करार दिया। उन्होंने कहा कि जब केंद्र में भाजपा की सरकार पिछले दस-ग्यारह वर्षों से है, तो अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। इसके बावजूद अगर घुसपैठ की घटनाएं हो रही हैं, तो इसका जवाब केंद्रीय गृह मंत्रालय को देना चाहिए।

पांडेय ने हालिया पहलगाम घटना का हवाला देते हुए कहा कि सुरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी तय करने के बजाय भाजपा धर्म की आड़ लेकर जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे इस प्रपंच को समझें और संविधान की मूल भावना को बनाये रखने के लिए एकजुट रहें।

शहीद परिवार के आंसुओं से द्रवित हुए सुदेश, पाकिस्तान प्रायोजित आतंक को दी चेतावनी, कहा-

मनीष रंजन की शहादत को कभी भुलाया नहीं जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शहीद मनीष रंजन के अंतिम संस्कार के दूसरे दिन, झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो ने झालदा पहुंचकर शहीद के परिवार से भेंट की और गहरी संवेदना व्यक्त की। श्री महतो ने शहीद मनीष रंजन के परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा, 'यह सिर्फ एक परिवार का नहीं, पूरे झारखंड का दुख है'। शहीद मनीष रंजन की शहादत को कभी भुलाया नहीं जायेगा। आजसू पार्टी आपके साथ परिवार की तरह मजबूती से खड़ी है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि सरकार से मिलकर शहीद के परिवार को हर संभव सहायता सुनिश्चित की जायेगी और मनीष रंजन की शहादत को सम्मान और न्याय दिलाने के लिए हर कदम उठाया जायेगा।

इस दौरान श्री महतो ने शहीद मनीष रंजन के दस वर्षीय पुत्र से भी मुलाकात की। भावुक क्षणों में उन्होंने बच्चे को सांत्वना देते हुए कहा, तुम अकेले नहीं हो; पूरे झारखंड और देश की जनता तुम्हारे साथ है। तुम्हारे पिताजी का बलिदान हमारे दिलों में अमर रहेगा। मीडिया से बातचीत करते हुए श्री महतो ने पाकिस्तान प्रायोजित इस आतंकवादी हमले की तीव्र निंदा करते हुए आक्रोशपूर्ण स्वर में कहा, अब धैर्य की सीमाएं टूट चुकी हैं। निदोर्षों के रक्त का हिसाब लिया जाना चाहिए। सरकार को निर्णायक और कड़े कदम उठाने चाहिए ताकि ऐसे कायरतापूर्ण हमलों का करारा जवाब दिया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि आजसू पार्टी शहीद के परिवार के साथ एक परिवार की तरह खड़ी रहेगी। इस मौके पर आजसू पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे, जिनमें – जयपाल सिंह, संजय सिद्धार्थ, चितरंजन महतो, गौतम कृष्ण साहू, जलनाथ चौधरी, नमन ठाकुर, विज्ञान जी, जितेंद्र बड़ाइक, श्रीमती आरती देवी, आतिश महतो, राजेश महतो, अशोक साहू, अजय महतो, नीतीश महतो, कार्तिक महतो, विकाश महतो इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल थे। सभी नेताओं ने परिवार को भरोसा दिलाया कि इस कठिन घड़ी में वे अकेले नहीं हैं।

एक-एक आंसू का लिया जायेगा बदला: संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में देशभर में सामाजिक-राजनीतिक संगठनों के द्वारा आंदोलन का दौर जारी है। इन सबके बीच केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने आतंकी घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि आतंकियों से हर आंसू का बदला लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह घटना क्षम्य नहीं है और यही वजह है कि दुनिया के सभी देश भारत के हर कदम का समर्थन करने को तैयार हैं। शनिवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए संजय सेठ ने कहा कि पहलगाम घटना से पूरा देश मर्माहत है। लोग चाहते हैं कि आतंक का खात्मा हो। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े शब्दों में इसकी निंदा करते हुए आतंकियों के खिलाफ बड़ी कारवाई की बात कही है।

आइबी अधिकारी के परिजन से मिले संजय सेठ

पहलगाम घटना में मारे गये 28 पर्यटकों में झालदा के रहने वाले आइबी अधिकारी मनीष रंजन भी शामिल थे। मूलरूप से बिहार के सासाराम के रहने वाले मनीष रंजन भी परिवार के साथ कश्मीर के पहलगाम गये। आतंकवादी घटना में शिकार होने के बाद मनीष रंजन का पार्थिव शरीर पिछले दिनों झालदा लाया गया। जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। इधर घटना के बाद मनीष रंजन के परिवार से शुक्रवार को केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मनीष रंजन की पत्नी बेहोश हैं और जिस तरह से परिवार वालों ने घटना के बारे में जानकारी दी, वह बेहद ही मर्माहत करने वाली घटना है। मनीष रंजन की पत्नी ने बच्चों को लेकर 12 किलोमीटर चलकर जैसे-तैसे अपने और बच्चों को बचाया। उन्होंने कहा कि आतंकियों के इस हरकत को देशवासी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे और हर आंसुओं का बदला देश की जनता लेना चाहती है।

सड़क हादसे में तीन की मौत, सात गंभीर

> भद्रकाली मंदिर से पूजा कर लौट रहे थे श्रद्धालु
>
> 20 अप्रैल को हुई थी शादी, ससुराल आये दामाद के सामने सास, साली और नयी-नवेली दुल्हन की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। श्रद्धालुओं से भरी स्कार्पियो गाड़ी के पेड़ से टकरा जाने से एक परिवार की तीन महिलाओं की मौत हो गयी और दो बच्चों समेत सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। ग्रामीणों ने पुलिस के सहयोग से उपचार के लिए सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार ओड़िशा के राउरकेला का रहने वाले रश्मिकांत की शादी सदर थाना क्षेत्र के रखेद गांव निवासी सह झामुमो के जिला सचिव अमरदीप साहू की पुत्री आम्रपाली से 20 अप्रैल को शादी हुई थी। वह अपनी पत्नी के साथ ससुराल रखेद गांव आया था। वह अपनी पत्नी सहित ससुराल के अन्य सदस्यों के साथ इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर पूजा अर्चना करने गये थे। सभी लोग पूजा अर्चना कर वापस घर लौट रहे थे। इसी बीच इटखोरी-चतरा मुख्यमार्ग पर स्थित सदर थाना क्षेत्र के गंधरिया गांव के समीप वाहन चालक के नींद की झपकी लेने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकरायी। जिसमें मां, बहन के साथ नयी नवेली दुल्हन की मौत हो गयी। जबकि घायल दामाद रश्मिकांत और एकलौता पुत्र राहुल कुमार की स्थिति चिंताजनक बतायी जा रही है। दामाद रश्मिकांत स्वयं गाड़ी चला रहा था। मृतकों में प्रीति कुमारी 24 वर्ष, पिंकी देवी 35 वर्ष और बिमला देवी 40 वर्ष शामिल है। इसी तरह घायलों में, पिया कुमारी, मानवी कुमारी, प्रियंका कुमारी, पूजा कुमारी, रश्मिकांत साहू, रिमझिम कुमारी, राहुल कुमार का नाम शामिल है।

हमले के तार झारखंड से जुड़े, कलंकित हुआ राज्य : विजय शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के तार झारखंड से जुड़ने से झारखंड कलंकित हुआ और झारखंडी समाज शर्मशार हुआ है। विजय शंकर नायक ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों एटीएस द्वारा झारखंड के धनबाद में सघन छापेमारी के दौरान चर्चित वासेपुर स्थित शमशेर नगर में एटीएस की टीम ने पति-पत्नी समेत चार को हिरासत में लेकर गिरफ्तारी किये जाने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि आज झारखंड में बड़ी संख्या में आतंकी संगठन ने अपना स्लीपर सेल का जाल बिछा दिया है। नायक ने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि आज स्थिति इतनी भयावह हो गयी है कि केंद्रीय जांच एजेंसी आतंकी घटना के बाद पहला निशाना झारखंड के रांची, लोहरदगा, जमशेदपुर, कोडरमा को ही रखती है और जांच में इसके सार्थक परिणाम भी आते रहे हैं। नायक ने आगे कहा कि आज आतंकी संगठनों का साफ्ट कार्नर झारखंड बनता जा रहा है। आतंकी संगठन सिमी के कुछ स्लीपर सेल यहां काफी सक्रिय बताये जा रहे हैं। झारखंड के साहिबगंज, पाकुड़, दुमका जिला में इनका मुखिया सक्रिय है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों पर आरोप : नायक ने आरोप लगाया कि झारखंड में अवैध बांग्लादेश के लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। सरकार इन विषयों पर गंभीरता दिखाये नहीं तो झारखंड के लिए यह शुभ संकेत नहीं है। उन्होंने भाजपा पर भी आरोप लगाया कि उन्हें सिर्फ झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठिए नजर आते हैं जबकि भाजपा की गुजरात सरकार में आज सूरत अहमदाबाद में करीब 500 से अधिक बांग्लादेश के निवासियों को गिरफ्तार किया गया जो उन्हें दिखायी नहीं दे रहा है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Subscribe NOW

मारवाड़ी समाज ने आतंकी हमले में मारे गये लोगों को दी श्रद्धांजलि

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में आक्रोश रैली निकाली

कहा-पूरा सनातन समाज इस निर्दोष हत्या से मर्माहत और आक्रोश में है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी नृशंसता हमले के विरोध मे रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में रांची के संपूर्ण मारवाड़ी समाज के द्वारा शनिवार को आक्रोश रैली निकाली गयी। यह कैंडल शांति रैली बकरी बाजार से निकाली गयी। निर्दोष हिंदू नागरिकों की निर्ममता से की गयी हत्या पर रैली में शामिल सभी लोग आक्रोशित थे। उन्होंने कहा कि पूरा सनातन समाज इस निर्दोष हत्या से मर्माहत और आक्रोश में है। रैली में लोगों ने हाथों में तिरंगा झंडा, हाथों में काला पट्टी बांधकर और कैंडल जलाकर कहा कि आतंकवादियों द्वारा हिंदुओं के साथ इस तरह का कुकृत्य किया गया है। वह अत्यंत दुखदायी है। केंद्र सरकार आतंकी हमले का तुरंत करारा जवाब देते हुए आतंकी देश पाकिस्तान को नेस्तनाबूद करे। नृशंस आतंकी हमले में दिवगंत आत्मा देश की एकता और अखंडता को जागृत कर रही हैं। और चित्कार कर ललकार रही हैं कि हिंदुओं एक हो जाओ, हिंदुस्तान से आतंकी हमले समाप्त करो। आतंकवाद मुक्त भारत का निर्माण करो। आतंकी हमले का हम सब मिलकर डटकर मुकाबला करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि आतंकियों ने कयरतापूर्ण और घृणित कृत्य हमला कर देश की एकता और अखंडता पर प्रहार करने की दुस्साहस की है। जो कि कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। केंद्र सरकार त्वरित कठोर कार्रवाई करते हुए इसका मुंह तोड़ जवाब दे। समाज के हर वर्ग को आतंकवादी के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा। कैंडल शांति मार्च और आक्रोश रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक तक गयी। अल्बर्ट एक्का चौक में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। आतंकी हमले में मारे गये लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गयी। इस रैली में मारवाड़ी समाज के विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों में कमल कुमार केडिया, रमाशंकर बगड़िया, भागचंद पोद्दार, ललित कुमार पोद्दार, विनोद कुमार जैन, मनोज कुमार चौधरी, पवन शर्मा, पवन पोद्दार, अनिल कुमार अग्रवाल, संजय सर्राफ, प्रमोद सारस्वत, चंडी प्रसाद डालमिया, पवन मंत्री, गोपाल मुरारका, सज्जन पाड़िया, कौशल राजगढ़िया, अशोक नारसरिया, निर्मल बुधिया, अंजय सरावगी, कमलेश संचेती, राजेंद्र केडिया, आशीष अग्रवाल, सौरभ बजाज, आनंद जालान, प्रमोद बगड़िया, अजय खेतान, आशीष डालमिया, कमल शर्मा, पदम जैन, किशन साबू, रौनक झुनझुनवाला, विनीता सिंघानिया, पूजा अग्रवाल, नरेश बंका, किशन अग्रवाल, अजय डीडवानिया, राजकुमार मित्तल,श्याम सुंदर शर्मा, वासुदेव भाला, नरेंद्र लखोटिया, विशाल पाड़िया, सुनील पोद्दार, अजय बजाज, भरत बगड़िया, विजय खोवाल, मनोज खेतान, राहुल अग्रवाल, अनिल कुमार अग्रवाल, जितेश अग्रवाल विनोद टिंबडेवाल, मुकेश जाजोदिया, प्रमोद बजाज, सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और पुरुष मौजूद थे। उक्त जानकारी रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

हिंदू महापरिवार ने पहलगाम हमले के विरोध में किया आक्रोश प्रदर्शन

पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की बारी अब हमारी है : हिंदू महापरिवार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हिंदू महापरिवार रांची महानगर ने पहलगाम में इस्लामिक आतंकवादी हमले की निंदा की। पहलगाम में हुए हिंदुओं पर हुए हमले के विरोध में जिला स्कूल से लेकर फिरायालाल चौक तक आक्रोश प्रदर्शन किया। संगठन के अध्यक्ष राजेश आयान ने कहा नाम पूछ कर धर्म के नाम पर मारना सभी हिंदुओं के लिए ह्रदय विदारक है। आतंकवादी का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जिस तरह उन्हें हिंदुओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया इससे एक बात साफ है कि आतंक का एक ही धर्म है इस्लाम। पूरा भारत आज इस घटना की निंदा कर रहा है, भर्त्सना कर रहा है जिस तरह आतंकियों ने हिंदुओं को निशाना बनाया, यह एक बात साफ हो गयी कि पाकिस्तान का क्या इरादा है, पाकिस्तान चाहता है हिंदू डर जायें और कश्मीर आना बंद कर दें, सिर्फ पुरुषों को टारगेट किया महिला और बच्चों को छोड़ा और कहा कि जाकर सरकार को घटना बताना, ये डायरेक्ट युद्ध के लिए आह्वान कर रहे हैं। मुंहतोड़ जवाब देने की बारी अब हमारी है। आतंकी ने हिंदुओं को मारा, मुस्लिम को छोड़ा, इससे इस्लामिक आतंकवाद को जड़ से खत्म करने की आज जरुरत आन पड़ी है। हर हिंदू का सीना आज धधक रहा है। हजारों की संख्या में हिंदुओं ने फिरायालाल चौक पर आक्रोश प्रदर्शन किया। पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा लगाया। आतंकवाद के खिलाफ हम लड़ेंगे ये नारा लगाया, हिंदू हितों को हनन हुआ तो खून बहेगा सड़कों पर का नारा लगाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेश अयान, भैरव सिंह, नम्रता सोनी, श्वेता सिंह, संदीप गुप्ता, आनंद साही, रंजय वर्मा, अंकित गुप्ता, अशोक ठाकुर, दित्या घोष, रोहित पांडे, रोहित ठाकुर और हजारो की संख्या में विभिन्न धार्मिक संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

पत्रकारों ने पहलगाम हमले में मारे गये लोगों को दी श्रद्धांजलि

पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश व्यक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची में शनिवार को एक अभूतपूर्व एकजुटता देखने को मिली, जब शहर के प्रमुख पत्रकारों ने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के शिकार भारतीय सैनिकों और निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह हमला पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा किया गया था, जिन्होंने भारतीय जवानों और पर्यटकों से उनके धर्म के आधार पर क्रूरता से हत्या की। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवायी। श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम का आयोजन अल्बर्ट एक्का चौक पर हुआ, जहां पत्रकारों ने मंच से पाकिस्तान की आतंकवाद पोषक नीतियों पर तीखा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को उसकी आतंकवाद का समर्थन करने की नीतियों के लिए पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाये।

पत्रकारों ने एकजुट होकर यह आह्वान किया कि देश का हर नागरिक अपने वीर जवानों के साथ खड़ा है, और आतंकवाद के खिलाफ अब निर्णायक युद्ध की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान का आतंकवादियों को निरंतर समर्थन देना अत्यंत निंदनीय है और भारत को इसके खिलाफ कठोर कदम उठाना चाहिए। मीडिया प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर सरकार से मांग की कि पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर अलग-थलग करने के लिए हर संभव प्रयास किये जायें और आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाये जायें।

पत्रकारों ने इस हमले में शहीद हुए निर्दोष नागरिकों की शहादत को सलाम किया और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

महत्वपूर्ण खबरें

सेंट जेवियर्स कॉलेज में मेगा हेल्थ कैंप, 250 से अधिक की हुई जांच

रांची (आजाद सिपाही)। 1/3 कॉय एनसीसी, सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची द्वारा आइक्यूएसी के तत्वावधान में 26 अप्रैल को एक मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फादर सी डीब्रावर ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था। इसका उद्घाटन कॉलेज के उप-प्राचार्य फादर अजय मिंज, एसजे एवं एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ प्रिया श्रीवास्तव द्वारा किया गया। डॉक्टरों को आभार और सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। इस कैंप में मेडिक्योर हॉस्पिटल की ओर से प्रसिद्ध डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने भाग लिया, जिनमें डॉ अमिताभ कुमार, डॉ अर्चना पाठक, डॉ सुमन दुबे, डॉ दीपक वर्मा, डॉ एचके शर्मा, डॉ सजीत, डॉ पार्थ परितोष शामिल थे। जनरल मेडिसिन, ऑर्थोपेडिक्स, नेत्र विज्ञान, डेंटिस्ट्री, कॉस्मेटोलॉजी, इएनटी, स्त्री रोग जैसे क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने छात्रों, स्टाफ एवं समुदाय के कर्मियों को नि:शुल्क परामर्श प्रदान किया। इस हेल्थ कैंप से 250 से अधिक लोगों ने लाभ उठाया, जिसमें हेल्थ चेक-अप, नेत्र जांच, दंत जांच सहित कई स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गयीं। इस कैंप का उद्देश्य व्यक्तिगत स्वच्छता, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना भी था। कार्यक्रम का समापन लेफ्टिनेंट डॉ प्रिया श्रीवास्तव द्वारा वोट ऑफ थैंक्स के साथ किया गया, जिसमें एनसीसी कैडेट, कॉलेज प्रशासन और सबसे महत्वपूर्ण चिकित्सा टीम के प्रयासों की सराहना की गयी।

आतंकवाद के खिलाफ देश एकजुट है: रोहित सिन्हा

रांची (आजाद सिपाही)। युवा कांग्रेस नेता रोहित सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ देश एकजुट है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ने पर सभी सहमत हैं। पहलगाम हमला भारत पर सीधा हमला है। घटना की निंदा करते हुए सिन्हा ने कहा कि सरकार को हमलावरों को बलपूर्वक कुचल देना चाहिए। उन्होंने सरकार से उचित जवाब देने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में पर्यटकों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की खबर बेहद निंदनीय और दिल दहलाने वाली है। मैं शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

एनयूएसआरएल ने मनाया 16वां स्थापना दिवस

रांची (आजाद सिपाही)। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल), रांची ने अपने 16वें स्थापना दिवस पर एक सादगीपूर्ण समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर झारखंड हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एवं कुलाधिपति न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन और रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री उपस्थित थे। इसके अलावा, झारखंड उच्च न्यायालय के कई न्यायाधीश, अधिवक्ता, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड और सरला बिरला यूनिवर्सिटी समेत राज्य के अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. (डॉ.) अशोक आर. पाटिल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की एनआइआरएफ रैंकिंग में सुधार हुआ है और यह शीर्ष 10 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों की ओर अग्रसर है। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय में 200 मेगावाट के नये सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन हुआ, जिससे कुल क्षमता 300 मेगावाट हो गयी है। साथ ही, एक नया पावर हाउस भी शुरू किया गया। एनयूएसआरएल और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 35 छात्र और 13 टीमों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही 15 छात्रों को मेरिट और खेल छात्रवृत्ति दी गयी और 10 वर्ष से अधिक सेवा देने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

एसबीयू में टॉक सीरीज का हुआ आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में सुपर सैटरडे फैकल्टी एंपावरमेंट टॉक सीरीज (भाग-2) के अंतर्गत नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, इसरो के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान का व्याख्यान हुआ। 'सैटेलाइट्स फॉर सोसाइटीः इंडियन पर्सपेक्टिव' विषय पर बोलते हुए उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास और इसमें हो रहे नवीनतम प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने भारत के छोटे-छोटे कदमों से शुरुआत से लेकर अब अंतरिक्ष में सशक्त मौजूदगी की चर्चा की।

इसरो के प्रमुख क्षेत्रों, अंतरिक्ष तकनीक के उपयोग, मानव अंतरिक्ष मिशन, सैटेलाइट और लॉन्चिंग सिस्टम, वैज्ञानिकों और युवाओं को ट्रेनिंग देने पर भी उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को बताया। साथ ही भारत के रॉकेट और मिशनों, विभिन्न देशों के उपग्रहों, उनसे मिले डेटा का उपयोग और भविष्य की योजना के विषय में जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने डॉ चौहान से सवाल पूछे। कुलपति प्रो सी जगनाथन ने सत्र के विषय में बोलते हुए इसे छात्रों के लिए उपयोगी करार दिया। उन्होंने बताया कि इसरो की मदद से अब तक छात्र 300 से ज्यादा स्टार्टअप शुरू कर चुके हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ आरोही आनंद ने किया। इस अवसर पर विवि के शिक्षकगण और शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे। एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

महत्वपूर्ण मिशनों से जुड़े हैं डॉ चौहान

डॉ प्रकाश चौहान ने आइआइटी रूड़की से एप्लाइड जियोफिजिक्स में स्नातकोत्तर और गुजरात विश्वविद्यालय से भौतिकी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने 1991 में इसरो में वैज्ञानिक के रूप में कार्य शुरू किया और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विविध अनुप्रयोगों, जैसे कि भूविज्ञान, महासागर, वायुमंडलीय अध्ययन और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में योगदान दिया। वे चंद्रयान-1 और 2 जैसे ग्रह मिशनों से जुड़े रहे हैं और चंद्रमा की सतह पर जल अणुओं की खोज में निर्णायक भूमिका निभाई। वर्तमान में वे संयुक्त राष्ट्र की अंतरिक्ष उपयोग समिति के कार्य समूह के अध्यक्ष हैं और पहले नासा-इसरो ग्रह विज्ञान समूह और सीइओएस कार्य समूह में भी योगदान दे चुके हैं। उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें 2023 का एशिया पैसिफिक क्षेत्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार भी शामिल है। उन्होंने 150 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किये हैं और वे कई वैज्ञानिक संस्थाओं के फेलो हैं।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में स्पलैश बैश-किड्स पूल पार्टी का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने प्री-प्राइमरी विंग के छात्रों के लिए एक मजेदार स्पलैश बैश- पूल पार्टी का आयोजन किया। जो नन्हे-मुन्नों के लिए एक आनंददायक और तरोताजा कर देने वाला अनुभव था। यह कार्यक्रम विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। नन्हे-मुन्नों ने चमकीले स्विम सूट पहनकर जल के छींटों से सराबोर, ठंडे-ठंडे पानी का आनंद लिया। शिक्षकों ने छात्रों को रोमांचक एवं संगीतमय खेलों में शामिल किया। इस कार्यक्रम ने बच्चों में सामाजिक कौशल विकसित करने के साथ-साथ एक आरामदायक माहौल में शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित किया। स्पलैश बैश गर्मी को मात देने और स्थायी यादें बनाने का एक बेहतरीन तरीका साबित हुआ जिससे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आ गयी।

प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि नन्हे-मुन्नों को खेल-खेल में सीखते हुए आनंद लेते देखना दिल को छू लेने वाला क्षण होता है। इसके अलावा इस तरह के आयोजन रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मित्रता को बढ़ावा देते हैं, जो बाल्यवस्था के समग्र विकास के लिए एक आवश्यक तत्व हैं।

टेंडर हार्ट स्कूल में सुर और ताल की अनुपम प्रस्तुति

रांची (आजाद सिपाही)। टेंडर हार्ट स्कूल में शनिवार को एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। टेंडर हार्ट स्कूल और विश्व प्रसिद्ध सांस्कृतिक संस्था स्पिक मैके के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय कला, संस्कृति और संगीत की समृद्ध परंपरा से जोड़ना था। कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय संगीत की दो उत्कृष्ट विभूतियों—सुप्रसिद्ध सितार वादक सुप्रतीक सेनगुप्ता एवं विख्यात तबला वादक विश्वजीत पाल ने अपनी अद्वितीय प्रस्तुतियों से समूचे वातावरण को सुरमय कर दिया। दोनों कलाकारों की संगति ने श्रोताओं को एक आध्यात्मिक संगीत यात्रा का अनुपम अनुभव प्रदान किया। मौके पर विद्यालय परिवार ने उपस्थित कलाकारों को सम्मानित कर अपना आभार व्यक्त किया। विद्यालय के चेयरमैन सुधीर तिवारी एवं प्राचार्या उषा किरण झा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि टेंडर हार्ट स्कूल केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना के संवर्धन के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों के भीतर भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व और सम्मान की भावना विकसित होती है। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक जे मोहंती, उप-प्राचार्या शिवांगी शुक्ला, समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री श्याम मित्र मंडल ने आयोजित किया 153वां श्री श्याम भंडारा

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा 153वां श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा और अन्य पदाधिकारियों ने श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत-प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश, बजरंगबली, शिव परिवार, लड्डू गोपाल जी, शालिग्राम जी, गरुड़ जी और गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया और हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गयीं। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। अध्यक्ष सुरेश सरावगी के मार्गदर्शन में श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। श्री श्याम भंडारे में अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा और अन्य 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया। लगभग 2500 से ज्यादा भक्तजनों ने प्रसाद प्राप्त किया। आगामी कार्यक्रम : मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि 27 अप्रैल रविवार को खाटूनरेश का वैशाख अमावस्या महास्नान प्रातः 6:00 बजे से मंडल के मंत्री श्याम सुंदर शर्मा के नेतृत्व में किया जायेगा। इसके अलावा, मंगलवार को 151वां सुंदरकांड हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन होगा।

सिरमटोली रैंप के खिलाफ आज आदिवासी संगठन मुख्यमंत्री का पुतला फूंकेगा

रांची (आजाद सिपाही)। सिरमटोली सरना स्थल के सामने बन रहा फ्लाइओवर रैंप और वहां फिर से काम शुरू करने के विरोध में राज्य सरकार के खिलाफ आदिवासी संगठनों की आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को नगड़ा टोली सरना भवन स्थित में आदिवासी संगठन के प्रतिनिधियों ने बैठक कर निर्णय लिया कि रविवार को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक के समीप मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला फूंका जायेगा। पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव ने कहा कि रैंप पर दोबारा काम शुरू हुआ है। आज भी सिरमटोली फ्लाइओवर रैंप पर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। सरना स्थल के सामने रैंप निर्माण के विरोध में आदिवासी समाज ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समाज के नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार आदिवासियों की आस्था और अधिकारों का दमन कर रही है। प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि रैंप शुरू करने के नाम पर सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है। अगर आदिवासी समाज नाराज हुआ, तो सत्ता में फिर कभी वापसी नहीं होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी विधायकों में भी रैंप मामले जैसे गंभीर मामलों पर आवाज उठाने की हिम्मत नहीं रही। प्रेम शाही मुंडा ने चेतावनी दी कि जनता के बीच जाकर धर्म के मसले पर आर-पार की लड़ाई लड़ी जायेगी।

एनआइए करेगी पहलगाम आतंकी हमले की जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

पहलगाम/नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को पहलगाम हमले की जांच एनआइए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) को सौंप दी। उधर, सुरक्षाबलों ने कश्मीर में सुरक्षा कड़ी कर दी है और आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है।

सेना-केंद्रसरकार का एक्शन पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के खून बहाने के धमकी भरे बयान पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल का जवाब आया। उन्होंने कहा- भारत ऐसी धमकियों से डरने वाला नहीं है। कश्मीर में सेना सुपर एक्टिव मोड में है। त्राल, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां में दूसरे इलाकों में सर्च ऑपरेशन जारी हैं। अब तक 7 आतंकियों के घर ब्लास्ट से गिराये जा चुके हैं। कुलगाम में आतंकी संगठनों के 2 मददगारों को गिरफ्तार किया गया। इसके पास से भारी मात्रा में हथियार-बारूद बरामद हुआ। घाटी में एक्टिव 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट जारी की गयी।

सरहदी गांवों के किसानों को दो दिन में फसल काट खेत खाली करने आदेश : पहलगाम हमले के बाद पंजाब से लगते भारत-पाक बॉर्डर पर अलर्ट जारी है और बीएसएफ ने सुरक्षा और निगरानी कड़ी कर दी है। पंजाब के अमृतसर, फिरोजपुर, गुरदासपुर, पठानकोट जिले पाकिस्तानी सीमा से लगते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच बीएसएफ ने पंजाब के सीमावर्ती किसानों के लिए आदेश जारी किये हैं कि वे तारबंदी के पार बोई गयी गेहूं की फसल को दो दिनों के भीतर काट लें और खेत खाली कर दें। इससे अंदेशा जताया जा रहा है कि क्या आने वाले दिनों में कुछ बड़ा होने जा रहा है। गुरुद्वारों से भी अनाउंसमेंट करवायी गयी है और किसानों को सूचित किया गया है कि अगर निर्धारित समय में फसल नहीं काटी गयी तो गेट पूरी तरह बंद कर दिये जायेंगे। इसलिए किसानों को 48 घंटे के भीतर अपनी फसल काटकर सुरक्षित कर लें। बीएसएफ की तरफ से ये आदेश मिलने के बाद किसानों ने इसके लिए काम करना भी शुरू कर दिया है। किसान कंबाइन लेकर जल्द कटाई में जुट गये हैं।

पहलगाम हमले के बाद तैयार हो गयी मोस्ट वांटेड लिस्ट : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत आतंकियों को करारा जवाब देने की तैयारी में जुट गया है। इस बीच भारत ने एक मोस्ट वांटेड लिस्ट तैयार की है और जम्मू कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में आतंकियों की तलाश तेज कर दी गयी है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, शोपियां और पुलवामा जिलों में सक्रिय 14 सक्रिय आतंकियों की एक सूची तैयार की गयी है। खुफिया एजेंसियों की सूची के मुताबिक इस लिस्ट में आठ आतंकी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं, वहीं जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन के तीन-तीन आतंकी भी हैं। सूची में लश्कर के आतंकवादी एहसान उल हक का भी नाम है। लिस्ट में लश्कर कमांडर आदिल रहमान देंटू, जैश कमांडर अहमद शेख, पुलवामा हमले में वांटेड आतंकी हारिस नजीर, पुलवामा हमले में शामिल जैश-ए-मोहम्मद के आमिर नजीर वानी सहित कई आतंकी शामिल हैं।

बाबा विद्यापति स्मारक समिति ने मनायी स्व. लेखानंद झा की प्रथम पुण्यतिथि

रांची (आजाद सिपाही)। बाबा विद्यापति स्मारक समिति के कार्यालय में शनिवार को मैथिल समाज के भीष्म पितामह स्व. लेखानंद झा की प्रथम पुण्यतिथि सह बरसी मनायी गयी। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों और मैथिल समाज के लोगों ने स्वर्गीय लेखानंद झा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समिति के अध्यक्ष जयंत झा ने कहा कि स्वर्गीय लेखानंद झा मैथिल समाज के लिए प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने अपने जीवन में मैथिल सभ्यता-संस्कृति के संरक्षण की दिशा में अपना पूरा जीवन लगा दिया। जयंत झा ने बताया कि स्वर्गीय लेखानंद झा 50 वर्षों से रांची सिविल कोर्ट में सेवा दे चुके थे और उन्हें रांची जिला बार एसोसिएशन ने सम्मानित भी किया था। जयंत झा ने बताया कि स्वर्गीय लेखानंद झा मैथिलि भाषा को झारखंड राज्य के नियोजन नीति में शामिल करने के लिए लगातार संघर्षशील रहे। इस लड़ाई को अभी भी झारखंड हाई कोर्ट में चलाया जा रहा है। इस अवसर पर 51 ब्राह्मणों सहित सैकड़ों लोगों को भोजन कराया गया। कार्यक्रम में समिति के संयोजक ज्ञानदेव झा, महासचिव उदित नारायण ठाकुर, अंजनीकांत झा, जितेंद्र मिश्र, पवन सोनी, पंकज कुमार राय आदि मौजूद थे।

गुरु नानक हाइयर सेकेंडरी स्कूल में सड़क सुरक्षा चित्रकला प्रतियोगिता आज

रांची (आजाद सिपाही)। रांची प्रेस क्लब में शनिवार को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा से संबंधित प्रेस वार्ता आयोजित किया गयी। यह प्रतियोगिता 27 अप्रैल को रांची स्थित गुरु नानक हाइयर सेकेंडरी स्कूल में सड़क सुरक्षा चित्रकला प्रतियोगिता के जागरूकता कार्यक्रम के तहत निरजा सहाय पब्लिक स्कूल, संत फ्रांसिस स्कूल बनहोरा, संत जेवियर्स स्कूल, संत फ्रांसिस स्कूल हरमू, विवेकानंद विद्या मंदिर स्कूल, एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग विद्यालयों के विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है। इस प्रतियोगिता में रांची के छह विभिन्न विद्यालयों से आये 2400 से अधिक प्रतिभागि हिस्सा लेंगे। चार अलग-अलग सत्रों में रंगों व कल्पनाओं के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इसमें उपस्थित मुख्य अतिथि जमाल ए खान ने कहा कि सड़क सुरक्षा सिर्फ नियमों तक सीमित नहीं है, यह एक जीवनशैली है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में जागरूकता पैदा होती है जो आगे चलकर समाज में बदलाव लाते हैं। एसआइपी अकेडमी झारखंड के राज्य प्रमुख इकबाल सिंह होरा ने कहा कि संस्था भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। बच्चों के कौशल विकास में अपने संसथान के माध्यम से तत्पर रहेगी।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण सेमिनार का आज आखिरी दिन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण सेमिनार एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रांची के तत्वावधान में 25 अप्रैल से 27 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया गया। इस सेमिनार में बिहार और झारखंड के विभिन्न एनसीसी इकाइयों के कुल 70 अधिकारियों ने भाग लिया।

सेमिनार का विषय था - 'एनसीसी की प्रासंगिकता' क्या 'विकसित भारत 2047' की दिशा में बदलाव की आवश्यकता है?' इस आयोजन ने बिहार और झारखंड एनसीसी निदेशालय के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों को एक साथ लाया, जिससे एनसीसी के भविष्य और इसे राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप बनाने को लेकर सार्थक चर्चा हुई। तीन दिवसीय इस सेमिनार में यह विचार किया गया कि आज के युवाओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए एनसीसी कैसे विकसित हो सकता है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में कैसे योगदान दे सकता है। सेमिनार को संबोधित करते हुए मेजर जनरल एएस बजाज, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी), एनसीसी बिहार और झारखंड निदेशालय ने आधुनिक भारत में एनसीसी की प्रासंगिकता बनाये रखने हेतु सतत परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नेतृत्व विकास, राष्ट्र निर्माण और युवाओं में उत्तरदायित्व की भावना जागृत करने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। सेमिनार का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि एनसीसी की पूरी क्षमता का उपयोग कर एक सशक्त और प्रगतिशील भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान दिया जयेगा।

रेणु की दृष्टि अंचल केंद्रित नहीं बल्कि मूल्य केंद्रित है : शंभुनाथ

कोलकाता (आजाद सिपाही)। भारतीय भाषा परिषद में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची एवं भारतीय भाषा परिषद की ओर से डॉ कुमार संजय झा के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'फणीश्वरनाथ रेणुः समय, साहित्य और समाज के शिल्पी' पर परिचर्चा आयोजित हुई। उद्घाटन सत्र में डॉ शंभुनाथ, प्रो हितेंद्र पटेल, विमला पोद्दार, डॉ कुमार संजय झा और डॉ संजय जायसवाल में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ शंभुनाथ ने कहा कि अंचल पर लिखते हुए भी रेणु की दृष्टि भारत माता और वैश्विक मानव-सत्य पर है। रेणु की आंचलिकता पृथकता नहीं पैदा करती है। यही वजह है कि रेणु की दृष्टि अंचल केंद्रिक नहीं, बल्कि मूल्य केंद्रिक है। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए पुस्तक के संपादक डॉ कुमार संजय झा ने पुस्तक के प्रकाशन में सहयोग के लिए सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सुरेश शा, संजय दास, सत्य प्रकाश दुबे, प्रो ममता त्रिवेदी, उमा डगमान, शोधार्थी मार्टिना चक्रवर्ती, अनिल शाह, विकास जायसवाल, रूपेश यादव, कंचन भगत, कुसुम भगत और फरहान अजीज, प्रो आदित्य गिरी, सौरभ भगत सहित कोलकाता और आसपास के साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

फूड फेस्ट के माध्यम से रसोई घर में उपलब्ध रसायन को समझना है : डॉ रामजी यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शनिवार को वाइबीएन यूनिवर्सिटी रांची में फूड फेस्ट 2025 आयोजित किया गया जिसमें वाइबीएन स्कूल फॉर टीचर्स ट्रेनिंग, फार्मेसी, लॉ, नर्सिंग, पैरामेडिकल, बीएचएमएस, वाइबीएन पब्लिक स्कूल धुर्वा सहित आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स के विद्यार्थियों के द्वारा फूड फेस्ट आयोजित किया गया। फेस्ट का उद्घाटन वाइबीएन यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ राम जी यादव, को चेयरमैन अंजू यादव, सीएमडी डॉ अंकिता यादव ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। सभी फूड स्टालों का निरीक्षण निर्णायक मंडली में डॉ अंकिता, फूड ब्लॉगर अभिषेक नाथ, नंदकिशोर, डॉ सुष्मिता, डॉ हर्षिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ राम जी यादव ने कहा कि भोजन में सभी रसायन हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में रसोई घर का महत्व आज भी प्रासंगिक है।

सभी समूह में प्रथम स्थान वाइबीएन पब्लिक स्कूल धुर्वा ने किया दूसरे स्थान पर वाइबीएन विश्वविद्यालय के स्कूल एग्रीकल्चर के विद्यार्थी रहे वही तीसरे स्थान पर वाइबीएन स्कूल फॉर टीचर्स ट्रेनिंग और लॉ के विद्यार्थी रहे। इस अवसर पर सभी ने भारत के सभी राज्यों के प्रमुख पकवान का लुफ्त उठाया। विश्वविद्यालय की सीएमडी डॉ अंकिता ने कहा कि फूड फेस्ट का उद्देश्य भोजन बनाने की सक्रियता एवं मन को केंद्रित करने से है। भोजन के माध्यम से हम स्वाद का आनंद लेते हैं। फेस्ट में विशिष्ट अतिथि प्रिंसिपल डॉ चांदनी नाथ, राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय रांची के डॉ ओम प्रकाश, डॉ रवि भूषण पांडेय, राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर धनबाद के संस्थापक प्राचार्य डॉ वासुदेव प्रसाद, सहित वाइबीएन यूनिवर्सिटी के सैकड़ों विद्यार्थी सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

नेशनल लॉजिस्टिक्स संगोष्ठी का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सेंटर फॉर ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च एंड मैनेजमेंट द्वारा आयोजित नेशनल लॉजिस्टिक्स संगोष्ठी 2025 का भव्य आयोजन नयी दिल्ली स्थित अंबेडकर भवन में हुआ। इस प्रमुख कार्यक्रम में सरकार, उद्योग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के वरिष्ठ विशेषज्ञों ने भाग लिया। संगोष्ठी का प्रमुख विषय भारत में लॉजिस्टिक्स के बदलते परिदृश्य पर केंद्रित रहा, जिसमें विशेष रूप से सीमेंट, ऑटोमोबाइल और कार्गो एग्रीगेशन लॉजिस्टिक्स और रेल परिवहन की हिस्सेदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन रेलवे बोर्ड के सदस्य (ऑपरेशन्स एवं व्यवसाय विकास) हितेंद्र मल्होत्रा, कॉन्कॉर के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक संजय स्वरूप और सीटीआरएएम के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में सीटीआरएएम नेतृत्व और प्रमुख अतिथियों द्वारा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। उद्घाटन भाषणों में वक्ताओं ने लॉजिस्टिक्स में रेलवे की घटती हिस्सेदारी पर चिंता व्यक्त की, और इसके पीछे के कारणों जैसे वैश्विक अस्थिरता, व्यापार वातावरण में तीव्र बदलाव और उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव पर चर्चा की। इस दौरान डिजिटल टेक्नोलॉजी, नवाचार और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देकर रेलवे की भूमिका को सशक्त बनाने के अवसरों को भी रेखांकित किया गया। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, रेलवे अवसंरचना में बड़े निवेश और एक लाख से अधिक नये वैगनों के समावेश जैसी पहलों को मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। इस सत्र में अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी सीमेंट, और सीडब्ल्यूसी जैसे प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों ने सीमेंट लॉजिस्टिक्स में भविष्य की दिशा और नवाचारों पर चर्चा की। देश में 600 एमटीपीए की उत्पादन क्षमता के साथ और मात्र 65% उपयोग दर पर कार्य कर रहे इस क्षेत्र में, सरकार की बुनियादी ढांचे पर बढ़ती पूंजीगत व्यय के कारण मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद जतायी गयी। रेल के माध्यम से परिवहन हिस्सेदारी को वर्तमान 10% से बढ़ाकर 25% तक ले जाना सीमेंट लॉजिस्टिक्स को अधिक कुशल और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए जरूरी बताया गया। वैगन डिजाइन में सुधार, एलटीटीसी अनुबंध, नीति सरलीकरण और उपभोक्ता संवाद को इस लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक बताया गया। अंत में संगोष्ठी ने यह स्पष्ट किया कि नीतिगत समन्वय, अवसंरचना विकास, डिजिटलीकरण और निजी क्षेत्र के सहयोग के माध्यम से लॉजिस्टिक्स को अधिक कुशल, पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल और रेलवे-केंद्रित बनाया जा सकता है।

शहीद शेख भिखारी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एनएसएस के विशेष शिविर का समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शहीद शेख भिखारी कॉलेज ऑफ एजुकेशन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शनिवार को एनएसएस के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन समारोह मुख्य अतिथि एनएसएस राज्य समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन महाविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांव सुतियांबे में किया गया। इन सात दिनों में एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्रामीण स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्त आदि जन समस्याओं के प्रति समाज में जागरुकता फैलाने का कार्य किया। कार्यक्रम का संचालन संध्या लकड़ा ने किया, अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सपना त्रिपाठी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ अंजू शर्मा द्वारा किया गया। एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का प्रतिवेदन कार्यक्रम पदाधिकारी प्रदीप सिंह ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष सुनील कुमार सहाय, सचिव डॉ पीके वर्मा, कोषाध्यक्ष नसीम अख्तर, सज्जाद अख्तर, नैक सलाहकार डॉ संजय मिश्रा और महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और रांची विश्वविद्यालय, रांची के वरिष्ठ स्वयंसेवक उपस्थित रहें। इस समापन समारोह ने स्वयंसेवकों में नयी ऊर्जा का संचार किया तथा उन्हें समाज सेवा के प्रति और अधिक प्रेरित किया।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

वैद्युतिक कार्य हेतु

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत / परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं

ई-निविदा संख्याः ELOP2025-02

1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधिः धनबाद मंडल के बरका सेक्शन (बरकाकाना, टोरी, पतरातू, खेलारी, बालूमाथ और बरवाडीह) के क्रू लॉबीयों और बरकाकाना कण्ट्रोल की विभिन्य गतिविधियों की दो वर्षों (730) दिनों के लिए आउटसोर्सिंग। **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशिः** रू. 1,23,73,959.90/- **3. अग्रधन राशि :** 2,11,900/- **4. ई-निविदा बंद होने और खुलने की तिथि एवं समयः** ई-निविदा बंद होने की तिथि 14.05.2025 को 17:00 बजे एवं ई-निविदा का खुलनाः बंद होने के बाद उसी दिन। **5. वेबसाईट का विवरणः** वेबसाईट www.ireps.gov.in विशेषः ई-निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

कृते मंडल रेल प्रबन्धक(विद्युत/परि.)
पूर्व मध्य रेल/ धनबाद

पीआर/0151/डीएचएन/टी/25-26

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

वैद्युतिक कार्य हेतु

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत / परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं

ई-निविदा संख्याः ELOP2025_03

1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधिः धनबाद मंडल के चोपन सेक्शन (चोपन, कृष्णशीला, रेणुकुट, सिंगरौली और शक्तिनगर) के क्रू लॉबीयों और चोपन कण्ट्रोल की विभिन्न गतिविधियों की दो वर्षों (730) दिनों के लिए आउटसोर्सिंग। **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशिः** रू. 1,32,85,145.90/- **3. अग्रधन राशि :** 2,16,400/- **4. ई-निविदा बंद होने और खुलने की तिथि एवं समयः** ई-निविदा बंद होने की तिथि 14.05.2025 को 17:00 बजे एवं ई-निविदा का खुलनाः बंद होने के बाद उसी दिन। **5. वेबसाईट का विवरणः** वेबसाईट www.ireps.gov.in विशेषः ई-निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

कृते मंडल रेल प्रबन्धक(विद्युत/परि.)
पूर्व मध्य रेल/ धनबाद

पीआर/0152/डीएचएन/टी/25-26

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 65 date 16.04.2025, I Aten Champi D/o. Late Martin Champi R/o Vill. Sidu, Post Jate, P.s.- Murhu, Dist.-Khunti, Jharkhand, do hereby solemnly affirm as under :-
1. That my new name is Aten Champi which is mentioned in my educational Certificate & Pan Card.
2. That in Adhar Card no. 9827 5108 1112 my name is written as Sonali Champi.
3. That This Affidavit is made for correction of my name as Aten Champi in my Adhar Card for Necessary Purpose.
4. That the statement made above are true and correct.
Sworn and signed at Ranchi on 16/04/2025.

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 07 date 24.03.2025, I, Saraswati Devi wife of Makund Ravidas Resident Itkhori Karma, District Chatra, Jharkhand - 825408 do hereby solemny affirm and declare as follows :
1. That i am an indian Citizen.
2. That i am residing at my aforesaid address. 3. That my actural name is saraswati Devi mentioned in my Voter ID Vide No. MNK2332120. & Bank Account in SBI, Karma Branch & Gramin Bank Itkhori, Bhatre A/C No.- 22021855121 4. That my nike name Sahodri Devi has been interned in my Adhar Card by mistake. vide Adhar No. 2472 1647 6198 5. That my name saraswati Devi & Sahodri Devi is same and One Person. 6. That i will be know by my actual name saraswati Devi for ever and every where since today also i will do my signature in my further identify cation as such this affidavit.

पाकिस्तान पर शिकंजा कसे भारत

पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देते हुए भारत ने कुछ सख्त कदम उठाये हैं। इनमें सबसे अहम है सिंधु जल समझौते को निलंबित करना। उरी में आतंकी हमले के बाद भारतीय पीएम ने कहा था कि सिंधु में जल और खून एक साथ नहीं बह सकते। इस बार सरकार इसी पर आगे बढ़ी है। हालांकि इतना काफी नहीं है। पुलवामा और पहलगाम जैसी घटनाओं से बचने के लिए ज्यादा निर्णायक और सटीक कदम उठाने की जरूरत है।

टेरर फंडिंग : भारत ने पुलवामा का जवाब बालाकोट से दिया था। वह अप्रत्याशित और साहसिक कदम था। हालांकि इसके बाद भी सीमा पार आतंकवाद खत्म नहीं हुआ। इसकी वजह है आतंकियों तक पहुंचने वाली वह सप्लाई चेन, जिसे पाकिस्तान चालू रखे हुए है। वह पिछले कुछ साल से गंभीर आर्थिक संकट में फंसा हुआ है। उसकी गाड़ी आइएमएफ और कुछ सहयोगी देशों के कर्ज से किसी तरह चल रही है। इसके बाद भी वह आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग का जुगाड़ कर लेता है। भारत को इसी फंडिंग को खत्म करना होगा।

अमेरिका और भारत के करीबी रिश्ते हैं। दूसरी ओर, चीन के साथ सीमा विवाद भले हो, लेकिन आर्थिक रिश्ते मजबूत हैं। 2024 में दोनों के बीच 118 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार हुआ और इसमें पलड़ा चीन की तरफ झुका हुआ है।

हथियारों पर रोक : पाकिस्तान का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता चीन है। इस्लामाबाद अपने 81% हथियार पेइचिंग से लेता है। इसके बाद नंबर है अमेरिका का। इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल फिर भारत के खिलाफ किया जाता है। नई दिल्ली को इस बारे में दोनों देशों के साथ स्पष्ट बात करनी चाहिए। 2019 का उदाहरण भी दुनिया के सामने है, जब अमेरिकी रोक के बावजूद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एफ-16 का इस्तेमाल किया था। दुनिया को यह बताने की जरूरत है कि पाकिस्तानी सेना को दी गयी एक भी गोली किसी टेरर कैंप में पहुंच सकती है।

आर्थिक मदद न मिले : अमेरिका और भारत के करीबी रिश्ते हैं। दूसरी ओर, चीन के साथ सीमा विवाद भले हो, लेकिन आर्थिक रिश्ते मजबूत हैं। 2024 में दोनों के बीच 118 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार हुआ और इसमें पलड़ा चीन की तरफ झुका हुआ है। अमेरिका और चीन - दोनों को भारत का बाजार चाहिए। भारत को अपनी इस मजबूत आर्थिक हैसियत का फायदा उठाते हुए साफ कर देना चाहिए कि पाकिस्तान को अब और आर्थिक मदद नहीं। इसी तरह की बातचीत यूएई और सऊदी अरब के साथ भी होनी चाहिए, जहां से इस्लामाबाद को आर्थिक मदद मिलती रहती है।

दो टूक बात : पड़ोसी देश के छेड़े छद्म युद्ध से निपटने के लिए भारत को अपना रुख बेहद कड़ा करना होगा। इस दो टूक बातचीत में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि जो देश पाकिस्तान को आर्थिक या सैन्य मदद देंगे, वे भारत का भरोसा खोयेंगे।

अभिमत
आजाद सिपाही

झारखंड में महिला साक्षरता दर 55.42% है, जबकि आदिवासी महिलाओं के लिए यह आंकड़ा घट कर 37.1% रह जाता है। आदिवासी क्षेत्रों में लड़कियां घरेलू जिम्मेदारियों, बाल विवाह और शिक्षा संसाधनों की कमी के चलते जल्दी स्कूल छोड़ देती हैं। यद्यपि पारंपरिक आदिवासी समाजों में महिलाओं को अपेक्षाकृत सम्मानजनक दर्जा प्राप्त है, फिर भी औपचारिक शिक्षा तक उनकी पहुंच गरीबी, दूरी और भाषा संबंधी बाधाओं के कारण सीमित है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना: भावनात्मक शासन की एक नवाचारी पहल

डॉ आशीष आलोक

झारखंड में महिलाओं की स्थिति: एक सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य – 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड की जनसंख्या 3.29 करोड़ है, जिसमें 1.09 करोड़ से अधिक महिलाएं हैं। इनमें लगभग 26.2% महिलाएं अनुसूचित जनजातियों (एसटी) से संबंधित हैं। ग्रामीण झारखंड की सांस्कृतिक और आर्थिक रीढ़ होने के बावजूद, आदिवासी महिलाएं शिक्षा, रोजगार और सामाजिक स्थिति के लिहाज से आज भी उपेक्षित हैं। राज्य में लिंग अनुपात 948 है, जो राष्ट्रीय औसत 943 से थोड़ा बेहतर है, लेकिन आदिवासी क्षेत्रों में यह असमानता अधिक स्पष्ट है।

साक्षरता और शिक्षा : झारखंड में महिला साक्षरता दर 55.42% है, जबकि आदिवासी महिलाओं के लिए यह आंकड़ा घट कर 37.1% रह जाता है। आदिवासी क्षेत्रों में लड़कियां घरेलू जिम्मेदारियों, बाल विवाह और शिक्षा संसाधनों की कमी के चलते जल्दी स्कूल छोड़ देती हैं। यद्यपि पारंपरिक आदिवासी समाजों में महिलाओं को अपेक्षाकृत सम्मानजनक दर्जा प्राप्त है, फिर भी औपचारिक शिक्षा तक उनकी पहुंच गरीबी, दूरी और भाषा संबंधी बाधाओं के कारण सीमित है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना एक सामान्य सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है, यह झारखंड के राज्य और नागरिक के बीच टूटते भावनात्मक रिश्ते को पुनर्जीवित करने की एक पहल है।

रोजगार और आर्थिक भागीदारी : 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड में कामकाजी महिलाओं में बड़ी संख्या आदिवासी हैं जो कृषि, वन उपज संग्रहण और दिहाड़ी मजदूरी में संलग्न हैं: अधिकांश आदिवासी महिलाएं सीमांत श्रमिकों के रूप में कार्यरत हैं, जो आर्थिक असुरक्षा को दर्शाता है। ये महिलाएं तेंदू पत्ता, महुआ संग्रहण, और ईंट भट्ठों पर मौसमी प्रवास जैसी असंगठित मजदूरी में लगी रहती हैं, जिनमें कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं होती और शोषण की आशंका अधिक रहती है।

ग्रामीण-शहरी अंतर और प्रवासन : ग्रामीण लिंगानुपात 961 है, जबकि शहरी क्षेत्र में यह केवल 910 है। इससे संकेत मिलता है कि पुरुषों के शहरों की ओर प्रवास करने पर महिलाएं गांवों में पीछे छूट जाती हैं, जिससे खेती का नारीकरण होता है। इसके बावजूद महिलाओं को भूमि स्वामित्व या निर्णय प्रक्रिया में स्थान नहीं मिलता।

स्वास्थ्य, पोषण और लैंगिक हिंसा : झारखंड की आदिवासी महिलाएं कुपोषण, एनीमिया और मातृ मृत्यु दर की समस्याओं से अधिक प्रभावित होती हैं। पारंपरिक उपचार पद्धतियों और संस्थागत सहायता की कमी के कारण मातृ और शिशु स्वास्थ्य प्रभावित होता है। बालिकाओं की तस्करी और लैंगिक हिंसा, विशेषकर आदिवासी समुदाय में, एक गंभीर समस्या बनी हुई है।

भावनात्मक शासन और राज्य का मातृत्व : शासन केवल एक तंत्र नहीं, एक भावना है। प्रशासन की पारंपरिक पश्चिमी अवधारणाएं अक्सर तटस्थता, औपचारिकता और संरचनात्मक दक्षता पर आधारित होती हैं। परंतु भारत, विशेषतः झारखंड जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्यों में, शासन व्यवस्था एक भावनात्मक संबंध पर आधारित होती है, जहां नागरिक राज्य से केवल सेवाएं नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, समझ और करुणा की अपेक्षा रखते हैं।

मंईयां की भावना: शासन में मातृत्व का प्रवेश : मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना न केवल एक योजना है, बल्कि झारखंड की मातृशक्ति को भावनात्मक और सांस्कृतिक सम्मान देने की एक कोशिश है। 'मंईयां' शब्द अपने आप में सहानुभूति, संरक्षण और आत्मीयता का प्रतीक है। यह राज्य को एक भावनात्मक संरक्षक - एक 'माई' के रूप में देखता है, जो ना केवल नीति लागू करती है, बल्कि नागरिकों की भावनात्मक जरूरतों की भी परवाह करती है।

महिलाओं को केंद्र में लाना: एक पुनः संतुलन की आवश्यकता : झारखंड के जनजातीय समाज में महिलाएं परंपरागत रूप से सांस्कृतिक, कृषि और सामाजिक गतिविधियों की धुरी रही हैं। फिर भी औपनिवेशिक शासन, आधुनिक कानूनों और विकास नीतियों ने उन्हें हाशिए पर धकेल दिया। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना इस ऐतिहासिक असंतुलन को ठीक करने की एक भावनात्मक और नैतिक पहल है, जिससे ग्रामीण और आदिवासी महिलाएं फिर से गरिमा और आत्मनिर्भरता के साथ सार्वजनिक जीवन में भाग ले सकें।

मैया और सांस्कृतिक महत्व : मैया शब्द झारखंड समेत भारत के कई हिस्सों में केवल माताओं के लिए ही नहीं, बल्कि महिलाओं, बहनों और छोटी बच्चियों के लिए भी स्नेह और सम्मान के साथ प्रयोग किया जाता है। इस शब्द का प्रयोग एक भावनात्मक, सांस्कृतिक और सामाजिक गहराई को दर्शाता है।

झारखंड सहित भारत के कई क्षेत्रों में मैया शब्द मातृत्व की पारंपरिक परिभाषा से परे जाकर महिलाओं के प्रति सम्मान, भावनात्मक जुड़ाव और सांस्कृतिक आदर को प्रकट करता है। मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना के संदर्भ में यह शब्द महिलाओं की व्यावहारिक भूमिका को मान्यता देने के साथ-साथ उन्हें एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊंचाई भी प्रदान करता है।

योजना की विशिष्टता : झारखंड की योजना क्यों है विशेष? मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना केवल एक कल्याणकारी पहल नहीं है–यह एक करुणामय और सांस्कृतिक रूप से आधारित भावनात्मक शासन का मॉडल है। भारत की अधिकांश योजनाएं जहां शर्तों, घटनाओं (जैसे गर्भावस्था, प्रसव) या वैवाहिक/सामाजिक स्थिति पर आधारित होती हैं, वहीं यह योजना विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण समाजों में माताओं के सार्वभौमिक और स्थायी योगदान को पहचानती है। झारखंड की यह योजना सार्वजनिक नीति को केवल आर्थिक उत्थान का माध्यम नहीं, बल्कि भावनात्मक उपचार और सामाजिक परिवर्तन का उपकरण मानने की दिशा में एक अग्रणी कदम है। महिलाओ को शासन के केंद्र में रखकर–निर्भर नहीं, बल्कि समाज की गरिमामयी आधारशिला के रूप में–राज्य ने एक ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है जो भारत में महिला सशक्तिकरण की दृष्टि को पुनर्परिभाषित कर सकता है।

निष्कर्ष : यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं, तो आप एक व्यक्ति को शिक्षित करते हैं। यदि आप एक महिला को शिक्षित करते हैं, तो आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना एक सामान्य सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है, यह झारखंड के राज्य और नागरिक के बीच टूटते भावनात्मक रिश्ते को पुनर्जीवित करने की एक पहल है। यह उस आदिवासी महिला को सार्वजनिक मंच पर पहचान दिलाने का प्रयास है, जो अब तक खेत, जंगल और रसोई के कोनों में अपनी भूमिका निभा रही थी। झारखंड में महिलाएं, विशेष रूप से आदिवासी महिलाएं, संस्कृति, पारिस्थितिकी और सामुदायिक जीवन की संरक्षिका हैं, फिर भी वे व्यवस्थागत बहिष्करण का शिकार होती हैं। वनोपज, कृषि और असंगठित श्रम में उनके आर्थिक योगदान को न तो पर्याप्त मान्यता मिलती है और न ही समर्थन। ऐसे में मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना केवल एक कल्याणकारी पहल ही नहीं, बल्कि महिलाओं की गरिमा–विशेषकर उन आदिवासी माताओं की जो चुपचाप परिवार और परंपराएं निभाती हैं–की सांकेतिक और संरचनात्मक मान्यता बन जाती है।

आदिवासी महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक मान्यता के माध्यम से सशक्त बनाना, झारखंड में समावेशी और न्यायपूर्ण शासन व्यवस्था स्थापित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। खनिज संपदा और समृद्ध आदिवासी विरासत से परिपूर्ण झारखंड, विडंबनापूर्ण रूप से, लैंगिक समानता के संदर्भ में देश के सबसे अधिक संवेदनशील राज्यों में भी गिना जाता है। महिलाएं–विशेष कर अनुसूचित जनजातियों (एसटी) से संबंधित–बहु-आयामी हाशियाकरण का सामना करती हैं, जो सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और संस्थागत ढांचों में गहराई से निहित है। इस व्यवस्थागत हाशियाकरण का समाधान करने के लिए झारखंड को एक बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका समर्थन, लैंगिक संवेदनशील शासन और आदिवासी समावेशन को एकीकृत करे। महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना केवल समानता का विषय नहीं है–यह राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह योजना शासन को एक 'ममता आधारित' संरचना में रूपांतरित करती है, जो केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि एक संवेदनशील आत्मीय संरक्षक है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो यह योजना भारत के शासन विमर्श में एक वैकल्पिक मॉडल - भावनात्मक शासन (Emotional Governance) की नींव रख सकती है।

(लेखक : शिक्षा और अनुसंधान से जुड़े हुए हैं।)

कोल्हान की खबरें

प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये पर्यटकों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

आतंकवाद के खिलाफ निकाला कैंडल मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। शनिवार को प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ो सदस्यों ने आतंकवाद के खिलाफ अपना आक्रोश प्रकट की।सभी ने एकत्रित होकर जुबली पार्क के पास कैंडल मार्च निकाला। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही केंद्र सरकार से आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के लिए मांग की।

कैंडल मार्च के दौरान प्रेस क्लब के सदस्यों ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ जोरदार नारेवाजी की। वक्ताओं ने कहा पाकिस्तान की कायराना हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने सरकार से मांग की इस जघन्य हमले में शामिल आतंकियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाये, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके।

इस अवसर पर प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, महासचिव विनय पूर्ति, कोषाध्यक्ष अजय महतो, पूर्व अध्यक्ष प्रशांत सिंह पुतुल, अजय शंकर, रंगाधर नंदा, राजेश लाल दास, नागेंद्र शर्मा, गोविंद पाठक, रत्नेश तिवारी, प्रमोद झा, मनोज सिंह, इंद्रजीत सिंह पिंटू, मो. अकबर, प्रभात कुमार, विनय उपाध्याय, राजेश सिंह, जीतेंद्र कुमार, परसंजीत सिंह, बिनोद केशरी, आनंद राव, मनोज रजक, मो. जावेद, सरफराज खान, ऋषव श्रीवास्तव, रॉकी सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर ने इस कैंडल मार्च के माध्यम से एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया।देश की अखंडता एवं शांति बनाए रखने के संकल्प को दोहराया।

अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता प्रधान हांसदा रोजी-रोटी के लिए संघर्षरत, सरकार से लगा रहे गुहार

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गर्व से ऊंचा करने वाले सरायकेला जिले के चौड़ा गांव निवासी प्रधान हांसदा आज अपने जीवन यापन के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने और सब्जी बेचने को मजबूर हैं। प्रधान हांसदा ने वर्ष 2024 अक्टूबर में मलेशिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय दौड़ प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 18 देशों के प्रतिभागियों के बीच तीसरा स्थान प्राप्त कर देश का नाम गौरव किया था। प्रधान हांसदा ने न केवल दौड़ प्रतियोगिताओं में, बल्कि साइक्लिंग में भी राष्ट्रीय स्तर पर कई स्वर्ण और रजत पदक अर्जित की। उनके गले में सजे दर्जनों मेडल आज भी उनकी कठिन मेहनत और अदम्य प्रतिभा का प्रमाण हैं। लेकिन इसके बावजूद आर्थिक तंगी के चलते उन्हें आज सब्जी बेच कर अपना और अपने बुजुर्ग परिवार का जीवन चलाना पड़ रहा है। प्रधान हांसदा ने बताया उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पदक जीते, लेकिन सरकार द्वारा उन्हें अब तक किसी भी प्रकार की सहायता या सरकारी नौकरी का अवसर नहीं दिया। अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए प्रधान हांसदा ने सरकार से रोजगार प्रदान करने की अपील की, ताकि वे अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित कर सकें।

जनहित के मुद्दों पर काम करें : सरयू राय

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बिष्टुपुर स्थित विधायक कार्यालय में जनता दल (यू) के प्रदेश, जिला, महानगर व थानाध्यक्षों की एक संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। शनिवार को जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव के अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि विधायक सरयू राय शामिल हुए। बैठक में संगठन की मजबूती, जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने व आगामी कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी। विधायक सरयू राय ने कहा जद(यू) पूर्वी सिंहभूम में जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठा रही है। जिससे जनता के बीच सकारात्मक संदेश जा रहा है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आह्वान किया जहां भी जनहित से जुड़े मुद्दे दिखें, तुरंत पहल करें और सरकारी योजनाओं का लाभ असंगठित मजदूरों व जरूरतमंदों तक पहुंचायें।

जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव ने बताया आगामी एक मई मजदूर दिवस के अवसर पर मिलानी हॉल में कार्यकर्ता सम्मेलन सह मजदूर सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। महानगर अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि जदयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो 30 अप्रैल को जमशेदपुर दौरे पर आयेंगे। जमशेदपुर की सीमा में प्रवेश करने पर विभिन्न थानाध्यक्षों के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत किया जायेगा। एक मई को मिलानी हॉल में आयोजित मजदूर सम्मान समारोह में प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो और विधायक सरयू राय मजदूरों को सम्मानित करेंगे।

बैठक में संजय ठाकुर, अंजलि सिंह, कौशल कुमार, निर्मल सिंह, एम चंद्रशेखर राव, दुर्गा राव, भास्कर मुखी, प्रेम सक्सेना, मृत्युंजय सिंह, विनोद सिंह, असीम पाठक, संजीव सिंह, विजय सिंह, नीरज सिंह, प्रकाश कोया, राजेश प्रसाद, अमृता मिश्रा, मृत्युंजय शर्मा, अर्जुन यादव, प्रवीण सिंह, लालू गौड़, चुन्नू भूमिज, गौतम धर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नमन परिवार ने वीर कुंवर सिंह के शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

वीर कुंवर सिंह अमर रहें,भारत माता की जय के नारों से गूंजा नमन कार्यालय

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। नमन परिवार के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। शनिवार को नमन परिवार के सदस्यों ने वीरता, त्याग और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक वीर कुंवर सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि शंभूनाथ सिंह ने वीर कुंवर सिंह को राष्ट्रभक्ति, साहस और संघर्ष का अनुपम उदाहरण बताया। उन्होंने कहा उनका जीवन आज भी हमें देश सेवा के मार्ग पर प्रेरित करता है। आयोजक अमरप्रीत सिंह काले ने कहा वीर कुंवर सिंह हमारे स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे नायक हैं, जिनकी वीरता और बलिदान से आज भी पीढ़ियां प्रेरणा लेती हैं। उनका जीवन हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहने की सीख देता है।

श्री काले ने सभी को वीर कुंवर सिंह के बलिदान से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर बृजभूषण सिंह, भाजपा नेता शैलेंद्र कुमार सिंह, झारखंड महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष कल्याणी शरण, पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष नीरु सिंह, उत्तर प्रदेश संघ के रामकेवल मिश्रा, मलकीत सिंह ने वीर कुंवर सिंह के अदम्य साहस, देशभक्ति और बलिदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने की अपील की। धन्यवाद ज्ञापन रितिका श्रीवास्तव ने किया। मौके पर जयप्रकाश राय, टी नटराजन, वरुण कुमार, सरदार महेंद्रपाल सिंह, दीपू सिंह, सुखविंदर सिंह निक्कू, जसवंत सिंह भोमा, हरजिंदर सिंह, डी मनी, आरती मुखी, सिमी कश्यप, लख्खी कौर, माया चौबे, अरविंदर कौर, महालक्ष्मी देवी, ममता साहा, सुनीता देवी, रिंकू देवी, शुक्ला हलदर, राधिका देवी, रामरती देवी, ब्यूटी हलदर, सुमन कुमारी, मामुनी गौरी, सरबजीत कौर, सुमिता शर्मा, कुसुमी मुखी, गीता कुंडू, रजनी सिन्हा ने श्रद्धा सुमन अर्पित की।

आतंकी हमले में मारे गये पर्यटकों की याद में एकल अभियान ने निकाला कैंडल मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में मारे गये निर्दोष पर्यटकों की याद में एकल अभियान के बैनर तले शहर में कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह श्रद्धांजलि यात्रा मझिआंव मोड़ से प्रारंभ होकर मेन रोड होते हुए रंका मोड़ स्थित घंटाघर पर आकर संपन्न हुई। मार्च में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं और संगठन के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के उपाध्यक्ष डॉ पतंजलि केसरी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि देश में आतंकियों द्वारा पर्यटकों पर हमला करना कायरता का प्रतीक है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि इस दुस्साहसिक कृत्य के दोषियों को उनके अपराधों की कठोर सजा मिलनी चाहिए। डॉ केसरी ने सरकार से मांग की कि आतंकियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करते हुए न केवल हमलावरों, बल्कि उन्हें शरण देने वाले तत्वों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए जाएं। कैंडल मार्च के दौरान इसमें शामिल लोगों ने पाकिस्तान मुदार्बाद, भारत माता की जय के नारे भी लगा रहे थे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संगठन सचिव एसएस वर्मा, वरिष्ठ पदाधिकारी प्रियरंजन सिन्हा, गढ़वा संच अध्यक्ष बंशीधर प्रसाद, डॉ विजय कुमार, अभियान प्रमुख जितेन्द्र कुमार यादव, प्रशिक्षण प्रमुख अशर्फी चौधरी, व्यास ज्योति प्रकाश, राजीव यादव, अवधेश सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

आतंकी हमले के विरोध में निकाला गया मशाल जुलूस

डंडई (आजाद सिपाही)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में डंडई प्रखंड मुख्यालय में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से शुक्रवार देर शाम को मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस बाबा वीर कुंवर स्थान से शुरू होकर लवाही मोड़ होते हुए अंबेडकर चौक पहुंचा। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर आतंकी हमले में मारे गये पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गयी। जुलूस में शामिल लोगों ने हाथों में मशाल लिए हुए 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम', 'पाकिस्तान मुदार्बाद', 'आतंकवाद मुदार्बाद' जैसे कई नारे भी लगाये। लोगों ने भारत सरकार से आतंकवादियों को जल्द पकड़ने और इंसाफ की मांग की। मशाल जुलूस में संकर चौधरी, राजू कुशवाहा, ओमप्रकाश गुप्ता, राजीव कुमार, मनीष ठाकुर, राकेश, पीयूष, अमन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

पहलगाम हमले के खिलाफ रमना में कैंडल मार्च

रमना (आजाद सिपाही)। रमना विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर देश के पहलगाम में हुए इस्लामिक आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को देर शाम कैंडल मार्च निकाला गया। जो मानस मंदिर, मुख्य सड़क हरि गणेश मोड़, शहीद भगत चौक से पुनः वापस होते हुए सर्वेश्वरी चौक पहुंच कर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी से आतंकियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। कहा प्रधानमंत्री मोदी मत घबराना, तेरे पीछे सारा जमाना। देश के गद्दारों को गोली मारो सालों को आदि गगन चूंबी नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष विश्वकर्मा सोनी ने कहा कि देश के 26 पर्यटकों को निर्मम हत्या का बदला लेकर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दें। कहा कि अब बर्दाश्त से बाहर है जिस तरह केवल हिंदुओं के धर्म पूछकर हत्या कर दी गयी। सासंद प्रतिनिधि प्रभात कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार को अपनी शक्ति को दिखाते हुए पाकिस्तान से दो टूक करने की जरूरत है।

अंचल, नगर परिषद और थाना सोमवार से चलायेंगे संयुक्त अभियान

व्यवसायी अपने सामान की लोडिंग या अनलोडिंग का काम कम व्यस्त समय में करें : संजय कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने अंचल अधिकारी सफी आलम, कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार व कार्यपालक दंडाधिकारी राजेश कुमार आदि के साथ बैठक कर शहर के मैन रोड तथा मझिआंव रोड सहित सभी प्रमुख मार्गो से अस्थायी प्रकृति के अतिक्रमण को हटाने के लिए सोमवार से अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मैन रोड और मझिआंव रोड पर आये दिन जाम की स्थिति रहती है, यह जाम की स्थिति सड़क पर जगह के अभाव में न होकर लोगों के द्वारा अस्त-व्यस्त तरीके से रखे गये सामानों के कारण होती है। इसलिए अतिक्रमित सड़क खाली करवाने के लिए अगले सप्ताह अंचल, नगर परिषद और गढ़वा थाना मिलकर एक संयुक्त अभियान चलायेंगे। इस दौरान जो लोग नाली के ऊपर या नाली के बाहर समान रखते हुए पाये जायेंगे उनका सामान जब्त करने तथा उन पर जुर्माना करने की कार्रवाई नगर परिषद की ओर से की जायेगी। एसडीएम ने कहा कि मैन रोड में डिवाइडर लगाने का प्रयोग किया गया था किंतु इसके दोनों और लोग अतिक्रमण करके मार्ग को सकरा कर दे रहे हैं, जिससे डिवाइडर के दोनों और वाहनों का आवागमन सुचारू नहीं हो पा रहा है, फलस्वरूप अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है।

सुबह शाम ही माल की लोडिंग अनलोडिंग करें : संजय कुमार ने मुख्य मार्ग पर अवस्थित व्यवसायियों को भी निर्देश दिया कि वे अपने सामान की लोडिंग या अनलोडिंग का काम कम व्यस्त समय में करें न कि दिन के भीड़भाड़ वाले समय में। उन्होंने व्यवसायियों से अनुरोध किया कि वे लोडिंग-अनलोडिंग का काम सुबह 9:00 बजे से पूर्व या रात्रि 8:00 के बाद करें जिससे आम लोगों को असुविधा नहीं होगी।

कुछ दुकानदारों को लगायी फटकार : शनिवार दोपहर में संजय कुमार ने नगर परिषद के कार्यपालक अधिकारी सुशील कुमार के साथ मेन रोड में आवागमन की स्थिति देखी, मौके पर कुछ दुकानदार अपना सामान पिच रोड पर बहुत दूर तक रखे हुए मिले, इस पर उन्होंने कई दुकानदारों को फटकार लगाते हुए ऐसी पुनरावृत्ति नहीं करने की चेतावनी दी।

व्यवसायियों से सहयोग की अपील : संजय कुमार ने शहर के व्यवसायियों से अपील की कि यह शहर हम सबका है, इस शहर को व्यवस्थित रखने की जिम्मेदारी सभी की है, इसलिए अपने सामान, साइन बोर्ड, डिस्प्ले, माल वाहन आदि को इस प्रकार से रखें कि वे मुख्य मार्ग के आवागमन को बाधित न करें, यदि सड़क को जानबूझकर अतिक्रमित करते हुए अवरोध पैदा करने के दोषी पाए जाते हैं तो उन पर जुमार्ना के साथ सामान जब्ती जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है।

जीएन कॉन्वेंट स्कूल में विद्यार्थियों को जंक फूड से दूर रहने की दी गयी सलाह

गढ़वा। स्थानीय जीएन कॉन्वेंट (10+2)स्कूल में सीबीएसई द्वारा जारी निर्देश के अनुसार पोषण पखवाड़ा के अंतिम दिन कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कक्षा तीन से सातवीं तक के विद्यार्थियों द्वारा नियमित योग और प्राणायाम करने को लेकर अभ्यास वर्ग कार्यक्रम चलाया गया। वहीं जूनियर वर्ग के इंचार्ज खुर्शीद आलम ने कहा कि बच्चे अपने लंच बॉक्स में हमेशा पारंपरिक और पौष्टिक भोजन ही लाएं। उन्होंने बच्चों को चाऊमीन, पास्ता,पिज्जा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक जैसे चीजों से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने माता-पिता और अभिभावकों से भी अपील की है कि वह अपने बच्चों के टिफिन में पौष्टिक भोजन ही दें, जंक फूड नहीं दें उन्हें घर में भी जंक फूड का प्रयोग न्यूनतम करने को कहा ताकि बच्चे स्वस्थ रहें। इस अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी ऋषभ श्रीवास्तव,शिवानी गुप्ता, सरिता दुबे, रागिनी कुमारी व अन्य का योगदान सराहनीय रहा।

आतंकी हमले में शहीद हुए पर्यटकों को भाजपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

कांडी (आजाद सिपाही)। शनिवार को कांडी प्रखंड के भाजपा मंडल कार्यालय (पहाड़ी) में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मारे गये हिन्दू पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष सह बजरंग दल संयोजक शशि रंजन दुबे ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्य समिति सदस्य राम लाला दुबे उपस्थित रहे। राम लाला दुबे ने मृत 28 पर्यटकों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और दीप प्रज्वलित कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उपस्थित सभी लोगों ने भी पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व मीडिया प्रभारी संतोष कुमार सिंह, राम जन्म प्रसाद, शिव प्रसाद पांडेय, नारद पांडेय, नीरज सिंह, लालमेंद्र कुमार, कौशल किशोर, राजा राम बैठा, विजय सिंह, सुधीर सिंह समेत कई भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर मुकाबला करने का संकल्प भी लिया।

सीएचसी प्रभारी ने विभिन्न टीकाकरण केंद्रों और आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। शनिवार को भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ दिनेश सिंह ने क्षेत्र के विभिन्न टीकाकरण केंद्रों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आधा दर्जन से अधिक केंद्रों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई केंद्रों पर एएनएम और सहिया टीकाकरण का कार्य कर रही थीं, किंतु कई कर्मी निर्धारित यूनिफॉर्म में उपस्थित नहीं पाये गये। डॉ सिंह ने कर्मियों को ड्रेस कोड का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी और कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य है। ड्रेस में नहीं आने पर न केवल अनुशासनहीनता की छवि बनती है, बल्कि आम जनता में स्वास्थ्य विभाग की छवि भी प्रभावित होती है। उन्होंने कर्मियों को निर्देश दिया कि वे भविष्य में पूरी ड्रेस में ही ड्यूटी पर आएं, अन्यथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जायेगी। सीएचसी प्रभारी ने यह भी कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ तभी सही ढंग से लोगों तक पहुंच सकता है जब पूरी टीम जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ कार्य करे।

कसौधन वैश्य समाज ने शोक सभा का आयोजन किया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। कसौधन वैश्य समाज गढ़वा के द्वारा पहलगाम में आतंकवादियों के द्वारा निहत्थे पर्यटकों का हत्या करने पर उनके सम्मान में शोक सभा का आयोजन किया। समाज के अध्यक्ष उमेश कश्यप के ने टीतृत्व में समाज के सदस्य संतोष कश्यप (मामा) के दुकान पर उपस्थित सभी लोगो ने निंदा व्यक्त की और एक सुर में देश के प्रधानमंत्री से मांग कि की जो भी आतंकवादी इस तरह का घृणित कार्य किया है उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाये इस तरह की घृणित कार्य का जितना भी निंदा की जाये कम है। मौके पर उपस्थित समाज के अध्यक्ष उमेश कश्यप, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कश्यप, संतोष कश्यप (मामा) सचिव दिनेश कश्यप, रविंद्र कश्यप, संतोष कश्यप, राहुल कश्यप, मनोज कश्यप, रविंद्र कश्यप, भरत कश्यप, अभिषेक कश्यप आदि उपस्थित थे।

आरके पब्लिक स्कूल में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में सीसीए में विशेष पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' पर आधारित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने रंगों और विचारों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक सह शिक्षाविद् अलखनाथ पांडेय ने छात्रों को संबोधित करते हुए पृथ्वी के संरक्षण के लिए सजग और सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। हर साल पृथ्वी दिवस एक खास थीम के साथ मनाते हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं के रचनात्मक पोस्टरों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों ने रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी कला और जागरूकता का परिचय दिया।

प्राचार्य संतोष पांडेय ने बताया कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता व जिम्मेदारी की भावना का विकास होता है। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने एक स्वर में कहा कि हमारा छोटा-सा प्रयास धरती मां को समर्पित है। आइए, हम सभी मिलकर हर दिन को पृथ्वी दिवस की तरह मनायें और पर्यावरण की रक्षा करें।

बाबु दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के फार्मेसी परीक्षा परिणाम घोषित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। 26 अप्रैल (शनिवार) को बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय ने फार्मसी परीक्षा के विभिन्न परीक्षाओं का परिणाम घोषित किया कउक्त सारी परीक्षाएं फरवरी-मार्च 2025 में आयोजित की गयी थी कजिसमें बी फार्मा, थर्ड सेमेस्टर 2025 (सत्र 2023-27) के परीक्षा में कुल 47 परीक्षार्थी परीक्षा दिए थे। जिसमे केवल एक ही परीक्षार्थी को पदोन्नत हो सके। बाकी सभी परीक्षार्थी पास हो गये है। इस परीक्षा में कामना गुप्ता और कोमल गुप्ता दोनों का (बराबर) और सबसे अधिक 8.92 SGPA ग्रेड मिला है। इसके बाद साक्षी का स्थान रहा। परीक्षा फल प्रकाशित होने के बाद बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने संकयाध्यक्ष एवं उस विभाग के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को अच्छे परीक्षा फल के लिए बधाई दिया है।

इस मौके पर इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) एमके सिंह ने भी सभी परीक्षार्थियों को बधाई और सुनहरे भविष्य के लिए और अधिक मेहनत करने के लिए शुभकामनाएं दी।

एसडीओ ने अधूरी पेयजल योजनाओं का किया निरीक्षण

विभागीय पदाधिकारियों को अधूरे काम की जांच कर काम पूर्ण करने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने अचला पंचायत अंतर्गत नारायणपुर गांव में अधूरी पड़ी पांच नलकूप योजनाओं का निरीक्षण किया। गत दिनों यहां के स्थानीय मुखिया ने 'कॉफी संवाद' में एसडीएम के समक्ष मामला उठाया था कि उनकी पंचायत में 2022-23 की पेयजल योजनाओं को अब तक पूर्ण नहीं किया गया है। इस आलोक में एसडीएम द्वारा किए गए स्थानीय निरीक्षण के क्रम में स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि डेढ़ वर्ष पहले से ये पांच बोरिंग किये हुए पड़े हुए हैं किंतु न ही इनमें कोई पंप अधिष्ठापित किया गया और न ही जल मीनार बनाई गयी। निरीक्षण में पाया गया कि नारायणपुर के रामू कुमार मेहता के घर के सामने, राजेंद्र कुमार मेहता के घर के सामने, श्याम मेहता के घर के सामने, लखन शर्मा के घर के सामने तथा सिमरिय टोला में कुल पांच बोरिंग फरवरी 2024 में किये गये थे। जल मीनार के लिए फाउंडेशन भी खोदा गया था, आसपास में गिट्टी, बालू भी पड़ी हुयी मिली किंतु जलमीनार का निर्माण नहीं हुआ। इस पर उपस्थित ग्रामीणों ने एसडीएम से आगामी पेयजल संकट को देखते हुए यथाशीघ्र सभी योजनाओं को फंक्शनल करवाने का अनुरोध किया। संजय कुमार ने संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं कनीय अभियंता को दो दिनों में वस्तुस्थिति से अवगत कराने का निर्देश दिया। साथ ही योजनाओं के प्राक्कलन व निविदा के अनुरूप शेष बचे हुए काम को नियमानुसार पूर्ण करने को कहा। इस दौरान एसडीएम ने नमूने के तौर पर एक बोर में जल स्तर की स्थिति को लेकर रस्सी से जांच भी कार्रवाई। इस दौरान पंचायत के उप मुखिया रामनाथ महतो, उदय रजवार, महेंद्र महतो, रिंकू देवी, कविता देवी, चंदन मेहता, रामू कुमार, श्रवण कुमार आदि सहित

अखिल विश्व गायत्री परिवार ने प्राण प्रतिष्ठा पर कलश शोभायात्रा निकाली

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर । श्री बंशीधर नगर शहर के जंगीपुर स्थित पेट्रोल पंप के निकट वेद माता गायत्री शक्तिपीठ में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा शक्तिपीठ का सातवां वार्षिकोत्सव एवं शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर शनिवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य शोभायात्रा में भाग लिया। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में 'गायत्री माता की जय', 'शिव परिवार की जय', हर हर महादेव, जय भोलेनाथ, जय माता जी, 'वैदिक संस्कृति अमर रहे' जैसे गगनभेदी नारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं पर जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में प्रतिष्ठित व्यवसायी जितेंद्र कुमार कमलापुरी उर्फ मंटू एवं उनकी धर्मपत्नी कंचन कुमारी विशेष रूप से शामिल रहे।

बीपी डीएवी पब्लिक स्कूल में रेड डे सेलिब्रेशन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। बीपी डीएवी पब्लिक स्कूल में रेड डे सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीपी डीएवी पब्लिक स्कूल की ट्रस्टी इंद्राणी केसरी थीं।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं उपस्थित शिक्षकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलंकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ततपश्चात शिक्षक डॉ शंभु कुमार तिवारी,अमियो मुखर्जी, नेहा केशरी, अदिति गुप्ता, आशीष रंजन,इफ्तेशाम नाजनीन आदि ने शॉल एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें उन्हें लाल रंग और उसके विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया। एलकेजी और यूकेजी के छात्रों ने 'आहा टमाटर' नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि कक्षा 1 के छात्रों ने 'रेड डे इस द कलर ऑफ द डे' नृत्य से सबका ध्यान आकर्षित किया।

कक्षा 2 के छात्रों ने फैंसी ड्रेस के साथ छंद एक्ट प्रस्तुत किया, जो दर्शकों को बहुत पसंद आया। इसके अलावा, कक्षा 1 के छात्रों ने 'इचक दाना बिचक दाना' नृत्य भी प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को लाल रंग और उसके विभिन्न रंगों से परिचित कराना था, जो सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

आयोजन में ईडीपी समूह की प्रभारी शिक्षिका नेहा केसरी, दिव्या कुमारी, अदिति गुप्ता और इफ्तेशाम नाजनीन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

मुख्य अतिथि इंद्राणी केसरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज रेड डे के अवसर पर बीपी डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्रों की प्रस्तुतियों ने मुझे बहुत प्रभावित किया। जिन उद्देश्यों को दृष्टिगत करते हुए मेरे ससुर पारस नाथ केशरी ने डीएवी के लिए भूमि दान किया था। उन उद्देश्यों की पूर्ति होता हुआ देख कर मुझे बेहद संतोष की अनुभति हो रही है। लाल रंग ऊर्जा, उत्साह और प्रेम का प्रतीक है, और आज के कार्यक्रम में यह स्पष्ट रूप से दिखायी दिया।

मुंबई से घर लौट रहे मजदूर की मौत

फाइल फोटो

हरिहरपुर (आजाद सिपाही)। ओपी क्षेत्र अंतर्गत हरिहरपुर पंचायत के रपूरा गांव निवासी लालदेव रजवार पिता - बुनी रजवार, उम्र - 30 वर्ष की मृत्यु घर लौटते समय मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन पर हो गयी। मृतक मुंबई में मजदूरी करने गया था काम करने के ही क्रम में वह छुट्टी लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान रेलवे पुलिस ने कटनी स्टेशन पर उसे मृत अवस्था में पाया। मृतक की पत्नी सरस्वती देवी के अनुसार, लालदेव रजवार मजदूरी कर जीवन यापन कर रहे थे और घर लौटते वक्त यह दुखद घटना घटी। लालदेव रजवार अपने पीछे पत्नी सहित चार छोटे बच्चों को छोड़ गये हैं।

ऑटो पलटने से एक दर्जन बाराती घायल

भवनाथपुर। बीती रात्रि तेज ऑटो पलटने से उस पर सवार एक दर्जन बाराती लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सभी घायलों को भवनाथपुर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक फैज अहमद के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एक घायल को गढ़वा रेफर किया गया। सभी बाराती थाना क्षेत्र के कोन मंडरा के बताये जा रहे है। घायलों में प्रेमनाथ उरांव पिता सीता उरांव, आदि उरांव, पिता एतवा उरांव, चुनूं उरांव पिता पुराण उरांव, विक्रम उरांव पिता मनीष उरांव, धीरज उरांव पिता कैला उरांव, मनीष उरांव पिता चुनूं उरांव, सुनील उरांव पिता घूर्णन उरांव, रणजीत उरांव पिता करमू उरांव, बंधन उरांव पिता कैला उरांव का नाम शामिल है।

भाजपा नेता के पुत्र के निधन से संजय सेठ आहत, जताया शोक

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। बुंडू के भाजपा नेता कपिल महतो के पुत्र मुकेश कुमार का आकस्मिक निधन पिछले दिनों हो गया था। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उनके पैतृक आवास जाकर, अपनी शोक संवेदना व्यक्त किया। शोक की इस घड़ी में हम सब आपके परिवार के साथ हैं। इस दुःख की घड़ी में जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, पूर्व मंडल अध्यक्ष धीरेन महतो कालीचरण बनर्जी, योगेंद्र महतो चौधरी महतो कालीपद महतो भी साथ में मौजूद रहे।

एक महीने से लापता है पत्नी और बच्चे पति ने महिला पर लगाया बेचने का आरोप

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी सदर थाना क्षेत्र के महुआटोली निवासी तुरी मुंडा की दूसरी पत्नी मुगली मुंडाईन (23 वर्ष) और उनका एक वर्ष का बेटा 25 मार्च से लापता हैं। पत्नी और बच्चे के अचानक गायब हो जाने के बाद तुरी मुंडा ने स्वयं उनकी खोजबीन शुरू की। जब कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने 12 अप्रैल को खूंटी थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। खोजबीन के दौरान तुरी को पता चला कि 25 मार्च को उनकी पत्नी और बच्चा आखिरी बार दतिया के बिमला निवास के समीप रहने वाली एक महिला के पास देखे गये थे। तुरी मुंडा का आरोप है कि उक्त महिला उनकी पत्नी को अक्सर बहकाती थी और कहती थी कि क्यों बुढ़े आदमी से शादी की, तुम्हारी शादी मैं कहीं और करवा दूंगी या अच्छा काम दिला दूंगी। तुरी मुंडा ने आरोप लगाया कि उसी महिला ने 25 मार्च को उनकी पत्नी को बहला-फुसलाकर कहीं बेच दिया है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने उस महिला से पूछताछ की, तो उसने कहा कि तुम्हें पत्नी और बच्चा चाहिए ना, उसके बाद हमें परेशान नहीं करोगे। तुरी ने इन बयानों को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया है। इसके बाद तुरी मुंडा ने 26 अप्रैल को दोबारा खूंटी थाना और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट खूंटी में आवेदन देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उक्त महिला की गिरफ्तारी और पत्नी और बच्चे की बरामदगी की मांग की है।

जावेद अंसारी बने परिवहन विभाग के विधायक प्रतिनिधि, लोगों ने दी बधाई

खलारी (आजाद सिपाही)। कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा के द्वारा खलारी प्रखंड के जेहलीटांड निवासी जावेद अंसारी को परिवहन विभाग का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। जावेद अंसारी को विधायक सुरेश कुमार बैठा द्वारा उनके मनोनयन को लेकर नियुक्ती पत्र सौंपा गया है। साथ ही उन्होने आशा भोला यादव अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी व निष्ठा से करेंगे। वहीं कांग्रेस पार्टी के संगठन को मजबूत करने में अपना अहम योगदान देंगे। विधायक प्रतिनिधि नियुक्त होने पर जावेद अंसारी ने विधायक सुरेश कुमार बैठा के प्रति आभार प्रकट किया है। साथ ही कहा कि जिस विश्वास के साथ मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है, मैं इसे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाऊंगा। विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी, लेबर सेल प्रदेश महासचिव राजन सिंह राजा, जिला महासचिव राजेश सिंह मिंटू, मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी, कांग्रेस प्रदेश सचिव इंदिरा तुरी, रांची जिला अध्यक्ष एससी सेल रोशन लाल, जिला कोषाध्यक्ष तनवीर आलम, प्रखंड अध्यक्ष साबीर अंसारी, विधायक प्रतिनिधि मोनू रजक डॉ इरशाद, विधायक प्रतिनिधि समीम बडियार, विक्की सिंह, इसराइल अंसारी सहित अन्य लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मोदी केयर इंडिया ने बचरा में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा ऑफिसर्स क्लब में शनिवार को मोदी केयर इंडिया के द्वारा निःशुक्ल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर मे दर्जनों लोगो का उच्च रक्तचाप, मधुमेह,वजन और लंबाई सहित अन्य कई प्रकार की जांच की गयी। जांच के बा द मोदी केयर टीम के द्वारा लोगों को जरूरी सलाह एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। इस संबंध में हेल्थ एडवाइजर सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मोदी केयर इंडिया के द्वारा शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लोगों का निःशुल्क उपचार और जांच किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान के इस दौर में लोगो को अपने शरीर एंव सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। समय पर बीमारी की पहचान होने पर उनका समय पर उपचार भी किया जाता है और लोग ठीक भी होते हैं। इस मौके पर हेल्थ हेडवाईजर सुरेंद्र कुमार सिहं,सुमन कुमार, अभय वर्मा,मुखिया रीना देवी, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र सिंह, सुचिता सिंह, मिथिलेश सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

मिशन वात्सल्य और बाल असुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन

खूंटी (आजाद सिपाही)। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण इकाई और बाल कल्याण संघ के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को मिशन वात्सल्य और बाल असुरक्षा (बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल यौन शोषण आदि) विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड कार्यालय, खूंटी में किया गया। कार्यक्रम में सेविकाएं, पंचायत प्रतिनिधि, प्रखंड के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, क्ब्च्‍ और चाइल्डलाइन के स्टाफ, शिक्षा विभाग के कर्मचारी एवं विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो अल्ताफ खान ने कहा कि समुदाय में जागरूकता की कमी के कारण बाल तस्करी और शोषण के मामले सामने आते हैं। खूंटी की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी आभा कुमारी चौधरी ने बच्चों में असुरक्षा की बढ़ती घटनाओं के लिए अत्यधिक नशाखोरी को एक प्रमुख कारण बताया और विद्यालयों से जुड़कर माता-पिता की काउंसलिंग की आवश्यकता पर जोर दिया। चाइल्डलाइन के काउंसलर लालमोहन कुमार ने चाइल्डलाइन 1098 सेवा की कार्यप्रणाली और बच्चों के त्वरित संरक्षण में इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

राज्यपाल से मिले ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन का प्रतिनिधिमंडल

शैक्षिक समस्याओं के निराकरण की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन झारखंड राज्य कमेटी का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मिले। इस दौरान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म वार्षिकी और 125वीं शहादत वार्षिकी के उपलक्ष्य में राज्य कमेटी द्वारा प्रकाशित बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष पर आधारित किताब और कैलेंडर राज्यपाल को भेंट किये गये। साथ ही राज्य के विभिन्न शैक्षिक समस्याओं के पर सुधार की मांग की। राज्यपाल से वर्ष 2016 के बाद से अब तक नहीं हुई झारखंड शिक्षण पात्रता परीक्षा का आयोजन अविलंब करने, सभी विश्वविद्यालय में कुलपति, प्रति कुलपति और वित्त अधिकारी की नियुक्ति करने, टीजीटी, पीजीटी के 8900 से अधिक सरेंडर किये गये पदों को पुनः बहाल करने और शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया जल्द शुरू करने, कोल्हान विश्वविद्यालय अंतर्गत जेनेरिक और मैथ पेपर की परीक्षा आयोजित करने और कोल्हान विश्वविद्यालय में एक साल पहले हुई पीएचडी परीक्षा का रिजल्ट जारी करने, कॉलेज में इंटर की पढ़ाई जारी रखने और आंदोलनरत इंटर के शिक्षक और कर्मचारियों की मांग पूरी करने, यूनिवर्सिटी-कॉलेज के गैर शैक्षणिक पदों पर जल्द नियुक्ति करने, छात्र संघ चुनाव का आयोजन कराने, स्नातक और स्नातकोत्तर में नामांकन के लिए सीयूईटी की बाध्यता खत्म कर सबका नामांकन सुनिश्चित करने, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को रद्द करने की मांग की गयी। राज्यपाल के द्वारा सभी विषयों पर सकारात्मक आश्वासन दिया गया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश सचिव सोहन महतो, प्रदेश उपाध्यक्ष जीवन यादव, प्रदेश सचिव मंडली सदस्य शुभम झा, विशेश्वर महतो और सत्येन मोहंता शामिल थे।

जदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी ने पांच परिवारों को दी आर्थिक मदद

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी प्रखंड के पांच परिवारों को मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी ने आर्थिक मदद किया। अब्दुल्ला ने बताया कि खलारी क्षेत्र के करंज तोरा निवासी मनोज मुंडा, बमने मनातू के जितनी देवी, राय बस्ती के दिनेश महतो, राय कोलियरी के मंजू देवी एवं पियरटाड़ के कुलदीप मुंडा को पूर्व में निधन हो गया था। जानकारी मिलने पर मजदूर नेता अब्दुल्ला ने उनके सभी परिवारवालों से मिलकर संवेदना व्यक्त कर परिवालों को ढांढस बढ़ाया साथ ही पांचों परिवारों को 50 केजी चावल, 50 केजी आटा और तेल देकर सहयोग किया। साथ ही आर्थिक सहयोग भी किया। अंसारी ने आश्वासन दिया कि इस दुःख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ा हैं।

पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में निकाली आक्रोश रैली

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गये पर्यटकों के लिए चौका मोड़ पर समिति की ओर श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान चौका मोड़ पर आतंकवादियों के खिलाफ आक्रोश रैली निकाला गया। आक्रोश रैली चौका मोड़ से चौका पातकुम सड़क मार्ग, चौका कांड्रा सड़क मार्ग में भ्रमण कर शहीद अजीत धनंजय महतो के प्रतिमा स्थल पर समापन हुआ। जिसमें आतंकवादियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया गया, पाकिस्तान मुदार्बाद की नारे लगाये गये। लोगों में आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश देखा गया। इस दौरान शहीद अजीत धनंजय महतो प्रतिमा स्थल पर पहलगाम में शहीद हुए सैलानियों को श्रद्धांजली देकर आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और 28 दीप जलाया गया।

इस दौरान प्रर्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें बताया कि देश की एकजुटता और अखंडता के लिए चौका बाजार समिति के आसपास के लोग तत्पर रहेंगे। केंद्र सरकार द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ उठाये गये कदम को समर्थन करते है। इस मौके पर हिकिम महतो, खगेन महतो, बंसत प्रमाणिक, गुरुचरण साव, शत्रुघ्न महतो, अरुण महतो, सुकराम बेसरा, कुनाराम बास्के, छुटु सिंह मुंडा, मिंटु गुप्ता, चंडीचरण महतो, ाज शेखर गांगुली आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति ने किया खूंटी जिले का दौरा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति ने शनिवार को खूंटी जिले का दौरा किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य सह माननीय विधायक कोलेबिरा नमन विक्सल कोनगाड़ी ने परिसदन भवन के सभागार में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में समिति के सदस्य सह विधायक खूंटी विधानसभा क्षेत्र, राम सूर्या मुंडा मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक की कार्रवाई प्रारंभ होने से पूर्व उपायुक्त लोकेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम ने समिति के सदस्यों का स्वागत किया। बैठक में समिति द्वारा जिले में लंबित अनागत प्रश्नों के समाधान और विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी। इनमें मुख्य रूप से ग्रामीण कार्य विभाग के तहत सड़क निर्माण, विशेष प्रमंडल के तहत पुल निर्माण, शिक्षा विभाग के तहत विद्यालय भवन का जीर्णोद्धार, अबुआ आवास के लाभुकों को ससमय किस्त की राशि का भुगतान, स्वास्थ्य विभाग प्रबंध समिति की नियमित बैठक समेत अन्य मामलों से जुड़े अनागत प्रश्नों के आलोक में किये गये कार्रवाई की जानकारी ली गयी। समिति द्वारा कहा गया कि इन दिनों हाथियों का प्रकोप बढ़ गया है। हाथियों द्वारा खाद्यान्न के कारण लोगों के घरों को छतिग्रस्त किया जा रहा है। जिले में अन्य संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं की अद्यतन स्थिति, क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। भूमि संरक्षण विभाग के तहत तालाब निर्माण और अनुदान पर पंप सेट का लाभ, मत्स्य विभाग के तहत मछली पालन, प्रशिक्षण और स्पॉन वितरण समेत अन्य विभागों से जुड़े सब्सिडी और अनुदान पर सरकारी लाभ देने को लेकर प्रचार प्रसार कराने को कहा गया, जिससे लोग जागरूक होकर सरकारी योजनाओं का लाभ ले सके। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, परियोजना निदेशक आईटीडीए, एसडीपीओ खूंटी, सिविल सर्जन, डीसीएलआर, जिला पंचायतीराज पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, जिला अभियंता, उत्पाद अधीक्षक, जिला परिवहन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, विद्युत समेत अन्य विभागों के कार्यपालक अभियंता, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, उपस्थित थे।

खलारी क्षेत्र में विकास योजनाओं को लेकर मंत्री संजय सेठ को ज्ञापन सौंपा

खलारी (आजद सिपाही)। भाजपा खलारी मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार गंझू के नेतृत्व में शुक्रवार को रक्षा राज्य मंत्री रांची सांसद संजय सेठ को खलारी क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य योजनाओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बिजुपाड़ा भाया चामा, मैकलुस्कीगंज, बालुमाथ, हेरहंज, पाकी, लेस्लीगंज होते हुए औरंगाबाद तक की 150 किलोमीटर सड़क को एनएच में परिवर्तन करने, मैकलुस्कीगंज में राष्ट्रीकृत बैंक की स्थापना करने, माण्डर से संचालित एलआइसी ऑफिस खलारी को खलारी से संचालित किया जाये, खलारी प्रखंड में सरकारी डिग्री कॉलेज की स्थापना करने, हजारीबाग भाया टंडवा एनटीपीसी, खलारी बिजुपाड़ा सिसई गुमला तक की लगभग 200 किलोमीटर मार्ग को एनएच मे परिवर्तन करने, सीसीएल सेन्ट्रल अस्पताल डकरा को अपग्रेड कर सारी सुविधाओं को बढ़ाते हुए कर्मियों एवं ग्रामीणों को नि:शुल्क दवा और इलाज की व्यवस्था करने, मैकलुस्कीगंज में शिलान्यास रेलवे फाटक पर फलाई ओवर का कार्य शुरू किए जाने की मांगें शामिल है। मौके खलारी मंडल से भरत रजक ण्वं शशि प्रसाद साहू भी उपस्थित थे।

मासिक लोक अदालत में 14 मामलों का निष्पादन, 1.87 लाख रुपये का सेटलमेंट

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को व्यवहार न्यायालय खूंटी में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। मासिक लोक अदालत में विभिन्न मामलों के निष्पादन के लिए पांच बैंचों का गठन न्यायालय में लंबित मामलों तथा प्री-लिटिगेशन से संबंधित मामलों का निस्तारण के लिए किया गया। लोक अदालत में दीवानी एवं फौजदारी न्यायालय के सुलहनीय प्रकृति के मामले, एनआइ एक्ट के मामले, बिजली संबंधित मामले प्रस्तुत किये गये। डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि लोक अदालत में पांच बैंचो के माध्यम से न्यायालय में लंबित 14 मामलों का निष्पादन किया गया और एक लाख 87 हजार 467 रुपये राशि का सेटलमेंट किया गया। मासिक लोक अदालत में मामलों के निष्पादन के लिए गठित की गयी प्रथम बैंच में जिला जज प्रथम संजय कुमार, जिला जज द्वितीय राकेश कुमार मिश्रा, जिला जज तृतीय प्राची मिश्रा, द्वितीय बैंच में मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी अर्जुन साव, पैनल अधिवक्ता मुकुल कुमार पाठक और कविता कुमारी, तृतीय बैंच में अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी विद्यावती कुमारी, पैनल अधिवक्ता आशीष कुमार और सुमित कुमार कश्यप, चतुर्थ बैंच में पैनल अधिवक्ता मदन मोहन राम और अनिभा तिर्की तथा पंचम बैंच में अस्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष केके सिंह, सदस्य मधु चंदा कुमारी रजक, रूबी कुमारी और पैनल अधिवक्ता शशि कला कुमारी शामिल थे। यह जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

शहीद मनीष रंजन के परिवार से मिले सुदेश महतो, संवेदना व्यक्त की

आजाद सिपाही संवाददाता

मुरी। शहीद मनीष रंजन के अंतिम संस्कार के दूसरे दिन आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो ने झालदा पहुंचकर शहीद के परिवार से भेंट की और गहरी संवेदना व्यक्त की। श्री महतो ने शहीद मनीष रंजन के परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि यह सिर्फ एक परिवार का नहीं, पूरे झारखंड का दुःख है। शहीद मनीष रंजन की शहादत को कभी भुलाया नहीं जायेगा। आजसू पार्टी आपके साथ परिवार की तरह मजबूती से खड़ा है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि सरकार से मिलकर शहीद के परिवार को हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी और मनीष रंजन की शहादत को सम्मान और न्याय दिलाने के लिए हर कदम उठाया जायेगा। इस दौरान श्री महतो ने शहीद मनीष रंजन के दस वर्षीय पुत्र से भी मुलाकात की।

शर्ट सर्किट से ट्रेलर में लगी आग

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र के कपाली ओपी अंतर्गत कांदरबेडा दोहमुहानी सड़क मार्ग स्थित कांदरबेड़ा जंगल के समीप एक ट्रेलर में अचानक आग लग गयी। घटना शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे की है। ट्रेलर चालक आग लगने की आभास लगते ही कुद कर अपनी जान बचायी। ट्रेलर के इंजन में शर्टसार्कीट से आग लग गयी। सड़क पर ट्रेलर में आग लगने की सूचना पर पुलिस पहुंचे और दमकल को बुलाकर आग को बुझाने की प्रयास करने लगे। ट्रेलर का आगे का हिस्सा पूरी तरह से जलकर राख हो गया।

बिना नंबर प्लेट लगी सरकारी गाड़ी से चलते हैं बुंडू अंचलाधिकारी हंस हेमरोम

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुडू के अंचलाधिकारी सह तमाड़ अंचल का अतिरिक्त प्रभार हंस कुमार हेमरोम बिना नंबर की सरकारी सुमो गाड़ी में चलते हैं। उनकी गाड़ी के आगे पिछे नंबर नहीं लगा हुआ है, नंबर के जगह बुंडू सीओ का बोर्ड लगा हुआ है। इसे पकड़ने वाले कोई नहीं है। अगर ये आम आदमी रहे तो पुलिस प्रशासन उसकी सामंत कर देंगे। एक प्रशासनिक अधिकारी ऐसा करें और कानुन को तोड़ें शोभा नहीं देता है।

मोटरसाइकिल और स्कूटी में टक्कर, एक की मौत

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ थाना क्षेत्र के तमाड़ खुटी रोड पर एक मोटरसाइकिल और स्कूटी में भिड़ंत हो गयी जिससे, मौके पर ही एक युवक विजय सेठ 22 वर्ष मांझी टोली बुंडू की मृत्यु हो गयी। जबकि रूपेश सेठ कांची और जीरू सेठ गंभीर रूप से घायल हो गये। लोगों ने पुलिस की मदद से तमाड़ अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने विजय सेठ को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल को रिम्स भेजा जहां जीरू सेठ की हालत गंभीर है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया।

राहे में स्कूल रुआर कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

राहे (आजाद सिपाही)। झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा संचालित कार्यक्रम स्कूल रुआर 2025 का उद्घाटन राहे प्रखंड सभागार में शनिवार को दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। यह कार्यक्रम प्रखंड के अनामांकित और क्षितिज बच्चों को विद्यालय में वापस लाने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। यह 16 दिनों तक चलने वाला एक बैक टू स्कूल अभियान है, जिसका उद्देश्य स्कूल से बाहर रह गये बच्चों को स्कूल में वापस लाना है। शत प्रतिशत नामांकन और उपस्थिति सुनिश्चित करना। इस कार्यक्रम में प्रमुख लीलमनी देवी, उप प्रमुख उमेश महतो, बीडीओ अशोक कुमार, विधायक प्रतिनिधि रोहिताश चौधरी, बीइओ शांति मुनि तिर्की, बीपीओ प्रवीण कुमार, सभी मुखिया, बीआरपी, सीआरपी, स्कूलों के प्रधानाध्यापक मौजूद थे।

स्वर्गीय पंचानन साहू की पुण्यस्मृति के उपलक्ष्य में भागवत कथा का आयोजन

बुंडू (आजाद सिपाही)। स्वर्गीय पंचानन साहू की पुण्य स्मृति के अवसर पर भागवत कथा का आयोजन किया गया। जो 20 अप्रैल से लेकर 26 अप्रैल तक चली। इस अवसर पर सुंदर कांड का आयोजन किया गया है। उनके परिवार द्वारा कुशवाहा धर्मशाला बुंडू सूर्य मंदिर प्रार्थना भवन औरं अन्य मंदिरों में पंखा और घड़ी का वितरण किया गया। मुख्य रूप से स्वर्गीय साहू की धर्मपत्नी उत्तरा देवी, नवल किशोर, अनल कुमार और डॉक्टर विमल कुमार के साथ पूरे परिवार के लोग उपस्थित हुए।

डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में मनायी गयी पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी की जयंती

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में शनिवार को स्वामी दयानंद के अनन्य शिष्य पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या डॉक्टर आर चौधरी ने दीप जलाकर और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्राचार्या डॉक्टर आर चौधरी ने कहा कि पंडित गुरूदत्त जी आर्य समाज के प्रमुख नेताओं में से एक थे और उन्होंने डीएवी कॉलेज की स्थापना में अग्रणी भूमिका निभायी। हवन यज्ञ कार्यक्रम में स्कूल के कई बच्चे एवं शिक्षक भी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी घटना में 28 लोगो की मौत पर शोक प्रकट किया गया।

आत्मरक्षा के लिए कराटे-मार्शल आर्ट जरूरी : नरेंद्र नाथ

आरटीसी पब्लिक स्कूल में कराटे बेल्ट सेरेमनी का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। आरटीसी पब्लिक स्कूल में शनिवार को उत्कल कराटे स्कूल झारखंड शाखा के तत्वावधान में बेल्ट सेरेमनी आयोजित हुआ जिसका उद्घाटन प्राचार्य नरेंद्र नाथ महतो, उत्कल कराटे स्कूल झारखंड के चीफ एग्जामिनर सेसाई महादेव गोप एवं नकुल यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को बेल्ट एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य नरेंद्र नाथ महतो ने कहा कि आत्मरक्षा के लिए कराटे एवं मार्शल आर्ट जरूरी है। भविष्य में विद्यालय के छात्र-छात्राएं राज्य और राष्ट्रीय स्तर की कराटे प्रतियोगिताओं में भाग लेकर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय में कराटे प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा, ताकि छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं आत्मरक्षा की भावना का विकास हो सके। इस दौरान अभिजीत महतो को यलो बेल्ट, आरुषि कुमारी, श्रुति कुमारी, सुभद्रा कुमारी, विशाल राज को ऑरेंज, नैन्सी मुंडा, कोमल कुमारी, कुमारी दिव्या रानी को ग्रीन बेल्ट, प्रीतम कच्छप, प्रिंस महतो को ब्लू बेल्ट एवं हिमांशु कुमार, किशोर कुमार को ब्राउन बेल्ट प्रदान किया गया। इस मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित थे।

रांची समेत पांच जिलों में हो रहा डिजिटल क्रॉप सर्वे

अब फसलों का ब्योरा एक क्लिक में मिलेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कृषि विभाग किसानों को फसल विशेष योजनाओं का लाभ समय से सुनिश्चित करने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए विभाग की ओर से रांची सहित पांच जिलों में डिजिटल क्रॉप सर्वे कराया जा रहा है। भारत सरकार के एग्री स्टैक प्रोजेक्ट एवं फार्मर रजिस्ट्री के तहत राज्य में डिजिटल क्रॉप सर्वे कराया जा रहा है।

झारखंड देश का 17वां ऐसा राज्य है, जहां पर इस तरह का सर्वे किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में होने वाली फसल और कृषि योग्य भूमि की अपडेट जानकारी प्राप्त करना है। ताकि इसके जरिए राज्य सरकार किसानों तक योजना पहुंचा पाए। सर्वे के जरिए किसानों की पूरी जानकारी और फसल के उत्पादन पर भी नजर रखी जा रही है।

सर्वे के बाद जियो रेफरेंस मैप भी तैयार किया जाएगा, ताकि सुखाड़ में किसानों को लाभ दिया जाए सके। डिजिटल सर्वे का कार्य जमीनी स्तर पर कृषक मित्र, बीटीएम (ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक) और एटीएम (सहायक तकनीकी प्रबंधक) कर रहे हैं। सरकार की ओर से सर्वे के लिए इन्हें राशि भी दी जा रही है। सर्वे की पूरी जानकारी भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड की जा रही है। इसको लेकर भारत सरकार के साथ एमओयू किया गया है। दिसंबर 2024 में एमओयू होने के बाद फरवरी से राज्य में डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य हो रहा है।

5.64 लाख प्लाट का होना है सर्वे : राज्य के पांच जिले रांची, गढ़वा, गोड्डा, हजारीबाग और सरायकेला खरसावां के कुल 697 गांव के प्लाट का डिजिटल क्रॉप सर्वे किया जा रहा है। इसमें कुल 5 लाख 64 हजार 987 प्लाट का सर्वे चल रहा है।

बीटीएम और एटीएम ने रबी फसल का अब तक 2.59 लाख प्लाट का सर्वे कर लिया है। इसके लिए बीटीएम और एटीएम को दस रुपये प्रति प्लाट राशि भी उपलब्ध करायी जा रही है। वह अपने मोबाइल के जरिये प्लाट की तस्वीर और रकबा की जानकारी प्राप्त करते हैं। किसान के नाम के साथ उसकी सर्वे रिपोर्ट प्रतिदिन भारत सरकार के पोर्टल पर अपडेट करते है।

विभाग की ओर से इसकी निगरानी भी की जा रही है। कृषि विभाग की ओर से पूरे राज्य में डिजिटल क्रॉप सर्वे होना है। विभाग की ओर से इस सर्वे के लिए कुल 11 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जानी है।

खरीफ फसल के दौरान सात जिलों होगा सर्वे

कुछ समय बाद खरीफ फसल का सीजन आने वाला है। सरकार की ओर से खरीफ फसल के दौरान सात नए जिलों को डिजिटल क्रॉप सर्वे योजना से जोड़ा जाना है। इस वित्तीय वर्ष में सर्वे में शामिल होने वाले जिलों में पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा, बोकारो, धनबाद, दुमका साहिबगंज और लोहरदगा का नाम है। इस वित्तीय वर्ष में कुल 65 लाख प्लाट के डिजिटल क्रॉप सर्वे किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद पूरे राज्य में इसी तरह का सर्वे किया जायेगा।

असामाजिक तत्वों ने दुकानों को किया आग के हवाले

डीसी और एसपी मौके पर पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। सरायकेला- खरसावां जिला के नीमडीह थाना अंतर्गत झिमड़ी गांव में शनिवार देर शाम असामाजिक तत्वों ने दो-तीन दुकानों को आग के हवाले कर दिया। जिसके बाद क्षेत्र का माहौल बिगड़ गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन लोगों का आक्रोश इस कदर हावी था। उन्होंने पुलिस प्रशासन के साथ भी धक्का-मुक्की शुरू कर दी। जिसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। इस दौरान शरारती तत्वों द्वारा किये गये पत्थरबाजी में पुलिस के वाहन क्षतिग्रस्त होगया। कुछ जवानों को भी हल्की चोट आया। इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसी रविशंकर शुक्ला और एसपी मुकेश कुमार लुणायत भी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों से शांति बहाल करने की अपील की। डीसी रविशंकर शुक्ला ने बताया स्थिति पूरी तरह से नियंत्रित है। अफवाह फैलाने वालों से सख्ती से निपटा जायेगा। दोषियों को चिन्हित किया जा रहा है।वहीं एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया असामाजिक तत्वों को चिन्हित की जारही है। जो भी दोषी होंगे उन्हें बख्शा नहीं जायेगा। पूरे इलाके में पुलिस गश्ती बढ़ा दी गई है। अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गयी है। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा हैं।

भाजपा के जनसंघ काल के सक्रिय कार्यकर्ता का निधन, सांसद सहित अन्य ने जताया शोक

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड के कुल्ही निवासी भाजपा के जनसंघ काल के कार्यकर्ता और वर्तमान में बूथ नंबर 22 के अध्यक्ष राजेंद्र महतो का निधन हो गया। निधन की खबर सुनकर राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, पूर्व सांसद राम

टहल चौधरी, अमर नाथ चौधरी, रणधीर चौधरी, बिरजू महतो, मानकी राजेंद्र शाही, जय प्रकाश महतो, शशि मेहता आदि ने दुःख व्यक्त किया है।कहा कि इनके जैसे कार्यकर्ता का निधन पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है।

लो वोल्टेज की समस्या से बेड़ोवासी परेशान

बेड़ो फीडर से कई फीडर को एक साथ जोड़ने से उत्पन्न हुई है लो वोल्टेज की समस्या उत्पन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

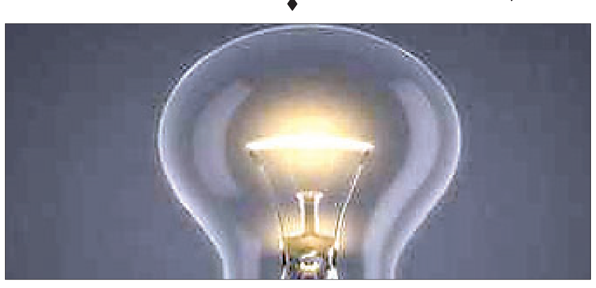

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय सहित क्षेत्र के गांवों मेंइन दिनों लो-वोल्टेज की समस्या से उपभोक्ता बेहद परेशान हैं। कम वोल्टेज के कारण घरों में चलने वाले पंखा, कूलर और मोटर पंप आदि जल जा रहे हैं। खेतों में लगे मोटर पंप कम वोल्टेज के कारण सिंचाईं कार्य में इस्तेमाल नहीं हो पा रहे हैं। घरों में लगे मोटर पंप एवं समर सेबल भी काम नहीं कर रहे हैं। जिस कारण पानी घरों की टंकी में भी नहीं चढ़ पा रहे हैं। इस कारण पेयजलापूर्ति भी बाधित है। इसका सीधा असर सैकड़ों परिवारों पर पड़ रहा है। बूंद-बूंद पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। कई परिवार रात में जग कर वोल्टेज ठीक होने का इंतजार करते हैं। लो वोल्टेज के कारण पंखा-कूलर नहीं चल पा रहे, जिस कारण इस भीषण गर्मी में लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। घरेलु उद्योग धंधे खासकर कुटीर उद्योग ठप्प पड़ गए हैं। लोगों ने कहा कि ऐसी विकट परिस्थिति कभी नहीं आयी थी। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत विभाग की ओर से पूर्व में बेड़ो शहरी क्षेत्र का फीडर को सिंगल फीडर बनाया था। तब वोल्टेज भी अच्छी थी और विद्युत आपूर्ति भी बिलकुल दुरुस्त थी। ग्रामीणों ने बताया कि बेड़ो का फीडर पहले बिल्कुल अलग था जिस कारण लो वोल्टेज की समस्याएं नहीं थी। लेकिन बेड़ो फीडर का इतना विस्तार हो गया कि अच्छे वोल्टेज और नियमित विद्युत आपूर्ति के लिए लोग तरस रहे हैं। बेड़ो फीडर के साथ पिछले कई महीनों से जरिया, मासू, मुडामू सहित कई गांवों से जोड़ दिया गया है, जिस कारण बेड़ो फीडर में लोड बढ़ने से लो वोल्टेज की समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि बेड़ो विद्युत सब स्टेशन के कर्मियों ने बिजली का बंदर बांट कर दिया है। जिस कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुईं हैं। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक शहरी क्षेत्र के फीडर को अलग नहीं किया जाएगा तब तक समस्या जस की तस बनी रहेगी। बेड़ो के ग्रामीणों ने चेताते हुए कहा कि विद्युत विभाग तुरंत बेड़ो शहरी क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करें अन्यथा बड़ा आंदोलन किया जाएगा। स्थिति अगर नहीं सुधरेंगी तो विद्युत सब स्टेशन का घेराव किया जाएगा और सब स्टेशन में अनिश्चितकालीन तालाबंदी की जाएगी। जिसकी जिम्मेवारी विभागीय पदाधिकारियों की होगी। उधर बेड़ो सब स्टेशन में लाइनमैन के रूप कार्यरत रूस्तम अंसारी ने स्वीकार किया कि यहां लो वोल्टेज से लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि बेड़ो की समस्याओं से एसडीओ अवगत हैं। जल्द समस्या का समाधान किया जाएगा।

अवैध बालू लदा हाइवा-टर्बो जब्त

रातू (आजाद सिपाही)। पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ छापामारी कर रातू-सिमलिया रिंग रोड व रांची- लोहरदगा मार्ग से बालू लदा एक हाईवा और एक बिना नंबर के टर्बो वाहन को जब्त किया है। साथ ही दोनों वाहनों के चालको से पूछताछ एवं बालू से संबंधित कागजात दिखाने को कहा। पर चालक कागजात दिखाने में असमर्थ रहे। इसके बाद पुलिस मे दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले आई है। जब्त हाईवा अगडू निवासी दिलीप महतो, जबकि टर्बो दलादिली निवासी रंजन कुमार की बताई जा रही है।

पहलगाम में निहत्थे पर्यटकों पर हमला मानवता पर सीधा प्रहार : संजीत सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कूटनीतिक स्तर पर स्ट्राइक कर दी है। शनिवार को टाटीसिलवे के लालगंज महुआ टोली निवासी सह पूर्व सैनिक संजीत सिंह ने आजाद सिपाही से बातचीत में कहा कि निहत्थे पर्यटकों पर आतंकियों द्वारा किया गया यह कायरतापूर्ण

हमला मानवता पर सीधा प्रहार है। उन्होंने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की। संजीत सिंह ने पीड़ितों और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए अब निर्णायक कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस हमले के बाद अवश्य ही कोई बड़ी और सख्त कार्रवाई करेंगे, ताकि भविष्य में ऐसे कृत्य दोहराए ना जा सके।

आतंकी हमले में मारे गये लोगों को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में विगत 22 अप्रैल को आतंकी हमले में मारे गये लोगों को शनिवार को एकल अभियान संच के आचार्यों एवं बेड़ों संच समिति के सदस्यों ने महादानी मंदिर परिसर में सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही सभी ने एक स्वर में आतंकी हमले का कड़ा विरोध और निंदा किया। वक्ताओं ने कहा कि उनके परिवार वालों को भगवान दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। वहीं, संच समिति की ओर से सभी गांव के विद्यालयों में इस तरह का आयोजन करने का संकल्प लिया गया। मौके पर संच अध्यक्ष रमेश प्रसाद गुप्ता, मुकेश कुमार राय और संच प्रमुख सुषमा देवी आदि मौजूद थे।

रातू के जाड़ी में काला बिल्ला लगा कर किया गया विरोध

रातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के जाड़ी गांव में वक्फ संशोधन एक्ट 2025 के खिलाफ लोगों ने हाथों में काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही पूरे गांव में घूमकर वक्फ संसोधन कानून को वापस लेने की मांग की। सभी ने मिलकर एक साथ आवाज उठाई और इसे वापस लेने की मांग की।

भाजपा नेता के पिता का निधन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। साल्हन गांव निवासी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के ग्रामीण ज़िला उपाध्यक्ष सिकंदर अंसारी के पिता कासिम अंसारी का शनिवार की रात आकस्मिक निधन हो गया। वे 82 वर्ष के थे और कुछ समय से बीमार चल रहे थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ कर गए हैं। उनके निधन पर केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा, आदित्य साहू, जिप सदस्य अनुराधा मुंडा, राजेंद्र शाही मुंडा, सुरेन्द्र महतो, जैलेंद्र कुमार, डॉ अमर कुमार चौधरी, डॉ रिझू नायक, मनोज कुमार चौधरी, शिवलाल महतो, शिबू मुंडा, अजय महतो, सुनील महतो, नरेश साहू, जगेश्वर महतो, रामसाय मुंडा, बरतु मुंडा, राजेंद्र महतो, जलनाथ चौधरी, वीरेंद्र सिंह भोगता, रितु महतो, रामनाथ महतो, संजय नायक आदि ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त किया है। रविवार की दोपहर साल्हन कब्रिस्तान में उनके जनाजे को सुपुर्द ए खाक किया जाएगा।

रातू में विश्व मलेरिया दिवस पर निकाली गयी जागरूकता रैली

रातू (आजाद सिपाही)। विश्व मलेरिया दिवस पर शुक्रवार को रातू सीएचसी की ओर से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से किया गया। रैली में शामिल चिकित्सक एवं स्वस्थ्य कर्मी ने नारा लगाते हुए लोगों को मलेरिया रोग से बचाव और उपचार के बारे में जागरूक किया। वहीं, सीएचसी में इलाज कराने आये मरीजो को मलेरिया से बचने को लेकर जागरूक करने के साथ ही रोग की जांच एवं निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा रांची जिले में आयोजित बैठक में सामुदायिक स्वा केंद्र रातू को शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए रांची सिविल सर्जन की ओर से प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुजीत कश्यप, डॉ पुरुषोत्म, डॉ मधुरिमा, डॉ सौम्या, अमित कुमार, प्रभात रंजन, राजीव, रंजन, संजय, संधीर, प्रवीण, विद्या सागर और अजीत आदि उपस्थित थे।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में बेड़ो बंद आज

मशाल जुलूस निकाल कर आतंकियों-पाकिस्तान का पुतला फूंका

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में विगत 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों की जाति-धर्म पूछकर किये गये हत्या के खिलाफ प्रखंड के सभी धर्म, जाति, वर्गों में आक्रोश है। विश्व हिंदू परिषद एवं सभी धार्मिक संगठनों ने आतंकी हमले के विरोध में रविवार को बेड़ो प्रखंड मुख्यालय को बंद रखने का आह्वान किया है। इस दौरान आवश्यक सेवा को मुक्त रखने की बात कही गई है। जबकि अन्य सभी दुकानदारों, फुटपाथ दुकानदारो, बस संचालकों, ट्रक संचालकों, सिटी एवं ऑटो संचालकों से सहयोग की अपील की है। दूसरी ओर, शनिवार की शाम कारगिल चौक से देवी मंडप चौक, बाजार टांड़ होते हुए महावीर चौक तक हाथों में तख्तियां लेकर मशाल जुलूस निकाला गया। इसमें शामिल विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के युवाओं ने आतंकवादियों और पाकिस्तान का पुतला दहन किया। इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष शशि गोप ने कहा कि जिस तरह हिंदुओं को चुन-चुन कर आतंकवादियों द्वारा मारा जा रहा है, इसका एक-एक कर हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने पहलगाम के आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही पहलगाम की घटना के विरोध में रविवार को बेड़ो बंद का आह्वान किया है। जुलूस में शशी टाईगर, मनोज कुमार साहू, सत्यनारायण साहू, सुरजित भगत, ज्वाला सिंह, विकास सोनी, प्रेम महतो, अभिषेक साहू, पंकज महली, बुधू, जट्टु महली, रमेश गुप्ता, छेदी, रोहन सिंह, गोयंदा, सूरज, राम बड़ाईक, मुकेश राय, वाणी राय, रवि सिंह, बुधवा भगत, कैलाश महतो, शाधन, सौमित्र, सुनिल गोप, रंजन साहू, मनोज सिंह, विकास सिंह और सूर्या आदि शामिल रहे। दूसरी ओर, रविवार को बेड़ो प्रखंड के तुको में भी सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक तुको बंद का आह्वान किया गया है। जिसे लेकर शनिवार की शाम में तुको दुर्गा मंदिर परिसर से मशाल जुलूस निकाला गया। लोगों ने सभी दुकानदार एवं ग्राम वासियों से बंद में सहयोग की अपील की है।

सड़क हादसे में तीन युवक घायल

बेड़ो (आजाद सिपाही)। नरकोपी थाना क्षेत्र के पहाड़ कंडरिया मोड़ के समीप शनिवार की दोपहर 1.30 बजे वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पहचान रंजीत उरांव (20) राजेश मुंडा (25) और बबलू उरांव (26) के रूप में हुई है। तीनों नरकोपी थाना क्षेत्र के चपाडीह गांव के रहने वाले हैं और चट्टी बाजार से अपने घर जा रहे थे। उधर, घायलों को आसपास के ग्रामीणों ने बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉ राजीव रंजन ने तीनों घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल रंजीत उरांव को बेहतर इलाज के लिए रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया।

दुर्घटना में पारा शिक्षक गंभीर रूप से घायल

इटकी (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय राजमार्ग 23 के इटकी मोड़ के निकट रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर शुक्रवार की रात करीब आठ बजे सड़क दुर्घटना में पारा शिक्षक सुमें कच्छप (45) गंभीर रूप से घायल हो गये। ग्रामीणों और दुकानदारों की मदद से इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां स्थिति गंभीर बतायी जा रही है। शिक्षक सोमे कच्छप हरही डुमर टोली के रहने वाले हैं। बताया जा रहा कि सुमें कच्छप अपनी बाइक से रांची से अपने घर हरही डुमर टोली जा रहे थे। इसी बीच अपना संतुलन खो बैठे और डिवाईडर से टकरा कर सड़क के बिचोबीच गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये।

उपायुक्त ने पेयजल और स्वच्छता विभाग के अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक की

सिर्फ कागज पर योजना नहीं बनायें, धरातल पर कार्य करें अभियंता, वरना होगी कार्रवाई : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। किसी भी जलमीनार के खराब होने की सूचना प्राप्त होने पर सहायक एवं कनीय अभियंता यथाशीघ्र उसे ठीक करना सुनिश्चित करेंगें। जिससे कि गर्मी के मौसम में आम ग्रामीणों को पेयजल के लिए कठिनायी का सामना नहीं करना पड़े । ये निर्देश उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने शनिवार को समाहरणालय सभागार में पेयजल और स्वच्छता विभाग के साथ अयोजित कार्य समीक्षा बैठक में दी। बैठक में उपायुक्त ने पूर्व में दिये गये निदेशों के अनुपालन की समीक्षा की। उन्होने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी सहायक अभियंता और कनीय अभियंता योजनाओं का निरंतर देख-रेख करना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान उन्होंने सभी सहायक अभियंता/कनीय अभियंता को सख्ती से निर्देश दिया कि अपने दायित्व का निर्वहन सही तरीके से करें। सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं करें। उन्होंने कहा कि ससमय रिपोर्ट नहीं देने पर उनके विरुद्ध सख़्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी सहायक अभियंता/कनीय अभियंता को निर्देश दिया कि रविवार के दिन अपने अपने क्षेत्र में विजिट करें और वहां जलमीनार, हैंडपंप एवं बोरवेल की स्थिति की जांच करें। उपायुक्त ने पेयजल और स्वच्छता विभाग द्वारा जारी टॉल फ्री नंबर पर आ रहे शिकायतों पर रिस्पांस देने की बात कही। उन्होंने कहा गर्मी का मौसम है, आमजन अपनी समस्या हेतु टॉल फ्री नंबर पर कॉल करते हैं तो उसका समाधान भी ससमय किया जाए। टॉल फ्री नंबर पर ससमय रिस्पॉन्स नहीं करने पर कार्रवाई के निर्देश दिये गये। इस बैठक में कार्यपालक अभियंता पेयजल, स्वच्छता प्रमंडल, संबंधित पदाधिकारी और कार्यालय के कर्मीगण उपस्थित थे।

थाना ने केस लेने से किया इनकार, पीड़िता ने की आत्महत्या की कोशिश

सिसई (आजाद सिपाही)। गुमला जिले के सिसई थाना की पुलिस ने दुष्कर्म पीड़िता का केस लेने से इंकार कार दिया है। यहां तक की पीड़िता को थाना बार बार नहीं आने के लिए कह दिया। इससे आहत हो कार पीड़िता ने अपने हांथ का नस काट कार आत्महत्या का प्रयास किया। परंतु परिवार के लोगो ने उसका हिम्मत बंधया तो यह न्याय के लिए गुमला एसपी का दरवाजा खटखटाइ। फिर उन्होंने ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कराया। जिस समय लड़की के साथ दुष्कर्म हुआ था। उस समय उसकी उम्र 17वर्ष थी और वह गर्भवती भी हुई थी। अभी उसका उम्र 18 वर्ष हो गया है। पीड़िता ने कहा है की जब तक उसे न्याय नहीं मिलता वह अपनी लड़ाई खुद लड़ेगी। जब तक दुष्कर्म के आरोपी पर केस नहीं होता है और पुलिसिया कार्रवाई नहीं होती है वह चुप नहीं रहेगी।

कोंडरा सीधाटोली में धूमधाम से मना प्रकृति पर्व सरहुल

आजाद सिपाही संवाददाता

रायडीह। रायडीह कोंडरा पचांयत में शनिवार को सरहुल पर्व धूम धाम से मनाया गया। उराव आदिवासी सरहुल पर्व को गुमला के बारहो जाति छत्तीसों कौम के साथ मिल जुल कर मनाते हैं। कोंडरा के सीधाटोली में गाँव के फूलचंद पुजार चुडू बैगा के द्वारा सरना स्थल में पूजा पाठ किया गया, जिसके बाद पुरे पंचायत के 28 गांव के लोग गाजा-बाजा गीत संगीत वेश भूषा और अपने खोड़हा मंडली के साथ नाचते गाते झूमते सीधाटोली से कोंडरा चौक तक गये और वापस उसी पूजा स्थल के पास आकर सरहुल शोभायात्रा देर शाम को संपन्न हुआ। महोत्सव मेंआए हुए अतिथियों का स्वागत बैच पहना कर और आदिवासी अंग वस्त्र प्रदान कर किया गया। कोंडरा पंचायत के मुखिया लंकेश्वर चीक बड़ाइक ने अपने भाषण में सभी का स्वागत किया और सबको शुभकामनाएं दी। मूली पड़हा के देवान चुंइया कुजूर ने कहा कि नाच गान गाजा बाजा वेश भूषा नेग नेकचार हमारी परंपराएं हमारी पहचान है इसे बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। हमें अपने अधिकारों को जानना होगा और वक्त के साथ लड़ना होगा। खड़िया समाज के अगुवा बिशु सोरेंग ने कहा कि हमारे पूर्वज कहां करते थे जो नाचेगा सो बचेगा सरहुल पर्व प्रकृति को पूजने के साथ उनके संरक्षण संवर्धन का त्यौहार है। मौके पर पूर्व प्रमुख यशोदा उरांव, पूर्व मुखिया कमला देवी, चंद्रनाथ उराव, समिति के संरक्षक रंजन राम भगत, राजेश उरांव, जय प्रताप राम, अध्यक्ष सोमरा खड़िया, सचिव जयराम भगत, उप सचिव कामिल खड़िया, कोषाध्यक्ष सुखदेव उराव, उपाध्यक्ष सुखराम खड़िया,दामोदर खड़िया सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने किया सम्मेलन एकजुटता और संघर्ष का लिया संकल्प

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर। आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ जिला गुमला का सम्मेलन करौंदी बगीचा में आयोजित किया गया, जिसमें जिला अध्यक्ष ममता गुप्ता की अध्यक्षता में और प्रभारी रामचंद्र गोप, प्रदेश अध्यक्ष रीमा देवी, पूर्व अध्यक्ष फुलमती देवी की उपस्थिति में सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में संगठनात्मक मुद्दों, केंद्र सरकार से वार्ता, मानदेय बढ़ोतरी के लिए आंदोलन की रणनीति, और भविष्य निधि एवं पेंशन के बारे में चर्चा की गयी। प्रभारी रामचंद्र गोप ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ राष्ट्र हित में काम करता है और आंगनबाड़ी कर्मचारियों के लिए अनेक लड़ाइयां लड़ी हैं और आगे भी लड़ता रहेगा। प्रभारी रामचंद्र गोप ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 28 लोगों की हत्या की गयी थी। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ सरकार के साथ है और हत्यारों को कठोर सजा दिलाने के लिए काम करेगा। प्रदेश अध्यक्ष रीमा देवी ने कहा कि सभी एकजुट रहें और संगठन अच्छा काम कर रहा है। पूर्व अध्यक्ष फुलमती देवी ने कहा कि बहुत संघर्ष के बाद आज कुछ मानदेय बढ़ा है, आगे बहुत कुछ करना है, इसलिए संगठित रहें। प्रभारी रामचंद्र गोप और प्रदेश अध्यक्ष रीमा देवी ने संगठन की एकजुटता और संघर्ष के प्रति संकल्प व्यक्त किया। बैठक में मुख्य रूप से सभी प्रखंड अध्यक्ष, जिला मंत्री तारा देवी, और काफी संख्या में सेविकाएं और सहायिकाएं सहित श्रीमती मारग्रेट डहंगा, सुभद्रा देवी, सुनिता मिंज, रजिया बेगम, तारा देवी, सत्यभा देवी, मंजुलता कुजुर, अनिता देवी, नोरबेरत एक्का आदि काफी संख्या में उपस्थित थीं।

प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन ने सदर अस्पताल में रिम्स की तरह सुविधा देने की रखी मांग

आजाद सिपाही संवाददात

गुमला। झारखंड प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन की अध्यक्ष देवकी देवी ने शनिवार को सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में पाया की पर्ची काउंटर में काफी लंबी लाइन लगी रहती है कई घंटे खड़े होने के बाद पर्ची मिलता है।

जिसके बाद डॉक्टर के पास भी लंबी लाइन में अपनी पारी का इंतजार करना पड़ता है। देवकी देवी ने सदर अस्पताल में डॉक्टर की कमी दूर करने की भी प्रशासन से मांग की है। सदर अस्पताल में सभी बीमारी का डॉक्टर नहीं होने की वजह से गंभीर रूप से घायल और बीमार मरीजों को रिम्स रेफर कर दिया जाता है। रिम्स ले जाने के क्रम में मरीज की रास्ते में ही मौत हो जाती है। देवकी देवी ने रिम्स की तर्ज पर सदर अस्पताल में डॉक्टर मशीन और अन्य सुविधाओं की मांग की है। व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर आंदोलन की बात कही।

गुमला चेंबर के प्रतिनिधिमंडल ने की सिविल सर्जन से मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश सिंह की अध्यक्षता में चेंबर का एक प्रतिनिधि मंडल गुमला के सिविल सर्जन नवल कुमार से उनके कार्यालय में मिला। जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी इम्तेयाज मिनी ने बताया कि सर्वप्रथम उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल ने सभी पदाधिकारी का परिचय कराया तत्पश्चात अध्यक्ष राजेश सिंह ने गुमला के अस्पताल और स्वास्थ्य संबंधी कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की और अध्यक्ष ने अपनी तरफ से कुछ मांगे रखी। गुमला अस्पताल में अभी 100 बेडों का है इसकी क्षमता बढ़ाकर 300 बेड की करनी चाहिए। गुमला की जनसंख्या को देखते हुए गुमला नगर में और गुमला के सभी प्रखंड के स्वास्थ्य केंद्रों में भी डॉक्टरों की संख्या बढ़ानी चाहिए इस संदर्भ में विभाग के पदाधिकारी की तरफ से सकारात्मक संकेत दिए गये और संबंधित मंत्रालय के सचिव को शीघ्र पत्राचार करने पर सहमति बनी, इसके अलावा सिविल सर्जन ने बताया कि गुमला के पुराने समाहरणालय में नये स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया जायेगा। गुमला अस्पताल में एमआरआइ मशीन की व्यवस्था बहुत जल्द कर दी जायेगी और आने वाले दोनों में आवश्यकता अनुसार स्वास्थ्य संबंधी हर तरह की सुविधा की व्यवस्था की जायेगी। मौके पर अध्यक्ष राजेश सिंह के साथ उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल राजेश लोहानी सचिव बबलू वर्मा कोषाध्यक्ष अमित गोलू, पी आर ओ प्रतीक अग्रवाल, आदित्य गुप्ता आदि उपस्थित थे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 'एक देश एक चुनाव' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा स्थानीय महिला महाविद्यालय में 'एक देश एक चुनाव' विषय पर शनिवार दिन के दो बजे संगोष्ठी आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संदीप प्रसाद ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष ने विषय प्रवेश कराते हुए किया और कहा की आज की मांग है की देश मे एक देश एक चुनाव कानून लागू हो। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष अमन यादव ने कहा एक देश एक चुनाव के कानून लागू हो जाने से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और अनावश्यक होने वाले खर्च और परेशानियों से आम जनों को भी निजात मिलेगी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र सिंह ने कहा एक देश एक चुनाव यह पहली बार मांग नहीं किया जा रहा है आजादी के बाद 1962 तक यह होता आया था, लेकिन जिस भी कारणों से यह कानून आज के दिन में लागू नहीं है जिसे पुनः लागू कर देश हित में एक मजबूत कदम उठाने की आवश्यकता है। बैठक को युवा मोर्चा के जिला महामंत्री और गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश सिंह युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष रविंद्र सिंह और भाजपा जिला महामंत्री यशवंत सिंह ने भी संबोधित किया। सभी वक्ताओं के संबोधन के बाद सभागार में उपस्थित सभी छात्राएं और उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि यह कानून देश में लागू होना चाहिए। मौके पर विकास कुमार सिंह, पायल तिवारी,सावित्री मेहता, रेखा गुप्ता, मीना, देवी कुलदीप साहू, जय साहू, कौशलेंद्र जमुवार, प्राचार्य नीलम जायसवाल, हरी शंकर त्रिपाठी, ममता, सुषमा, शंभू नायक सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

विवेकानंद पब्लिक स्कूल बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता

सफल विद्यार्थियों को मैनेजर ने साइकिल, सोलर लाइट और बैग दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक शाखा आदर के द्वारा विवेकानंद पब्लिक स्कूल आदर के बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को किया गया। इस दौरान बच्चों के बीच कई तरह के प्रश्न पूछे गये सफल विद्यार्थियों को मैनेजर पुनीत प्रकाश के द्वारा साइकिल, सोलर लाइट और बैग पुरस्कार के तौर पर दिया गया। इस दौरान मैनेजर ने कहा विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ शिक्षक भी काफी मेहनती हैं जिस तरह से क्विज प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई निश्चित तौर पर बच्चे आगे चलकर बेहतर करेंगे और विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। इस मौके पर मुख्य रूप से मैनेजर पुनीत प्रकाश, विद्यालय के निदेशक राजेश महतो, फॉरेस्टर शेखर सिंह, लक्ष्मण महतो, सुखु टोपनो, अंजली कुमारी, उषा कुमारी और कविता कुमारी सहित कई लोग मौजूद थे। 13

बाइक सवार शिक्षक को वाहन ने कुचला, हुई मौत

रायडीह (आजाद सिपाही)। रायडीह थाना क्षेत्र के सिलम बाईपास के समीप एक अज्ञात वाहन ने गोकुल नगर गुमला निवासी शिक्षक दीनानाथ केसरी को टक्कर मार दिया। घटना में दीनानाथ का दोनों पर कुचलकर क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना पर रायडीह थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह घटना स्थल पहुंचे और घायल को अपने वाहन से सदर अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज कर उसे रिम्स रेफर कर दिया था। घायल की स्थिति चिंताजनक बनी हुई थी, लेकिन इसी बीच इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक शिक्षक गुमला से रायडीह की ओर जा रहे थे। वहीं गुमला थाना की पुलिस अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई में जूट गयी है। मृतक शिक्षक की पत्नी नीलम देवी ने बताया मेरे पति प्रतिदिन की तरह आज भी तैयार होकर रायडीह के सुगा कांटा स्कूल जा रहे थे तभी यह घटना घटी।

वाहन पर लदे चार गोवंशीय पशु जब्त, दो युवक गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रायडीह। रायडीह थाना क्षेत्र के भलमंडा गांव के समीप पुलिस ने बोलेरो में लाद कर वध करने के लिए तस्करी कर ले जा रहे अवैध चार गोवंशीय पशु को रायडीह थाना की पुलिस ने धर दबोचा। पशु तस्कर मो मनसूर अंसारी और तसुवर अंसारी रहमत नगर लकेया थाना सिसई निवासी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए शुक्रवार की अपराह्न चार बजे दोनों को जेल भेज दिया। थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार की सुबह लगभग साढ़े आठ बजे थाना गेट के पास वाहन चेकिंग चल रहा था।

छत्तीसगढ़ की ओर से तेज रफ्तार बोलेरो वाहन को रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन वाहन पुलिस को चकमा देते हुए भागने का प्रयास किया। बोलेरो में गोवंशीय पशु लदा था। पुलिस ने वाहन का पीछा किया भलमंडा के समीप ग्रामीणों ने बोलेरो को पकड़ लिया। वही दोनों तस्करों के के साथ मारपीट की और पुलिस को सौंप दिया। वही पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। वाहन में चार पशु लदा था। पूछने पर पशु तस्कर मो मनसूर अंसारी और तसुवर अंसारी ने बताया कि वे लोग अवैध तरीके से पशुओं को बूचड़खाना ले जा रहे थे। दोनों पशु तस्कर और बोलेरो वाहन के खिलाफ रायडीह थाना में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। बोलेरो वाहन को जब्त किया गया और तीन पशुओं को जिम्मेनामा पर ग्रामीण किसानों के बीच वितरित किया गया और एक घायल मवेशी का इलाज कराया गया है।

आंदोलनकारियों के भय से भागे विधायक भूषण तिर्की: आदिवासी मोर्चा

रविशंकर त्रिपाठी

गुमला (आजाद सिपाही)। स्थानीय विधायक भूषण तिर्की के आवास के समक्ष धरना-प्रदर्शन, घेराव करने गये आंदोलनकारियों के भय से विधायक आवास छोड़ कर भाग गये। यह आरोप लगाया है कि आदिवासी संघर्ष मोर्चा और जमीन बचाओ संघर्ष समिति, गुमला के कार्यकर्ताओं ने उन्होने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ग्रामीणों के सवालों का कोई उत्तर विधायक के पास नहीं था। इस लिए ग्रामीणों से मिलने के भय से विधायक घर से फरार हो गये। आदिवासी संघर्ष मोर्चा और जमीन बचाओ संघर्ष समिति गुमला-जिला इकाई के लोथे उरांव, बिजू उरांव, आदिवासी संघर्ष मोर्चा के राज्य संयोजक-जगरनाथ उरांव, मरियम, फूलमनी देवी, पियूष उरांव, एलेश्वर उरांव, बहुरन उरांव, नवल उरांव, मनबहाल मिंज, बिरसो मिंज, बरतीला बाखला फैदल उरांव, अन्य दर्जनों महिला-पुरुष के नेतृत्व में यह आवास घेराव कार्यक्रम का अयोजन किया गया था। विधायक भूषण तिर्की के निवास स्थान गुमला में गुमला और रायडीह प्रखण्डों के ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्या को लेकर सर्किट हाऊस से रैली निकाली गयी। जो गुमला शहर में तीन किलोमीटर तक झंडा-बैनर लेकर, नारा लगाते हुए रैली-प्रदर्शन के माध्यम से विधायक भूषण तिर्की आवास पहुंचकर ग्रामीणों की यह रैली को धरना में बदल गयी। धरना की शुरूआत काश्मीर के पहलगाम में हुए 28 शहीदों के प्रति दो मिनट के मौन श्रद्धांजलि से की गयी। धरना में सभी नेताओं ने अपने अपने विचार रखे। प्रतिनिधिमंडल द्वारा मांग पत्र लेने के लिए नहीं तो विधायक आये और नहीं किसी प्रतिनिधी को नियुक्त किया। ग्रामीणों के दबाव में बाद में ग्रामीणों का मांग पत्र लेने के लिए उनके पीए आये और मांग पत्र लिया। जिसमें गुमला जिला के ग्रामीण गरीब, आदिवासी, किसानों की जनसमस्याओं पर विधानसभा सदन में बहस रखने के संबंध में कह रहे थे कि हमारा प्रतिनिधि हैं। वोट लेने के समय घर-घर जाकर भीख मांग रहे थे और जब ग्रामीण इनके आवास में आए तो वे मिलने के बजाय फरार हो गये। बताते चलें कि गुमला जिला के रायडीह और गुमला प्रखंड के 19 गांवों के हजारों आदिवासी किसानों की जमीनों का डायवर्ट 43 एनएच भारत माला रोड़ निर्माण के नाम पर अधिग्रहण किया जा रहा है जिसके विरोध में यहां के किसान दो सालों से संघर्ष कर रहे है। पिछले दिनों जिला उपायुक्त को भी धरना-प्रदर्शन के माध्यम से ज्ञापन सुपुर्द करने उनके आवास आये थे लेकिन वे भी भाग गये या दुबक गये थे। उपस्थित ग्रामीणों ने विधायक से आग्रह किया कि यहां के सवालों को लेकर विधानसभा में बात रखे। उन्होने कहा कि यदि इसे हल करने का कोई प्रयास नही किया गया तो आदिवासी संघर्ष मोर्चा और जमीन बचाओ संघर्ष समिति द्वारा प्रतिनिधि वापसी की मांग को लेकर आंदोलन तेज किया जायेगा।

महात्मा गांधी पुस्तकालय में विधि व्यवस्था को लेकर प्रबंधन समिति ने की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। महात्मा गांधी पुस्तकालय में विधि व्यवस्था को लेकर प्रबंधन समिति ने बैठक आयोजित किया। बैठक में मुख्य रूप से बीडीओ दिनेश कुमार मौजूद रहे। पुस्तकालय में पढ़ने वाले बच्चों ने समय पर पुस्तकालय नहीं खोलने साथ ही कुछ किताब संबंधित मामलों को लेकर बीडीओ को लिखित आवेदन दिया था। जिस पर पहल करते हुए बीडीओ ने समय से पुस्तकालय खोलने वह किताब की व्यवस्था को सुचारू कराया। इसके साथ ही बैठक में बच्चों ने बीडीओ और प्रबंधन के समक्ष पुस्तकालय में वाईफाई सुविधा नहीं मिलने, वाटर प्यूरीफायर खराब होने की शिकायत किया और कुछ किताबों की मांग की गयी। जिस पर बीडीओ दिनेश कुमार ने कहा कि सभी चीजों को उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया जायेगा। जल्द ही अन्य समस्या का समाधान किया जायेगा। मौके पर बीडीओ दिनेश कुमार ने बच्चों को मोटिवेट किया कि वह पढ़ाई में कैसे तैयारी करें ताकि वह सफल हो। इसके साथ ही अनुशासन में रहकर शिक्षा ग्रहण करने की बात कही। साथ ही प्रबंधन के सदस्यों को बैठक में अधिक उपस्थिति होने की बात कही। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप अपने बच्चे को पुस्तकालय भेजें ताकि बच्चा नौकरी के क्षेत्र में तैयारी कर सके। मौके पर प्रबंधन के अध्यक्ष अगस्टिन महेश कुजूर, विपिन बिहारी सिंह, आशीष कुमार सोनी, संजय सिंह, संजय पांडे राजकुमार सहित कई छात्र उपस्थित थे।

धनबाद में अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिकों को दिया गया इ-फाइलिंग का प्रशिक्षण

अब घर बैठे कर सकेंगे केस फाइलिंग जान सकेंगे अपने मुकदमों की स्थिति

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद सिविल कोर्ट में आयोजित ई कोर्टस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश पारस कुमार सिन्हा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला एवं अन्य।

धनबाद। ई-कोर्ट्स भारत में न्यायिक प्रक्रिया को डिजिटलीकरण और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की एक पहल है। यह परियोजना ई-गवर्नेंस के तहत न्यायपालिका में पारदर्शिता, दक्षता और तेजी लाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की ओर से वर्ष 2007 में शुरू की गई है। इसके तहत न्यायालयों में ई-फाइलिंग, ऑनलाइन केस ट्रैकिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और डिजिटल दस्तावेज प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उक्त बातें धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने कही। वे शनिवार को धनबाद सिविल कोर्ट में आयोजित ई कोर्टस ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान संबोधित कर रहे थे। इसके पहले कार्यक्रम का उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश पारस कुमार सिन्हा, केके शुक्ला, दुर्गेश चंद्र अवस्थी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो और रजिस्ट्रार आइजेड खान ने किया। अधिवक्ता एवं लिपिकों को संबोधित करते हुए मास्टर ट्रेनर धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश स्वयंभू ने ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि ई कोर्ट सेवा का उद्देश्य लंबित मामलों को कम करने और न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना, नागरिकों की पहुंच आसान बनाना, लोगों को घर बैठे अपने केस की स्थिति जानने, आदेश डाउनलोड करने और डिजिटल माध्यम से सुनवाई में भाग लेने की सुविधा, पारदर्शी और जवाबदेही तरीके से प्रदान करना है।

इ-कोर्ट से क्या-क्या मिलेंगी सुविधाएं

अवर न्यायाधीश सह डालसा सचिव मयंक तुसार टोपनो ने कहा कि मास्टर ट्रेनर डीएसए अतुल वर्मा, दीप नारायण एवं जय केसरी ने लोगों को प्रशिक्षण देते हुए बताया कि केस इंफॉर्मेशन सिस्टम (सीआईएस) न्यायालयों में मामलों के रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से प्रबंधित करने, नेशनल जुडिशियल डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) न्यायपालिका में पारदर्शिता लाने के लिए केस डेटा का एक केंद्रीय डेटाबेस तैयार करना है। साथ ही ई-फाइलिंग वकीलों और पक्षकारों के लिए ऑनलाइन याचिका दायर करने की सुविधा प्रदान करेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) सुनवाई जेलों, पुलिस स्टेशनों और दूरस्थ स्थानों से न्यायालय में पेशी कराने और ऑनलाइन केस ट्रैकिंग और आदेश डाउनलोड करने में भी सहायक होगा।

पत्रकारों पर हमले के दोषियों पर प्रशासनित स्तर पर होगी कार्रवाई

एडीएम ने पत्रकारों के साथ की वार्ता, दिया आश्वासन

धनबाद प्रेस क्लब में पदाधिकारियों के साथ बैठक करते एडीएम (कानून व्यवस्था) पीयूष सिन्हा।

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। डीसी माधवी मिश्रा के निर्देश पर एडीएम (कानून व्यवस्था) पीयूष सिन्हा ने शनिवार को धनबाद प्रेस क्लब के पदाधिकारियों के साथ वार्ता की। इस दौरान एडीएम को धनबाद प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने 16 अप्रैल को रणधीर वर्मा चौक पर पत्रकारों के साथ हुए दुर्व्यवहार की पूरी घटना से अवगत कराया। बताया कि 17 अप्रैल को घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध धनबाद थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गयी है। लेकिन अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं, एडीएम ने इस संबंध में धनबाद थाना के इंस्पेक्टर राम नारायण ठाकुर से फोन कर बात की और मामले में की जा रही कार्रवाई की प्रगति के बारे में जानकारी ली। एडीएम ने आश्वासन दिया कि पत्रकारों के साथ हुई घटना में जिला प्रशासन अपने स्तर से दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करेगा। इस मौके पर धनबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव झा, महासचिव अजय प्रसाद, वरीय पत्रकार प्रियेश सिन्हा, वरीय उपाध्यक्ष शशि भूषण राय, उपाध्यक्ष शरद पांडेय, सुरेंद्र यादव, सचिव संजय चौरसिया, राम मूर्ति पाठक और मोहम्मद शाहिद मौजूद थे।

कोयला चोरी पर अंकुश लगाने को लेकर बनायी गयी रणनीति

कोयला चोरी पर अंकुश को लेकर बैठक करते झरिया सीओ मनोज कुमार।

सप्ताह में दो दिन बीसीसीएल के पदाधिकारी, सीआईएसएफ और स्थानीय पुलिस को संयुक्त रूप से संभावित क्षेत्रों में गश्त लगाने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। बस्ताकोला ऑफिसर्स क्लब में शनिवार को कोलियरी क्षेत्र में कोयला चोरी पर रोक लगाने को लेकर झरिया सीओ, बीसीसीएल पदाधिकारी, सीआईएसएफ एवं संबंधित थाना क्षेत्र के पुलिस के साथ बैठक हुई। जिसमें बीसीसीएल एरिया छह, नौ, 10 और 11 के पदाधिकारी एवं सीआईएफ के जवान शामिल हुए। इस दौरान कोयला चोरी पर पूर्ण तरीके से नकेल कसने के लिए संयुक्त रूप से कदम उठाने को लेकर चर्चा हुई। बीसीसीएल की ओर से कई स्थान को चिन्हित किया गया, जहां से संगठित तरीके से कोयले की चोरी की घटना को अंजाम दिया जाता है। खासकर लोदना, बालू गद्दा क्षेत्र में अवैध उत्खनन का चर्चा जोरो पर है। डोजरिंग की कार्रवाई के बाद भी कोयला चोरो द्वारा मुहाने खोलकर कोयले की कटाई किए जाने से भविष्य में कभी भी दुर्घटना हो सकती है। झरिया सीओ मनोज कुमार ने कहा कि सप्ताह में दो दिन बीसीसीएल के पदाधिकारी, सीआईएसएफ एवं स्थानीय पुलिस बल संयुक्त रूप से संभावित क्षेत्र में ग्रस्त करें। कोयला तस्करों की किसी भी गतिविधि पर पूरी तैयारी के साथ कार्रवाई की जाए। वहीं, सीआइएसएफ जवानों ने कहा कि कई स्थान के आसपास मोहल्ला या आवास हैं। जहां छापामारी की गयी पर कोयला को पेलोडर से नहीं उठाया जा सका है। इन स्थान पर छापामारी के दौरान कोयले को जब्त करने के लिए मैन्युअल मजदूर की व्यवस्था हो। इस पर झरिया सीओ ने उक्त क्षेत्र के बीसीसीएल पदाधिकारी को मजदूर उपलब्ध कराने की पहल करने को कहा। इस मौके पर बस्ताकोला क्षेत्र के एजीएम एके शर्मा, कुसुंडा एजीएम हफीजुल कुरेसी और झरिया थाना से बिट्टू कुमार आदि मौजूद रहे।

बैटरी चालित ट्राइ साइकिल दिव्यांग जनों के लिए वरदान से कम नहीं : मंत्री योगेंद्र प्रसाद

- कथारा में सीएसआर द्वारा मंत्री ने बैटरी चलित ट्राई साइकिल का किया वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

कथारा/बेरमो। सीसीएल के सीएसआर मद से दिव्यांगजनों के बीच शनिवार को बैटरी चालित ट्राई साइकिल का वितरण राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद एवं सीसीएल कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कथारा कोलियरी परियोजना के सौजन्य से अतिथि गृह परिसर में आयोजित ट्राई साइकिल वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि यह बैटरी चालित ट्राई साइकिल दिव्यांग जनों के लिए वरदान से कम नहीं है। उन्होंने सीसीएल के सीएसआर द्वारा क्षेत्र में किये जा रहे सामाजिक कार्यों, सामाजिक दायित्वों की पूर्ति की सराहना की। वहीं, महाप्रबंधक संजय कुमार ने कहा कि आने वाला समय में सभी के सहयोग से क्षेत्र और बेहतर उत्पादन करेगा। जिससे मुख्यालय की ओर से सीएसआर मद से अधिक फंड मिलने से इसका लाभ यहां के लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सीएसआर मद से 1.25 करोड़ की लागत से क्षेत्र में पेयजल जिसमें तालाब निर्माण, डोभा, चापाकल के अलावा डीप बोरिंग के माध्यम से जलापूर्ति कार्य पूर्ण करने की योजना है। उन्होंने दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल का सही ढंग से सदुपयोग करने का आग्रह किया। समारोह का संचालन कथारा कोलियरी के प्रबंधक कृष्ण मुरारी और अध्यक्षता परियोजना पदाधिकारी दुर्गेश कुमार सिन्हा ने की। इस अवसर पर क्षेत्रीय स्तर के सीसीएल अधिकारियों में अवनीश कुमार, अनीश कुमार दिवाकर, श्यामसुंदर पाल, राहुल कुमार सिंह, चंदन कुमार, ट्रेड यूनियन नेता बरुन सिंह, लखन लाल महतो, बालेश्वर गोप, सुमसुल हक, इकबाल अहमद, मथुरा सिंह यादव पंचायत के मुखिया पूनम देवी, मिकाइल अंसारी, तरुलता देवी आदि उपस्थित थे। वहीं दिव्यांगजनों में बोरिया उत्तरी के कृष कुमार, ऋषि कुमार, मलय चक्रवर्ती, कथारा पंचायत के मोहम्मद आलम रजा, सरवन कुमार चौहान, ज्वाला मुंडा, ममता कुमारी, बोडिया दक्षिणी पंचायत के कविता देवी, संबल परवीन, पूरन सिंह, शाहिद अख्तर, गोविंदपुर पंचायत के हिमांशु कुमार महतो, झरकी पंचायत के गुलाम हुसैन, सद्दाम हुसैन, कलामुद्दीन अंसारी, मोहम्मद मकसूद अंसारी, सरर्चिया पंचायत के प्रमोद कुमार, वशिष्ठ दुबे, कुंती कुमारी और बांध पंचायत के शरीफ अंसारी को मंत्री एवं महाप्रबंधक द्वारा बैटरी चालित ट्राई साइकिल दिया गया। बताया जा रहा कि आसनापानी निवासी आलम राजा ने डीएवी के समीप रहने वाली बच्ची मनीषा कुमारी को अपना ट्राई साइकिल दे दिया। राजा ने बताया कि उससे ज्यादा इस बच्ची को इसकी जरूरत थी।

बिना नंबर प्लेट का वाहन पलटा, केबिन में फंसा चालक

झरिया (आजाद सिपाही)। लोदना क्षेत्र के कुजामा कोलियरी अंतर्गत देव प्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना से बिना नंबर प्लेट के ओबी लोड वॉल्वो झरिया सब्जी बागान छलछलीया धौडा मुख्य मार्ग के समीप पलट गयी। जिससे चालक कारु घायल हो गया।वह केबिन में फंस गया था। यह देख आसपास के लोग जुट गये और किसी तरह उसे वाहन से बाहर निकाला। वहीं, घटना की सूचना पाकर लोदना ओपी पुअनि बिरसा सवैया और आउटसोर्सिंग के साइड इंचार्ज सौरभ कुमार मौके पर पहुंच गये। उन्होंने घायल चालक को बाहर निकाल कैपर वाहन में बैठ कर झरिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, घटना से स्थानीय लोगों में आउटसोर्सिंग एवं बीसीसीएल प्रबंधन के प्रति काफी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि घनी आवादी के बीच भारी वाहनों का परिचालन होता है।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय अधीक्षक, मंडल कारा, कोडरमा गृह (कारा) विभाग

ई0 निविदा सूचना।

क01	कारा का नाम	मंडल कारा, कोडरमा।
2	विषय	मंडल कारा, कोडरमा में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार, खाद्यानों, हरी सब्जियों, आलू, फल एवं अन्य विविध सामग्रियों के कय/आपूर्ति के निमित्त ई0 निविदा का आमंत्रण (तृतीय त्रैमासिक ई0 निविदा दिनांक– 01.07.2025 से 30.09.2025 तक)
3	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	रूपये 5,000:00 (पॉच हजार) मात्र।
4	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय	दिनांक–05.05.2025 से 15.05.2025 के अपराहृन 05:00 बजे तक।
5	निविदा Online Upload करने की तिथि	दिनांक–05.05.2025 से 15.05.2025 के अपराहृन 05:00 बजे तक।
6	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि	दिनांक–16.05.2025 से 17.05.2025 के अपराहृन 04:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7	अग्रधन राशि (EMD) रूपये 2500/– से अधिक होने पर जमा करने की तिथि	17.05.2025 के अपराहृन 04:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8	निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान	दिनांक–19.05.2025 को पूर्वाहृन 11:00 बजे अपर समाहर्त्ता, कोडरमा के कार्यालय कक्ष में।

नोटः–
1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट http://jharkhand tenders.gov.in पर केवल e-tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा कोडरमा के कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थातिप किया जा सकता है। e-tender को Online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No.9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक, मंडल कारा कोडरमा।

PR.NO.351148 Home, Prison And Disaster Management(25-26):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सं0-०२, गढ़वा

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–**RDD/SD/GARHWA/01/2025-26,** दिनांक–26.04.2025

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	गढ़वा जिला अंतर्गत प्रखण्ड डण्डई के ग्राम तसरार में मदरसा सिराजुल उलूम तसरार के पास तालाब का जीर्णोद्धार कार्य।	9,99,800.00	20,000.00	1250.00	03 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 28.04.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय दिनांक–28.04.2025 से दिनांक–06.05.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सं0–02,गढ़वा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय–08.05.2025 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सं0–02,गढ़वा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० –8789191801 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्र.सं.–02, गढ़वा

PR 351136 Rural Development (25-26)_D

बोकारो डीपीएस में चित्रांजलि कार्यशाला आयोजित, कलाकार विजय चित्रकार ने सिखाये गुण

नयी पीढ़ी को जोड़ने से ही जीवित रहेगी कला: विजय चित्रकार

झारखंड की पारंपरिक पाटकर चित्रकला की बारीकियों से अवगत हुए विद्यार्थी

आजाद सिपाही संवाददाता

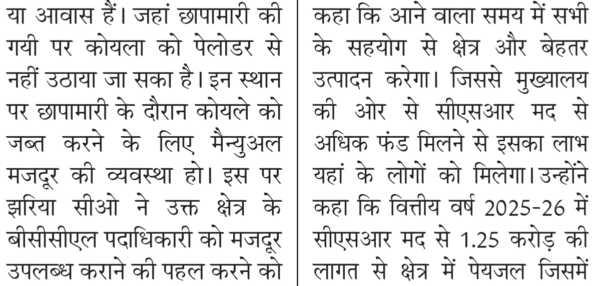

बोकारो (आजाद सिपाही)। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही विभिन्न विद्याओं में अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास की कटिबद्धता के तहत शनिवार को बोकारो डीपीएस में विशेष कार्यशाला आयोजित हुई। 'चित्र-ांजलि' नामक कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने झारखंड की पारंपरिक पाटकर चित्रकला की बारीकियां सीखीं। जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम) के अमाडुबी पानीजिया ग्रामीण पर्यटन केंद्र से आमंत्रित पाटकर पेंटिंग के लब्ध-प्रतिष्ठित कलाकार विजय चित्रकार ने बच्चों को इस लोक-कला के गुण सिखाए। कागज की शीटों को जोड़कर किस प्रकार लंबे स्क्रॉल, एकल शीट अथवा कपड़े पर प्राकृतिक रंगों की मदद से विभिन्न तरह के चित्र बनाए जाते हैं, इसके बारे में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी उन्होंने दी। विद्यार्थियों ने नदी तट के पत्थरों, हल्दी, पेड़ों की पत्तियां, पुटुस के फूल आदि से प्राकृतिक रंग तैयार करने का प्रशिक्षण लिया। उन्होंने बताया गया कि पाटकर पेंटिंग को कपड़े या कागज पर बनाया जा सकता है। चित्रों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए प्राकृतिक रंगों में नीम या बबूल की गोंद मिला दी जाती है। इसके बाद बच्चों ने चित्रकार के निर्देशन में रामायण, महाभारत, आदिवासी जनजीवन, करम पर्व आदि विषयों पर चित्रांकन कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई। इसके बाद उनके द्वारा तैयार चित्रों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई।

इस अवसर पर प्रशिक्षक विजय चित्रकार ने बताया कि पाटकर चित्रकला स्थानीय संताली कथाओं, प्रकृति, ग्रामीण जीवन और पौराणिक कथाओं पर आधारित होती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड में विकसित हुई पाटकर पेंटिंग किस्सागोई, गीत-गायन और रोचक चित्रों के मिश्रण की कला है। धार्मिक कथाएं, पौराणिक कहानियां और दैनिक सामाजिक जीवन लोक कथाओं के तत्वों के जरिए दशार्ने का यह माध्यम है। खासकर, हिंदू महाकाव्यों, जैसे रामायण और महाभारत आदि की झलक इसमें मिलती है। 10 साल की उम्र से ही अपने दादा से सीखकर पाटकर पेंटिंग कर रहे विजय चित्रकार ने ऐसी विद्याओं में बच्चों की जागरूकता को जरूरी बताया। कहा कि नई पीढ़ी को जब ऐसी लोक-कलाओं से जोड़ेंगे, तभी इसे आगे बढ़ाया और जीवित रखा जा सकता है। विदित हो कि विजय राष्ट्रीय स्तर की कई कार्यशालाओं में भी शामिल होकर झारखंड की इस कलात्मक धरोहर को एक खास पहचान दिलाने की दिशा में संघर्षरत हैं।

लोक-कलाओं और कलाकारों का प्रोत्साहन जरूरी: डॉ एएस गंगवार

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने आमंत्रित कलाकार विजय चित्रकार को स्मृति-चिह्न भेंटकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कहा कि विद्यालय में इस तरह के आयोजनों के जरिए एक तरफ जहां छात्र-छात्राओं में कलात्मक गुणों का विकास कर उन्हें देश की गौरवपूर्ण परंपरा व कला-संस्कृति से अवगत कराया जाता है। वहीं दूसरी लोक-कलाओं और संबंधित कलाकारों को प्रोत्साहित भी किया जाता है। इस दिशा में सभी को आगे आना चाहिए। तभी हमारी पुरानी लोक कलाएं संरक्षित, सुरक्षित और संवर्द्धित हो सकेंगी। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि कला शब्दों की सीमाओं से परे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की भाषा है। बच्चे अच्छा सीखें तथा रचनात्मक और अच्छा कलाकार भी बनें।

कार्यालयः– जिला अभियंता, लातेहार।
अति अल्पकालीन ई–निविदा आंमत्रण सूचना
ई0–संख्या– ZP/LATEHAR- 33/2024-25 (3rd Call)

1.कार्य का नामः–

क्र	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	NIT रेफरेन्स संख्या
1	प्रखण्ड बालूमाथ पंचायत मुरपा ग्राम जिपुआ (दरहा) में पुलिया निर्माण।	69,50,986	1,39,500	10,000	06 माह	01/2024-25 /ZP/LATEHAR

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 29.04.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः–05.05.2025, 5.00 बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 07.05.2025 अपराहन 01:00 बजे।
5. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार परिमाण विपत्र का 02 प्रतिशत राशि अग्रधन की राशि के रूप में जमा करना होगा।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार किया जाएगा।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जाएगा उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।
8. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– जिला अभियंता, लातेहार।
9. ई–निविदा प्रकोश्ठ का दूरभाश संख्या– 6205276661
10. प्राक्कलित राशि बढ़ या घट सकती है।
11. संवेदक को Ucan Certificate संलग्न करना अनिवार्य नहीं है।
12. प्राप्त पत्र के आलोक में उक्त निविदा में लातेहार जिला में निबंधित संवेदक ही भाग ले सकेंगे।
13. उक्त निविदा में RWD/ जिला परिशद, लातेहार में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक निविदा में भाग ले सकते है।
14. विस्तृत जानकारी के लिए बेवसाईट www.jharkhandtendres.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
लातेहार।

PR 351171 Rural Development(25-26)D

पोप फ्रांसिस रोम की चर्च में दफनाये गये

- मकबरे पर लिखा गया- फ्रांसिसस
- अंतिम संस्कार में ढाई लाख लोग शामिल हुए

एजेंसी

वेटिकन। ईसाई कैथोलिक धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का शव रोम के सांता मारिया मैगियोरे बेसिलिका में दफना दिया गया है। शव को दफनाने से पहले यहां एक छोटी प्रार्थना रखी गई। पोप को दफनाने की प्रक्रिया का लाइव टेलीकास्ट नहीं हुआ। ये जगह सेंट पीटर्स स्क्वायर से करीब 4 किमी दूर है। पोप फ्रांसिस ने अपनी अंतिम इच्छा में कहा था कि उन्हें जमीन में एक साधारण कब्र में दफनाया जाए, जिस पर केवल Franciscus (उनके नाम फ्रांसिस का लैटिन रूप) लिखा हो। सेंट पीटर्स स्क्वायर पर पोप के अंतिम संस्कार की रस्में 1:30 बजे से शुरू होकर करीब तीन घंटे चलीं। उनका शव सेंट पीटर्स बेसिलिका से निकालकर सेंट पीटर्स स्क्वायर में रखा गया, जहां प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। पोप के अंतिम संस्कार में ढाई लाख लोग जुटे। 170 देशों के प्रतिनिधि पोप के अंतिम दर्शन करने पहुंचे। इनमें भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शामिल हैं। पोप के अंतिम संस्कार से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मुलाकात की। इसे लेकर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह मुलाकात अच्छी रही और इसके ऐतिहासिक बनने की संभावना है। पोप का 21 अप्रैल को 88 साल की उम्र में स्ट्रोक और हार्ट फैलियर से निधन हुआ था। बीते तीन दिन से उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में अंतिम दर्शन के लिए सेंट पीटर्स बेसिलिका में रखा गया था।

अहिंसा हमारा स्वभाव और मूल्य है लेकिन कुछ लोग नहीं बदलेंगे : भागवत

राजा का कर्तव्य प्रजा की रक्षा करना है, राजा को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को एक बार फिर पहलगाम हमले पर बयान दिया। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा, 'अहिंसा हमारा स्वभाव है, हमारा मूल्य है, लेकिन कुछ लोग नहीं बदलेंगे, चाहे कुछ भी कर लो, वे दुनिया को परेशान करते रहेंगे, तो उनका क्या करें। उन्होंने कहा कि राजा का कर्तव्य प्रजा की रक्षा करना है, राजा को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।' भागवत ने यह बात नयी दिल्ली में पीएम संग्रहालय में स्वामी विज्ञानंद की पुस्तक 'हिंदू मेनिफेस्टो' के विमोचन के दौरान कही। इस दौरान पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये 26 लोगों के लिए 2 मिनट का मौन भी रखा गया। भागवत ने कहा- यह किताब 'हिंदू मेनिफेस्टो' चर्चा के लिए है, आम सहमति बनाने के लिए है। यह एक प्रस्ताव है, इसे बहुत स्टडी के बाद बनाया गया है। इसमें बताया है कि आज आम सहमति की जरूरत है, क्योंकि दुनिया को एक नया रास्ता चाहिए। दुनिया दो रास्तों के बारे में सोचती है, उन्होंने दोनों रास्तों पर कदम रखा और तीसरा रास्ता चाहिए था, जो भारत के पास है। दुनिया को रास्ता दिखाना भारत की जिम्मेदारी है। यह परंपरा के रूप में भारत के पास है।

मोहन भागवत के बयान की बड़ी बातें

- 'दुनिया को हमें बहुत सिखाना है और हमारे पास बहुत है। हमारी अहिंसा लोगों को बदलने के लिए है। उन्हें अहिंसक बनाने के लिए है। कुछ लोग तो बन गये, लेकिन कुछ नहीं बने। वे इतने बिगड़े हैं कि कुछ भी करो वे नहीं बदलेंगे। बल्कि दुनिया में और उपद्रव करेंगे।'
- 'मैंने रावण का जिक्र इसलिए किया, क्योंकि हम तो किसी के दुश्मन नहीं, द्वेष हमारा स्वभाव नहीं है। रावण का वध भी उसके कल्याण के लिए हुआ था। उसके पास अच्छा आदमी बनने के लिए जो जरूरी होता है वह सब था।'
- 'उसने जिस शरीर और मन-बुद्धि को स्वीकार किया, उसने अच्छाई को उसके अंदर जाने नहीं दिया। उसको अच्छा बनाने का एक ही उपाय है कि उस शरीर को समाप्त किया जाए। इसलिए भगवान ने उसका संहार किया।'
- 'हमारे यहां देखा जाता है कि शत्रु अच्छा है या बुरा, यह देखा जाता है। इसे बैलेंस किया जाता है। इसलिए गीता में अहिंसा का उपदेश है, ताकि अर्जुन लड़े और मारे क्योंकि उस समय ऐसे लोग सामने थे कि उनका कोई और इलाज नहीं था।'

धर्म पूछकर हत्या करना निंदनीय, हिंदू कभी ऐसा नहीं करेगा

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने लोगों से उनका धर्म पूछने के बाद हत्या की। हिंदू कभी ऐसा नहीं करेगा। मोहन भागवत ने आगे कहा कि यह लड़ाई धर्म और अधर्म के बीच की है। हमारा देश कितना शक्तिशाली है यह दिखाने का समय आ गया है। भागवत ने ये बातें मुंबई में एक कार्यक्रम में कहीं।

ईरान के बंदरअब्बास पोर्ट पर धमाका

5 की मौत, 700 से ज्यादा घायल

- ज्वलनशील पदार्थों को रखने में लापरवाही से हुआ हादसा

एजेंसी

तेहरान। ईरान के बंदर अब्बास पोर्ट पर शनिवार को विस्फोट में 5 लोगों की मौत हो गयी और 700 से ज्यादा घायल हो गये। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुरूआती जांच में पता चला है कि घटनास्थल पर ज्वलनशील पदार्थों के स्टोरेज में लापरवाही से यह हादसा हुआ।

ईरानी अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट बंदर अब्बास पोर्ट के ठीक बाहर शाहिद राजाई पोर्ट के सिना कंटेनर यार्ड में हुआ। यहां पर ट्रांसपोर्ट कंटेनर्स को रखा जाता है, जिसमें ऑयल और अन्य पेट्रोकेमिकल फेसिलिटी भी है।

रेस्क्यू वर्कर्स हादसे वाली जगह से लोगों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। ईरानी मीडिया का कहना है कि विस्फोट की वजह से किसी एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान नहीं पहुंचा है।

ईरान को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की वजह से जरूरी इक्विपमेंट नहीं मिल पाते हैं, इस वजह से यहां पर अक्सर इंडस्ट्रीयल दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

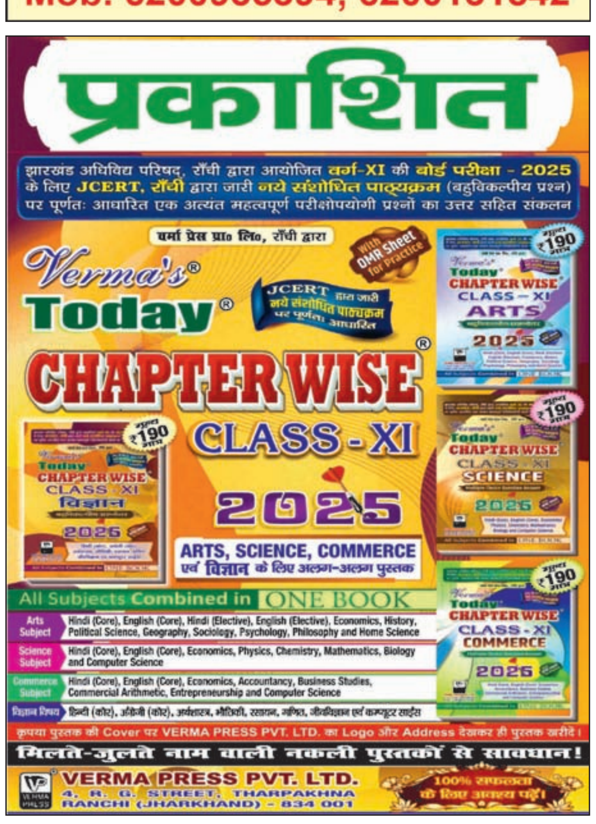

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**